पुरुलिया रैली को संबोधित करते... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

करण जौहर के शो का हिस्सा... 11

वर्ष - 01, अंक - 356 | गाजियाबाद / सोमवार 30 मार्च 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

रेमंड के पूर्व चेयरमैन विजयपत सिंघानिया का निधन

- बेटे गौतम ने सोशल मीडिया पर दी जानकारी

मुंबई (एजेंसी)। रेमंड ग्रुप के पूर्व चेयरमैन विजयपत सिंघानिया का 87 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके बेटे गौतम सिंघानिया ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी। उनका अंतिम संस्कार मुंबई के चंदनवाड़ी श्मशान घाट में किया गया। गौतम सिंघानिया ने अपने मैसेज में लिखा है कि उनके पिता एक दूरदर्शी नेता और समाजसेवी इंसान थे, जिनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। विजयपत सिंघानिया देश की प्रमुख टेक्सटाइल कंपनी रेमंड ग्रुप के पूर्व मैनेजिंग डायरेक्टर रहे हैं। विजयपत 2017 से ही बेटे गौतम सिंघानिया के साथ परिवार और संपत्ति से जुड़े विवाद को लेकर सुर्खियों में थे।

अमेरिका में ट्रम्प के खिलाफ 80 लाख लोगों का मार्च

- 3,300 जगह प्रदर्शन, ईरान वॉर और महंगाई को लेकर पद से हटाने की मांग

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में शनिवार को राष्ट्रपति ट्रम्प के खिलाफ हुए 'नो किंग्स रैली' में 80 लाख लोगों ने हिस्सा लिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पूरे अमेरिका के सभी 50 राज्यों में 3,300 से ज्यादा जगहों पर ये प्रदर्शन आयोजित किए गए। आयोजकों ने बताया कि अक्टूबर में हुए पिछले नो किंग्स प्रदर्शनों की तुलना में इस बार करीब 10 लाख

ज्यादा लोग शामिल हुए और लगभग 600 ज्यादा कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि वे ट्रम्प सरकार की कई नीतियों से नाराज हैं। उनका गुस्सा खास तौर पर ईरान के साथ बढ़ते तनाव, सख्त इमिग्रेशन कार्रवाई और बढ़ती महंगाई को लेकर है। कई जगहों पर लोगों ने ट्रम्प और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के खिलाफ पोस्टर दिखाए और उन्हें पद से हटाने की मांग की।

बेंगलुरु में प्रोफेसर ने स्टूडेंट को आतंकी कहा, सस्पेंड

- आरोप-यूनिवर्सिटी ने क्लास में पीड़ित का सपोर्ट करने पर अन्य छात्रों को सस्पेंड किया

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के बेंगलुरु में निजी यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर के खिलाफ स्टूडेंट को आतंकी कहने पर शनिवार को केस दर्ज हुआ। यूनिवर्सिटी ने प्रोफेसर को सस्पेंड कर दिया है। घटना का 58 सेकेंड का वीडियो वायरल है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, पुलिस ने मामले पर खुद से नोटिस लिया। घटना 24 मार्च की है। एफआईआर के मुताबिक, विशेष समुदाय के छात्र ने प्रोफेसर से क्लास से बाहर जाने की

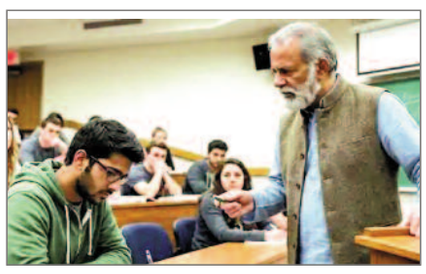

परमिशन मांगी। इस पर प्रोफेसर को गुस्सा आ गया। उन्होंने कहा- शर्म नहीं आती तुमको आतंकी। प्रोफेसर यहां नहीं रुके, उन्होंने कहा, 'मैंने सोचा था कि मैं आज बहुत शांत रहूंगा। ईरान युद्ध तुम्हारे जैसे लोगों की वजह से हुआ। ट्रम्प तुम्हें ले जाएगा। तुम बेवकूफ हो तुम नरक में जाओगे।' पुलिस के मुताबिक प्रोफेसर ने क्लास में पीड़ित छात्र को बार-बार आतंकी कहा और उसके साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। घटना के वक्त क्लास में 60 स्टूडेंट मौजूद थे। पुलिस का कहना है कि छात्र की ओर से औपचारिक शिकायत नहीं मिली है।

जंग के चलते दुनिया में

पेट्रोल-डीजल का संकट

- मन की बात में पीएम मोदी बोले-भारत हर चुनौती से निपट रहा

कहा-अफवाहों में ना आए सरकार की जानकारी पर भरोसा करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 132वें एपिसोड में अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का जिक्र किया। पीएम ने कहा कि दुनिया में जंग चल रही है। पेट्रोल-डीजल का संकट पैदा हुआ है, लेकिन भारत इस चुनौती से निपट रहा है। सरकार लोगों से अपील करती है कि किसी तरह की अफवाहों में न आएं। सरकार की तरफ से जानकारी पर भरोसा करें। कुछ लोग माहौल बिगाड़ने की कोशिश में लगे हैं। इससे वे देश का नुकसान कर रहे हैं। साथियों,जिस क्षेत्र में अभी युद्ध चल रहा है, वह क्षेत्र हमारी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा केंद्र है। इसकी वजह से दुनिया भर में पेट्रोल और डीजल को लेकर संकट की स्थिति बनती जा रही है। हमारे वैश्विक संबंध, अलग-अलग देशों से मिल रहा सहयोग और पिछले एक दशक में देश का जो सामर्थ्य बना है, इनकी वजह से भारत इन परिस्थितियों का डटकर मुकाबला कर रहा है। मैं सभी देशवासियों से अपील भी करूंगा कि वो जागरुक रहें, अफवाहों में ना आएं।

मार्च का ये महीना बहुत ही हलचल भरा रहा

मार्च का ये महीना, वैश्विक स्तर पर बहुत ही हलचल भरा रहा है। हम सबको याद है कि पूरी दुनिया इससे पहले कोविड के कारण एक लंबे समय तक अनेक समस्याओं से गुजर चुकी है। हम सभी की अपेक्षा थी कि कोरोना के संकट से निकलने के बाद दुनिया नए सिरे से प्रगति की राह पर आगे बढ़ेगी। लेकिन, दुनिया के अलग-अलग क्षेत्रों में लगातार युद्ध और संघर्ष की परिस्थितियां बनती चली गईं। वर्तमान में हमारे पड़ोस में एक माह से भीषण युद्ध चल रहा है। हमारे लाखों परिवारों के सगे-संबंधी इन देशों में रहते हैं, खासतौर पर खाड़ी देशों में काम करते हैं। मैं खाड़ी देशों का बहुत आभारी हूं, वे ऐसे एक करोड़ से ज्यादा भारतीयों को वहां पर हर प्रकार की मदद दे रहे हैं।

केरल स्वार्थी राजनीति के दो मुखौटों में फंसा

- एलडीएफ-यूडीएफ दोनों भ्रष्टाचारी, इन्हें भाजपा से डर
- मोदी बोले-सत्ता में आते ही काले कारनामे खुल जाएंगे

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। पीएम मोदी ने रविवार को केरल में चुनाव प्रचार की शुरुआत की। पलक्कड़ में एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि दशकों से केरल मतलबी पॉलिटिक्स के दो मुखौटों के बीच फंसा हुआ है। एक तरफ एलडीएफ, दूसरी तरफ यूडीएफ एक तरफ कम्युनिस्ट, दूसरी कांग्रेस। एक करप्ट, दूसरा महा-करप्ट। एक कम्युनल, दूसरा महा-कम्युनल। एलडीएफ और यूडीएफ की सारी पॉलिसी सिर्फ वोट-बैंक पॉलिटिक्स के लिए हैं। इन भ्रष्टाचारी पार्टियों को बीजेपी से डर लगता है। अगर हम सत्ता में आ गए तो इनके सारे काले कारनामों की पोल खुल जाएगी।

पंजाब के मलेरकोटला में 2 आतंकी गिरफ्तार

- पंजाब और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने दबोचा

मलेरकोटला (एजेंसी)। पंजाब के मलेरकोटला से पंजाब पुलिस और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में दो संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपियों की पहचान अब्बू गाबा और उस्मान के रूप में हुई है। इन्हें शेरवानी कोटे गांव से शनिवार को गिरफ्तार किया गया जहां वे पिछले कई वर्षों से किरायेदार के रूप में रह रहे थे। इसके साथ ही 5 साल से मजदूरी भी कर रहे थे। इस मामले में बड़ा खुलासा उस समय हुआ जब युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत पकड़े गए एक स्थानीय नशा तस्कर से पूछताछ की गई। जांच के दौरान सामने आए इनपुट के आधार पर दोनों संदिग्धों की पहचान जम्मू-कश्मीर में वांछित आतंकियों से मेल खाती पाई गई। मलेरकोटला पुलिस की एसटीएफ विंग की टीम ने शनिवार को गांव में छापा मारकर दोनों को हिरासत में लिया। प्रारंभिक पूछताछ के बाद उन्हें आगे की जांच के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

एक तरफ से बातचीत तो दूसरी ओर रच रहा साजिश

- अमरीका के जमीनी हमले की आशंका पर ईरान ने खूब लताड़ा

तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने अमेरिका पर बड़ा आरोप लगाया है। इसमें कहा गया है कि अमेरिका सिर्फ बातचीत का दिखावा कर रहा है। जबकि अंदरखाने वह एक गुप्त मिशन प्लान कर रहा है, जिसके तहत वह ईरान पर जमीनी हमले की तैयारी में है। यह बात ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर घालीबाफ ने कही है। साथ ही उन्होंने यह भी चेतावनी दे डाली कि ईरान की सेना, अमेरिकी सैन्य बलों हमले के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस दोहरे रवैये के लिए ईरानी संसद के स्पीकर ने डोनाल्ड ट्रंप को भी खूब लताड़ा लगाई है। इरना समाचार एजेंसी द्वारा प्रकाशित कमेंट्स में,घालीबाफ ने ट्रंप की ईरान के साथ बातचीत करने की इच्छा पर उन्हें जमकर सुनाया। उन्होंने कहाकि दुश्मन खुलकर बातचीत संदेश भेज रहा है और गुप्त रूप से जमीन हमले की योजना बना रहा है।

- सच्चाई सामने लाने वाली आवाजों को खामोश करने की कोशिश - सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में अराघची ने इस हमले को टारगेट किलिंग करार दिया। उन्होंने कहाकि यह सच्चाई सामने लाने वाली आवाजों को खामोश करने की कोशिश है। उधर इजरायल की सेना ने अली शोएब की मौत की पुष्टि करते हुए दावा किया है कि वह हिजबुल्लाह का सदस्य था और पत्रकार के रूप में काम कर रहा था।

गोवा सेक्स स्कैंडल में 100 से ज्यादा नाबालिग पीड़ित

- कांग्रेस बोली-भाजपा पार्षद का बेटा 3 साल से इस नेटवर्क में शामिल

पणजी (एजेंसी)। गोवा में नाबालिग लड़कियों से दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार भाजपा पार्षद के बेटे को लेकर कांग्रेस ने नए दावे किए हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अमित पाटकर ने आरोप लगाया कि इस सेक्स स्कैंडल में 100 से ज्यादा नाबालिग लड़कियां पीड़ित हैं। साउथ गोवा के कर्चोरेम म्युनिसिपल कार्उंसिल के सदस्य सुशांत नाइक के 20 साल के बेटे सोहम पर नाबालिग लड़कियों से दुष्कर्म, अश्लील वीडियो बनाने और उन्हें फैलाने का आरोप है। पुलिस ने अब तक सोहम के खिलाफ तीन शिकायतों की पुष्टि की है। सोहम के खिलाफ पॉक्सो एक्ट, गोवा चिल्ड्रन एक्ट, भारतीय न्याय संहिता और आईटी एक्ट के तहत चार मामले दर्ज किए गए हैं। गोवा प्रदेश महिला कांग्रेस के प्रोटेस्ट मार्च के दौरान अमित पाटकर ने कहा कि यह मामला जितना सामने आया है, उससे कहीं बड़ा हो सकता है।

वित्त मंत्रालय ने माना इकोनॉमी की रफ्तार पड़ी धीमी

- महंगे तेल-लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन बिगड़ने का असर, महंगाई बढ़ने के संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्रालय ने मार्च 2026 की अपनी मंथली इकोनॉमिक रिव्यू रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार अब थोड़ी धीमी हो सकती है। इसकी सबसे बड़ी वजह पश्चिम एशिया में चल रहा तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें हैं। मंत्रालय ने माना है कि इन बाहरी झटकों की वजह से देश के अंदर इनपुट कॉस्ट यानी प्रोडक्शन की लागत बढ़ गई है, जिससे आर्थिक गतिविधियों पर दबाव दिख रहा है।

- फरवरी तक स्थिति मजबूत थी, मार्च से बिगड़ने लगी- रिपोर्ट में कहा गया है कि फरवरी 2026 तक भारतीय इकोनॉमी काफी मजबूत स्थिति में थी। डोमेस्टिक डिमांड, इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार और सरकारी नीतियों की मदद से सप्लाई और डिमांड दोनों मोर्चों पर प्रदर्शन अच्छा रहा था। मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर में बढ़त बनी हुई थी, वहीं गाड़ियों की बिक्री और डिजिटल पेमेंट्स में भी लगातार ग्रोथ दर्ज की गई थी। इनपुट कॉस्ट और सप्लाई चेन में दिक्कतें बढ़ी हैं।

इकोनॉमी पर इन 3 वजहों से बढ़ रहा है दबाव

महंगा कच्चा तेल : ग्लोबल मार्केट में तेल की कीमतें बढ़ने से कंपनियों की लागत बढ़ गई है। लॉजिस्टिक्स-इंश्योरेंस : समुद्री रास्तों में तनाव की वजह से माल ढुलाई का किराया और इंश्योरेंस प्रीमियम महंगा हो गया है। सप्लाई चेन :जरूरी इनपुट्स की सप्लाई में देरी होने से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर असर पड़ रहा है।

डिमांड अब भी बरकरार पर ग्रामीण इलाकों में चिंता

राहत की बात यह है कि देश में घरेलू मांग अभी भी बनी हुई है। व्हीकल रजिस्ट्रेशन और डिजिटल ट्रांजेक्शन के आंकड़े बता रहे हैं कि लोग खरीदारी कर रहे हैं। हालांकि, रिपोर्ट में एक रेड फ्लैग भी दिखाया गया है। मंत्रालय ने नोट किया है कि ग्रामीण इलाकों में सेंटीमेंट थोड़ा कमजोर हुआ है।

रिटेल महंगाई में भी उछाल के संकेत

रिटेल महंगाई में भी उछाल के संकेत मिले हैं। अभी तक महंगाई बढ़ने की मुख्य वजह खाद्य पदार्थों की कीमतें थीं, लेकिन मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि कच्चे तेल की बढ़ी हुई कीमतों का पूरा असर अभी तक घरेलू बाजार में नहीं दिखा है। अगर वैश्विक स्तर पर एनर्जी की कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी रहती हैं, तो आने वाले दिनों में महंगाई और बढ़ सकती है। यह अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा रिस्क है। पिछले महीने फरवरी में रिटेल महंगाई बढ़कर 3.21 फीसदी पर पहुंच गई थी। सरकार अभी भी इंफ्रास्ट्रक्चर और कैपिटल एक्सपेंडिचर को ग्रोथ का मुख्य जरिया मान रही है। स्टील और सीमेंट के प्रोडक्शन में हो रही बढ़ोतरी इस बात का सबूत है कि कंस्ट्रक्शन का काम तेज है।

- भारत और यूएई ने बनाया प्लान, श्रीलंका का ऊर्जा संकट होगा खत्म

दूसरे विश्व युद्ध के समय बने ऑयल टैंक को करेंगे जिंदा

कोलंबो (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में हो रहे अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य टकराव के चलते भारत का पड़ोसी श्रीलंका ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। इस मुश्किल समय में भारत एक बार फिर सामने आया है। भारत ने डीजल और पेट्रोल भेजकर श्रीलंका की मदद की है। इन सबसे बीच श्रीलंका के त्रिंकोमाली में दूसरे विश्व युद्ध के समय बने तेल टैंक के फार्म सुर्खियों में आ गए हैं। श्रीलंका में इन तेल टैंकों को फिर से विकसित करने पर चर्चा हो रही है। श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेराथ ने इसे देश के ऊर्जा संकट का एकमात्र भरोसेमंद और लंबे समय का हल बताया है। हेराथ ने इसी 21 मार्च तो भारतीय मीडिया आउटलेट से बात की थी। उस दौरान उन्होंने ऊर्जा संकट को लेकर कहा था कि हमें तेल के भंडारण और वितरण से निपटने के लिए लंबी अवधि की रणनीति की जरूरत है। उन्होंने भारत और यूएई के साथ समझौता ज्ञापन का जिक्र किया।

भारत और यूएई करेंगे तेल टैंक का विकास

इस समझौते के तहत भारत, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात ने त्रिंकोमाली को एक क्षेत्रीय ऊर्जा केंद्र के रूप में विकसित करने पर सहमति जताई थी। इस समझौते में टैंक फॉर्म को आधुनिक करने और तेल शोधन व वितरण के लिए नए बुनियादी ढांचा स्थापित करने की योजनाएं शामिल थीं। त्रिंकोमाली प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने पर ऐसे समय में जोर दिया जा रहा है, जब श्रीलंका में ईंधन की स्थिति तेजी से बिगड़ गई है। हालांकि, श्रीलंका होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते सीधे तेल आयात नहीं करता है। उसके स्रोत भारत, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर हैं, लेकिन ईरान के हमले से होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने के बाद वैश्विक आपूर्ति बाधित हुई है। त्रिंकोमाली का टैंक फार्म 1930 के दशक में बनाया गया था ताकि हिंद महासागर और प्रशांत महासागर में मौजूद ब्रिटिश बेड़े को तेल की सप्लाई की जा सके। इस टैंक फार्म में 99 स्टोरेज टैंक हैं और हर टैंक की क्षमता 12000 किलोलीटर है। 1987 में भारत-श्रीलंका के बीच समझौता हुआ, जिसमें भारत और श्रीलंका मिलकर प्रोजेक्ट तैयार करेंगे।

अडाणी डिफेंस ने आर्मी को सौंपी 2,000 मशीन गन

- दुश्मनों को 1 किमी दूर से मार गिराने की क्षमता, एक मिनट में 700 राउंड फायरिंग

ग्वालियर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने भारतीय सेना को 2,000 'प्रहार' लाइट मशीन गन की पहली खेप सौंपी। यह 7.62 मिमी कैलिबर के हथियार ग्वालियर के स्मॉल आर्म्स कॉम्प्लेक्स में बनाए गए हैं। सरकार इन हथियारों का इस्तेमाल सुरक्षा और मारक क्षमता बढ़ाने के लिए करेगी। 'प्रहार' की मारक क्षमता 1,000 मीटर तक है, जिससे दुश्मनों को दूर से निशाना बनाया जा सकता है। मशीन गन 8 किलोग्राम की हैं, जिनकी लंबाई 1100 एमएम है। एक मिनट में 700 राउंड फायरिंग होगी। शनिवार को ग्वालियर स्थित प्लांट में सेना को मशीनगन सौंपने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें रक्षा मंत्रालय के डीजी ए. अंबरासु, कंपनी के सीईओ आशीष राजवंशी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। अधिकारियों ने मशीन गन की पहली खेप लेकर जा रहे ट्रकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

तमिलनाडु के प्रसिद्ध मंदिर की छत गिरी, महिला श्रद्धालु की मौत, दो घायल

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के त्रिची में प्रसिद्ध सामयापुरम मरियम्मन मंदिर के मंडपम में सो रही एक महिला श्रद्धालु की छत का हिस्सा गिरने से मौत हो गई। सामयापुरम मरियम्मन मंदिर तमिलनाडु के सबसे बड़े शक्ति मंदिरों में से एक है। दूर-दूर से श्रद्धालु पैदल चलकर यहां आते हैं, रात को मंडपम में रुकते हैं और सुबह माता मरियम्मन के दर्शन करते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक थंजावुर जिले से अपने परिजनों के साथ आई नथिया (32) अन्य श्रद्धालुओं के साथ मंडपम में सो रही थी। रात को अचानक छत का एक बड़ा हिस्सा टूटकर तीन महिलाओं पर आ गिर गया। नथिया को भी इस हादसे में गंभीर चोटें आईं उसकी मौके पर ही उनकी मौत हो गई। दो अन्य महिलाओं को वहां मौजूद दूसरे श्रद्धालुओं ने बचाया और अस्पताल पहुंचाया जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। यह सवाल उठ रहे हैं कि इतने बड़े और प्रसिद्ध मंदिर में इमारत की नियमित जांच क्यों नहीं होती और श्रद्धालुओं की सुरक्षा का जिम्मा कौन लेगा। यह हादसा उस वक्त हुआ जब मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। एक तरफ जहां लोग आस्था लेकर आते हैं वहीं इस तरह की घटनाएं मंदिर प्रशासन की लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

पटना के दलदली रोड में भीषण अग्निकांड, मकान में फंसे 4 लोग, फायरकर्मियों ने किया रेस्क्यू

पटना (एजेंसी)। राजधानी के गांधी मैदान थाना क्षेत्र अंतर्गत दलदली रोड में शनिवार देर रात एक आवासीय मकान में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। यह घटना रात करीब 2:30 बजे की है, जब प्रेम कुमार नामक व्यक्ति के मकान में अचानक आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने इतना विकराल रूप धारण कर लिया कि महज पांच मिनट के भीतर पूरी बिल्डिंग धू-धू कर जलने लगी। आग की तेज लपटों और धुएं के गुबार को देखकर आसपास के घरों के लोग और दुकानदार जान बचाकर बाहर की ओर भागे। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी अजीत कुमार ने बताया कि संकरी गलियां और पतले रास्ते होने के कारण दमकल वाहनों को घटनास्थल तक पहुंचने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। दमकल कर्मियों ने करीब ढाई घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया।हालांकि, जब तक आग बुझाई जा सकी, तब तक मकान के भीतर रखा सारा कीमती सामान जलकर राख हो चुका था। इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन संपत्ति का भारी नुकसान हुआ है। शुरुआती जांच में आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है, प्रशासन मामले की जांच कर रहा है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और ब्लैकमेलिंग मामले का आरोपी गिरफ्तार

नूंह (एजेंसी)। हरियाणा के फिरोजपुर झिरका क्षेत्र में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने का गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, 28 मार्च को सिटी थाना फिरोजपुर झिरका में मामला दर्ज किया गया। यह केस हरियाणा धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2022 और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज किया गया है। इस संबंध में शिकायतकर्ता महिला, जो पंजाबी समुदाय से बताई जा रही है, ने आरोप लगाया है, कि आरोपी जाहिर पुत्र यूनुस ने पहले उससे ऑनलाइन दोस्ती की। बाद में शादी का झांसा देकर उसे मेवात क्षेत्र में बुलाया, जहां एक होटल में उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया गया। पीड़िता का कहना है कि आरोपी ने घटना के दौरान अश्लील वीडियो बना लिया और बाद में उसी के जरिए उसे ब्लैकमेल करने लगा। आरोप है कि आरोपी लगातार धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालता रहा और विरोध करने पर उसके साथ मारपीट भी की गई। शिकायत में यह भी उल्लेख है कि आरोपी ने महिला को धमकाकर वहां से भगा दिया। इसके बाद पीड़िता ने पुलिस से संपर्क कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी और न्याय की मांग की। पुलिस ने आरोपी की पहचान जाहिर पुत्र यूनुस, निवासी फिरोजपुर झिरका के रूप में की है और उसे गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जानकारी देते हुए डीएसपी अजायब सिंह ने बताया कि पीड़िता के बयान के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। उन्होंने कहा कि आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा, ताकि मामले के सभी पहलुओं की गहराई से जांच की जा सके। पुलिस का कहना है कि साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बीजेपी सांसद और विधायक ने किया कई विकास परियोजनाओं का शुभारंभ

-पालम की बदलेगी तस्वीर, भविष्य की योजनाओं पर होगा तेजी से काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण दिल्ली से बीजेपी सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी और विधायक कुलदीप सोलंकी ने शनिवार को 12 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का औपचारिक शुभारंभ किया। इन योजनाओं के तहत क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं, जैसे सड़कों, गलियों, नालियों और पार्कों को आधुनिक और बेहतर बनाया जाएगा। एक शिलान्यास समारोह के दौरान बिधूड़ी और सोलंकी ने विकास कार्यों की नींव रखी। इस बजट से पालम गांव में होगी सड़क और ड्रेनेज (जल निकासी) व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण, क्षेत्र के पार्कों में दो नए जिम और बच्चों के लिए लगाए जाएंगे झूले, राजनगर की गलियों का पुनर्निर्माण, गोकल गार्डन की सड़क, शिक्षा भारती से रामफल चौक तक की सड़क, सेक्टर-7 की मुख्य रोड और वर्धमान माल से दादा देव श्मशान घाट तक की सड़क का निर्माण कार्य शामिल है। सांसद बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली सरकार क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जानकारी दी कि दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने पूरे पालम विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए कुल 187 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। उन्होंने पिछले एक साल की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि दिल्ली में आरोग्य मंदिर, इलेक्ट्रिक बसें, अटल कैंटीन और स्कूलों में कंप्यूटर जैसी सुविधाओं पर तेजी से काम हुआ है। उन्होंने भविष्य की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि आने वाले दिनों में यमुना की सफाई, सीवर मास्टर प्लान और पानी की पुरानी पाइपलाइनों को बदलने जैसी बड़ी परियोजनाएं शुरू हो रही हैं। इन कार्यों के पूरा होने से दिल्ली तेजी से विकास के पथ पर दौड़ती नजर आएगी।

पुरुलिया रैली को संबोधित करते हुए ममता ने कहा...

बंगाल में अगर बीजेपी आई तो लोग मछली, मांस और अंडे नहीं खा पाएंगे

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख और सीएम ममता बनर्जी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में आयोजित एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, कि यदि बीजेपी राज्य में सत्ता में आती है, तो वह बंगाल की पारंपरिक खान-पान संस्कृति पर रोक लगा सकती है। बीजेपी के आने पर लोग मछली, मांस और अंडे नहीं खा पाएंगे।

रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा ऐसे विचारों को बढ़ावा देती है, जिनमें मछली, मांस और अंडे जैसे खाद्य पदार्थों के सेवन पर प्रतिबंध की बात कही जाती है। उन्होंने दावा किया कि यह बंगाल की सांस्कृतिक पहचान पर सीधा हमला होगा। उन्होंने भाजपा पर धार्मिक और जातीय विभाजन करने के साथ ही दंगे भड़काने के आरोप भी लगाए।

टीएमसी सुप्रीमो ममता ने बीजेपी शासित राज्यों का जिक्र करते हुए कहा कि वहां आदिवासियों का शोषण होता है और महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल उठते हैं। अपने भाषण में ममता बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी सीधा निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेपी नेताओं द्वारा टीएमसी के खिलाफ जारी की गई 'चार्जशीट' निराधार है और असल में भाजपा को अपने पिछले रिकॉर्ड का जवाब देना चाहिए। उन्होंने गुजरात के दंगों का जिक्र करते हुए बीजेपी की आलोचना की।

इसके साथ ही ममता बनर्जी ने राज्य सरकार की 'लक्ष्मी भंडार' योजना की सराहना करते हुए कहा कि इससे महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी चुनाव से पहले लाभ देने का वादा करती है, लेकिन बाद में योजनाओं को बंद कर देती है।

चुनाव आयोग की प्रक्रिया 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' (एसआईआर) पर भी सवाल उठाते हुए उन्होंने दावा किया कि करीब 1.2 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, जिनमें उनके समर्थक शामिल हैं। साथ ही, उन्होंने आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के तबादलों को लेकर भी असंतोष जताया। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल की 294 सीटों के लिए चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होंगे, जबकि मतगणना 4 मई को की जाएगी।

भारत की पाकिस्तान-बांग्लादेश बॉर्डर पर एंटी ड्रोन-सेंसर से निगरानी : चीन सीमा पर पेट्रोलिंग 3 गुना बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर और गलवान झड़प के बाद सीमाओं पर निगरानी बढ़ा दी है। पाकिस्तान और बांग्लादेश सीमा पर एंटी-ड्रोन, सेंसर और लेजर की मदद से निगरानी की जा रही है। वहीं, लद्दाख में चीन सीमा पर 29 नए आउटपोस्ट तैयार किए गए हैं। साथ ही भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की पेट्रोलिंग 3 गुना बढ़ा दी गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की सालना रिपोर्ट 2024-25 के मुताबिक, भारत-पाकिस्तान सीमा पर जम्मू क्षेत्र और भारत-बांग्लादेश सीमा पर धुबरी में 5-5 किमी इलाके में 'कंप्रीहेंसिव इंटीग्रेटेड बॉर्डर मैनेजमेंट सिस्टम' (सीआईबीएमएस) के दो पायलट प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं। सीआईबीएमएस कई तकनीकों और संसाधनों का एक नेटवर्क है। वहीं, म्यांमार सीमा पर अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में 'हाइब्रिड सर्विलांस सिस्टम' पर काम जारी है। सीमाओं पर ड्रोन के बढ़ते खतरे को देखकर सुरक्षा बलों को स्पेशल ट्रैनिंग और मॉडर्न उपकरणों से लैस किया जा रहा है। यह सिस्टम अवैध हवाई घुसपैठ का पता लगाने और खत्म करने में प्रभावी है। जीआईएस लेयर और पीएम गति शक्ति पोर्टल का इस्तेमाल सीमावर्ती बुनियादी ढांचे की सटीक मैपिंग और रणनीतिक योजना बनाने के लिए हो रहा है। यह संवेदनशील इलाकों की निगरानी सुनिश्चित करता है। आईटीबीपी ने 2022 से 2024 के बीच 29 नए बॉर्डर आउटपोस्ट बनाए हैं। इससे कुल संख्या 209 हो गई है। यह बढ़ोतरी जून 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद की गई है। तब आईटीबीपी के 180 आउटपोस्ट थे। नए आउटपोस्ट बनने से दूर-दराज के हाई-एल्टीट्यूड इलाकों में आईटीबीपी की सालभर मौजूदगी बनी रहेगी। साथ ही फॉरवर्ड पोस्ट के बीच कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, 2017-18 में आईटीबीपी औसतन 173 पेट्रोलिंग प्रति माह करता था। यह संख्या 2023-24 में बढ़कर करीब 500 प्रति माह हो गई, यानी करीब 3 गुना बढ़ोतरी हुई है।

अमेठी में पुलिस ने सपा कार्यकर्ता के घर से 1400 लीटर पेट्रोल-डीजल किया जब्त

अमेठी। यूपी के अमेठी में डीजल-पेट्रोल की कमी की अफवाहों और पेट्रोल पंप पर लग रही भीड़ को लेकर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में सपा कार्यकर्ता के घर से भारी मात्रा में तेल बरामद किया गया है, जिसके बाद प्रशासन ने बरामद तेल को जब्त करते हुए विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पूरा मामला जनपद अमेठी कोतवाली क्षेत्र के भरेथा निधि के पुरवा गांव का है। जहां शनिवार को प्रशासन को सूचना मिली थी की कि किसी घर में बड़ी मात्रा में डीजल और पेट्रोल रखा है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने करीब 1400 लीटर डीजल-पेट्रोल बरामद किया है। तेल को चार नीले ड्रम, एक पानी की टंकी और चार छोटे डिब्बों में भरकर अवैध रूप से डंप किया गया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर तेल जमा करने वाले दयाराम यादव के खिलाफ विधिक कार्यवाही शुरू कर तेल जब्त कर लिया है। वहीं दयाराम यादव समाजवादी पार्टी का सक्रिय कार्यकर्ता और पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति का करीबी बताया जा रहा है। जिलाधिकारी की अनुमति के बाद सप्लाई विभाग के अधिकारी की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं इस मामले को लेकर सप्लाई इंस्पेक्टर शुभम चौधरी ने बताया की सूचना पर पहुंचकर छापा मारा गया।

बिना पट्टे के कुत्ते को घुमाया, सड़कों पर गायों या भैंसों को बांधा तो लगेगा जुर्माना

-दिल्ली नगर निगम के बदलेंगे नियम, लोकसभा में जन विश्वास विधेयक हुआ पेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम ने पुराने नियमों में बड़े बदलाव की तैयारी कर ली गई है। वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने लोकसभा में जन विश्वास विधेयक, 2026 पेश किया है। इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य छोटे अपराधों के लिए जुर्माने की राशि को बढ़ाना और पुराने कानूनों को आज के समय के मुताबिक प्रासंगिक बनाना है। नए विधेयक में यदि कोई मालिक अपने पालतू कुत्ते को बिना पट्टे के सड़क पर घुमाता है, तो उसे अब 50 रुपए के बजाय 1,000 रुपए जुर्माना देना होगा। इसी तरह सड़कों पर गायों या भैंसों को बांधने पर भी जुर्माने की राशि 100 से बढ़ाकर 1,000 रुपए करने का प्रस्ताव है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने और पेशाब करने वालों पर अब सख्त कार्रवाई होगी। पहले इसके लिए 50 रुपये का जुर्माना लगता था, जिसे अब बढ़ाकर 500 रुपए किया जा रहा है। गंदगी न हटाने पर पहली बार पकड़े जाने पर चेतावनी दी जाएगी, लेकिन दूसरी बार उल्लंघन करने पर सीधे 500 रुपए का जुर्माना लगेगा। कूड़ा फेंकने या सड़क पर गंदगी बहाने पर भी अब 50 के बजाय 200 रुपए देने होंगे।

विधेयक में कई अन्य नागरिक नियमों के उल्लंघन पर भी दंड बढ़ाया गया है। मकान नंबर मिटाने पर जुर्माना 50 से बढ़ाकर 1,000 रुपए करने का प्रस्ताव है। खतरनाक आतिशबाजी पर 50 की जगह पर अब 500 रुपए देने होंगे। निगम अधिकारी को परिसर में आने से रोकने पर जुर्माना 50 से बढ़कर 500 रुपए किया जा रहा है। आदेश के बाद भी असुरक्षित इमारत में रहने पर जुर्माना 200 से बढ़ाकर 1,000 रुपए किया गया है। विधेयक में एक मानवीय बदलाव भी किया गया है। पुराने नियम के तहत, यदि कोई सफाईकर्मी बिना सूचना दिए काम से गायब रहता था, तो उसे एक महीने की जेल हो सकती थी। नए प्रस्ताव में इस अपराध की श्रेणी को खत्म कर दिया गया है और जेल की जगह केवल 500 रुपए का जुर्माना लगाने का प्रावधान है।

शादी के समय लड़कों के डोप टेस्ट और चिकित्सा जांच को अनिवार्य करने बने कानून

-आम आदमी पार्टी के सांसद मालविंदर सिंह कंग ने केंद्र सरकार से किया आग्रह

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के सांसद मालविंदर सिंह कंग ने केंद्र सरकार से आग्रह किया था कि शादी के समय लड़कों के डोप टेस्ट और चिकित्सा जांच को अनिवार्य बनाने के लिए कानून बनाया जाए। उन्होंने सदन में शून्यकाल के दौरान यह मांग उठाई थी। कंग ने कहा था कि आज हमारे समाज में तलाक और घरेलू हिंसा के मामले बढ़ रहे हैं। जब नया रिश्ता जुड़ता है तो लड़की के बारे में बहुत जांच-पड़ताल की जाती है, लेकिन लड़कों को लेकर उतनी जांच-पड़ताल नहीं होती। उनका कहना था कि शादी के समय लोग इस तरह की चीजें छिपा लेते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि सरकार से मांग है कि एक कानून बनाया जाए कि शादी के समय डोप टेस्ट और चिकित्सा जांच अनिवार्य हो। उन्होंने कहा कि शादी के बाद कई बार सामने आता है कि लड़का गंभीर रूप से बीमार है या फिर वह आपराधिक प्रवृत्ति का है। इससे महिलाओं के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कंग ने कहा कि दूल्हे के लिए अनिवार्य कर दिया जाना चाहिए कि वह मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट और डोप टेस्ट का सर्टिफिकेट लड़की वालों के सामने पेश करे और तभी शादी हो।

कांग्रेस के उज्जवल रमण सिंह ने सरकार से ऑनलाइन कारोबार पर अंकुश लगाने और छोटे एवं मझौले व्यापारियों के हितों के संरक्षण की मांग की है। उन्होंने शुक्रवार को शून्य काल में इस बारे में नियम बनाने और छोटे दुकानदारों और मझौले व्यापारियों का व्यवसाय को बचाने के उपाय करने की सरकार से मांग की। वहीं सपा के वीरेन्द्र सिंह ने किसानों के घरों में बिजली के स्मार्ट मीटर लगाने पर बिल बढ़कर आने तथा प्रीपेड मीटर लगाने से उन्हें हो रही कठिनाइयों की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उनकी समस्यायें दूर करने की मांग की।

बीजेपी के निशिकांत दुबे ने मुस्लिमों और ईसाइयों से विवाह करने वाली आदिवासी युवतियों का अनुसूचित जनजाति का दर्जा समाप्त करने की मांग की। बीजेपी के ही चन्दूभाई छगनभाई शिहोरा ने गुजरात के सुरेन्द्र नगर इलाके के नमक किसानों को बारिश से हुए नुकसान की भरपाई करने और उन्हें भी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। सपा के आनंद भदौरिया ने यूपी में शहीदों और संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की मूर्तियों को क्षतिग्रस्त किये जाने का मुद्दा उठाया और इसके दोषियों को सजा देने की मांग की। कांग्रेस के डॉ. प्रशांत यादव राव पडोले ने 2027 की जनगणना के लिए तय प्रारूप के कॉलम में अन्य पिछड़ा वर्ग को भी जोड़ने की मांग की।

25 साल पुराना सपना सच, भारत के सबसे बड़े एयरपोर्ट से अगले 60 दिनों में शुरू होंगी उड़ानें

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के औपचारिक उद्घाटन के साथ ही भारत के नागरिक उड्डयन क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शनिवार को किए गए इस उद्घाटन के बाद अब सभी की निगाहें कमर्शियल ऑपरेशंस शुरू होने पर टिकी हैं। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने स्पष्ट किया है कि नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो से हवाई अड्डा सुरक्षा कार्यक्रम की अंतिम मंजूरी मिलते ही यहाँ से व्यावसायिक उड़ानें पूरी तरह शुरू हो जाएंगी। उम्मीद जताई जा रही है कि अगले 45 से 60 दिनों के भीतर सभी सुरक्षा मानक पूरे कर लिए जाएंगे और एयरपोर्ट एंट्री पास जारी होने के बाद स्टेकहोल्डर्स अपना काम शुरू कर सकेंगे।

लगभग 6,200 हेक्टेयर भूमि पर पांच चरणों में विकसित किए जा रहे इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का पहला चरण 11,200 करोड़ रुपये की लागत से सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पर तैयार हुआ है। शुरुआत में यहाँ से घरेलू उड़ानों का परिचालन होगा, जिसमें दिल्ली और मुंबई जैसे मेट्रो शहरों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके बाद टियर-2 और टियर-3 शहरों के लिए सेवाएं विस्तार लेंगी। जहाँ तक अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का सवाल है, इसमें थोड़ा अधिक समय लग सकता है क्योंकि इसके लिए आव्रजन और सीमा शुल्क विभाग की गहन समीक्षा और मंजूरी अनिवार्य है। हालांकि, इंडिगो जैसी प्रमुख एयरलाइन कंपनियां अंतरराष्ट्रीय परिचालन के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

कनेक्टिविटी के मामले में यह एयरपोर्ट देश के सबसे सुगम हवाई अड्डों में से एक होगा। इसे यमुना एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न पेरिफेरल और गंगा एक्सप्रेसवे जैसे बड़े सड़क मार्गों से जोड़ा गया है। साथ ही रेल और मेट्रो कनेक्टिविटी पर भी तेजी से काम चल रहा है। एयरपोर्ट के आसपास फिल्म सिटी, टॉय पार्क, अपैरल पार्क और सेमीकंडक्टर पार्क जैसी औद्योगिक इकाइयां विकसित की जा रही हैं। इस परियोजना से सीधे तौर पर 50,000 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है, जबकि लाखों अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। तकनीकी रूप से यह एयरपोर्ट वैश्विक स्तर का है। पहले चरण में 3,900 मीटर लंबा रनवे तैयार किया गया है, जो आधुनिक नेविगेशन सिस्टम और हर मौसम में उड़ान भरने की सुविधा से लैस है। यहाँ 40 एकड़ में विमानों की मरम्मत के लिए विशेष केंद्र बनाया गया है। भविष्य में यहाँ कुल 8 रनवे बनाने की योजना है। एयरपोर्ट का डिजाइन बनारस के घाटों और भारतीय हवेलियों की वास्तुकला से प्रेरित है, जो इसे सांस्कृतिक पहचान भी देता है। फार्म टू ग्लोबल मार्केट मॉडल के तहत यहाँ से पश्चिमी यूपी के किसानों के उत्पाद और राज्य के करीब 1 करोड़ एमएसएमई उद्योगों का सामान सीधे वैश्विक बाजारों तक पहुँच सकेगा।

बाबा खरात ने पति को किया बाहर, महिला को नशीला पदार्थ पिलाकर किया रेप

-ज्योतिषी खरात के खिलाफ रेप का आठवां मामला दर्ज, व्यापारी से ठगे लाखों

मुंबई, (एजेंसी)। नासिक के स्वयंभू बाबा और ज्योतिषी अशोक खरात के खिलाफ रेप का आठवां मामला दर्ज हुआ है। सरकारवाड़ा पुलिस थाने में दो नए केस दर्ज किए गए हैं। एक शिकायत में कहा गया है कि खरात ने नेवासा फाटा अहिल्यानगर के एक व्यापारी से 2.6 लाख रुपए ठगने का आरोप है। वहीं दूसरा मामला महिला के यौन शोषण का है। आरोप है कि अगस्त 2024 से दिसंबर 2024 के बीच अशोक खरात ने महिला को अपनी हवस का शिकार बनाया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महिला का आरोप है कि चार महीने के अंदर अशोक खरात ने चार बार उसके साथ दुष्कर्म किया। शिकायत में कहा गया है कि पीड़िता की शादी 2013 में हुई थी। एक बेटी का जन्म हुआ और फिर पति से अनबन हो गई। 2022 में एक रिश्तेदार ने दंपती को अशोक खरात से मिलवाया। उनकी सलाह के बाद पति-पत्नी साथ रहने लगे। अगस्त में दंपती खरात से मिलने गया था। खरात ने पति से बाहर इंतजार करने को कहा और इसके बाद महिला को अंदर ले गया। तांबे के बर्तन में कोई नशीला पदार्थ दिया।

पुलिस ने बताया कि खरात ने महिला के साथ दुष्कर्म किया और धमकी भी दी कि अगर यह बात किसी से बताई तो दैवीय शक्तियां जीवन तबाह कर देंगी। इसके बाद खरात ने कई बार उसे बुलाकर रेप किया और जीवन खराब होने के डर से महिला चुप रही। रेप मामले में खरात की गिरफ्तारी के बाद पीड़िता सब कुछ बताने की हिम्मत जुटा पाई। महाराष्ट्र में नासिक के स्वयंभू बाबा अशोक खरात के खिलाफ पुलिस हेल्पलाइन के जरिए 100 से ज्यादा शिकायतें दर्ज की गई हैं जिनमें लगभग 70 फीसदी शिकायतकर्ता महिलाएं हैं।

पुलिस सूत्रों ने शनिवार को कहा कि कई पीड़ित, विशेष रूप से महिलाएं, बदनामी के डर, सामाजिक कलंक और आरोपी के राजनीतिक संबंधों के कारण शिकायत देने में संकोच कर रहे थे। इसे हल करने के लिए अधिकारियों ने पीड़ितों को आगे आने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एक गोपनीय हेल्पलाइन शुरू की, जिसे काफी प्रतिक्रिया मिली है। खरात के खिलाफ आरोपों में धोखाधड़ी और यौन शोषण दोनों शामिल हैं। पुलिस जांच कर रही है और अधिकारियों ने सभी पीड़ितों से बिना किसी डर के आगे आने का आग्रह किया है। इसके साथ ही खरात के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

चुनावों में जमकर बंट रहीं मुफ्त की रेबड़ियां, महिलाओं के खाते में सीधे 24,500 करोड़ रुपये होंगे जमा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेताओं ने वोट खरीदने का एक आसान और सरल रास्ता अपना लिया है। ये बात कोई और नहीं बल्कि आम आदमी कहता सुना जा रहा है। इस बार के चुनावों में राज्यों में होड़ लगी हुई है मुफ्त में रेबड़ियां बांटने की। नतीजा आम आदमी की जेब से निकलकर सीधे साढ़े 24 सौ करोड़ रुपए महिलाओं को बांट दिए जाएंगे। ताकि उन्हे वोट मिले और सत्ता पर काबिज हो जाएं।

5 राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों की आहट के साथ ही राजनीतिक दलों ने सत्ता की चाबी हासिल करने के लिए कैश ट्रांसफर यानी सीधे नकद सहायता को अपना सबसे बड़ा हथियार बना लिया है। एक विश्लेषण के अनुसार, चुनावी राज्यों में चार प्रमुख सरकारें महिलाओं के बैंक खातों में सीधे 24,500 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर रही हैं।

इन दलों का चुनावी वादा भी यही है कि यदि वे दोबारा सत्ता में आते हैं, तो अगले पांच वर्षों तक यह वित्तीय सहायता निर्बाध रूप से जारी रहेगी। आंकड़ों के लिहाज से देखें तो इन चार राज्यों में कुल 17.89 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें से 4.1 करोड़ महिलाएं इन नकद योजनाओं की सीधी लाभार्थी हैं। यानी कुल वोटरों का लगभग 23 प्रतिशत हिस्सा सीधे तौर पर इन योजनाओं से जुड़ा है। विभिन्न राज्यों में इस नकद राजनीति के अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। तमिलनाडु की सत्तारूढ़ सरकार ने स्पेशल समर पैकेज के नाम पर महिलाओं के खातों में 2-2 हजार रुपये डाल दिए हैं। वहीं, असम में बिहू उत्सव के उपलक्ष्य में महिलाओं को 4-4 हजार रुपये की सहायता दी गई है। केरल की वामपंथी सरकार स्त्री सुखम नकद योजना के जरिए करीब 10 लाख महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपये दे रही है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सरकार ने अपनी प्रसिद्ध लक्ष्मी भंडार योजना की राशि में 500 रुपये की बढ़ोतरी की है। दिलचस्प बात यह है कि खस्ताहाल अर्थव्यवस्था के बावजूद बंगाल सरकार को इस योजना के लिए अगले साल 5,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ उठाना पड़ेगा।

पिछले पांच वर्षों के चुनावी रुझान बताते हैं कि महिलाओं को नकद सहायता देने वाले राज्यों की संख्या 1 से बढ़कर अब 15 हो गई है। ये राज्य सालाना लगभग 2.46 लाख करोड़ रुपये 13 करोड़ से अधिक महिलाओं के खातों में भेज रहे हैं। हालांकि, विशेषज्ञों ने इस रेवड़ी संस्कृति के दुष्प्रभावों पर भी चिंता जताई है। आंकड़ों के अनुसार, झारखंड जैसा राज्य अपने ग्रामीण विकास बजट का 81 प्रतिशत हिस्सा नकद ट्रांसफर में खर्च कर रहा है। इसके चलते महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे बड़े राज्यों को बुनियादी विकास कार्यों और अन्य महत्वपूर्ण खर्चों में कटौती करनी पड़ रही है। कई विकास परियोजनाएं धन के अभाव में अधूरी पड़ी हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि केवल नकद योजनाओं के दम पर चुनाव जीतना हमेशा संभव नहीं होता। सीएसडीएस के निदेशक प्रो. संजय कुमार के अनुसार, अलग-अलग विचारधारा वाली पार्टियां एक ही फॉर्मूले पर चल रही हैं, लेकिन यह हमेशा सफल नहीं होता।

उदाहरण के तौर पर, आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस और राजस्थान में कांग्रेस की सरकारें भारी-भरकम नकद योजनाओं के बावजूद सत्ता बचाने में विफल रहीं। इसके उलट, मध्य प्रदेश में लाड़ली बहना और कर्नाटक में गृह लक्ष्मी जैसी योजनाओं को गेमचेंजर माना गया। वर्तमान में चुनावी राज्यों में मुफ्त राशन, मुफ्त गैस सिलेंडर और बेरोजगारी भत्ते जैसे वादों की झड़ी लगी हुई है, जिसने मतदाताओं को लुभाने की जंग को और तेज कर दिया है।

हनुमान जयंती पर मेरठ रेंज में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था, 65 शोभायात्राएं व 137 कार्यक्रम होंगे आयोजित

मेरठ (शिखर समाचार)। आगामी हनुमान जयंती को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के लिए मेरठ परिक्षेत्र में व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। इस वर्ष 2 अप्रैल 2026 को मनाए जाने वाले इस पर्व को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। परिक्षेत्र के जनपद मेरठ, बुलन्दशहर, बागपत और हापुड़ में कुल 65 शोभायात्राएं तथा 137 अन्य धार्मिक कार्यक्रम जैसे पूजा अर्चना, भंडारा और सांस्कृतिक आयोजन प्रस्तावित हैं। मेरठ रेंज के डीआईजी कलानिधि नैथानी ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत कुल 2215 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। इनमें 5 अपर पुलिस अधीक्षक, 23 क्षेत्राधिकारी, 85 निरीक्षक, 362 उपनिरीक्षक, 555 मुख्य आरक्षी, 770 आरक्षी तथा 415 होमगार्ड एवं पीआरडी के जवान शामिल हैं। इसके अतिरिक्त एक कंपनी प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी भी लगाई गई है। पूरे परिक्षेत्र में कुल 288 हनुमान मंदिर चिन्हित किए गए हैं, जिनमें मेरठ में 95, बुलन्दशहर में 113, बागपत में 26 और हापुड़ में 54 मंदिर शामिल हैं। शोभायात्राओं के मार्गों पर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। कुल 57 स्थानों को संवेदनशील अथवा हॉटस्पॉट के रूप में चिन्हित किया गया है, जिनमें बुलन्दशहर में 37, हापुड़ में 13 और मेरठ में 7 स्थान शामिल हैं। इन क्षेत्रों में ड्रोन कैमरों के माध्यम से निगरानी की जाएगी तथा अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा, जिससे किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके। त्योहार को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा पूर्व तैयारियों के तहत विभिन्न

स्तरों पर बैठकें आयोजित की गई हैं। शांति समिति, धर्मगुरुओं एवं संभ्रांत नागरिकों के साथ 88 बैठकें, अन्य विभागों जैसे नगर निगम, स्वास्थ्य और विद्युत विभाग के साथ 73 समन्वय बैठकें तथा आयोजकों के साथ 80 गोष्ठियां आयोजित कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए जा चुके हैं। डीआईजी कलानिधि नैथानी ने सभी जनपद प्रभारियों को निर्देशित किया है कि शोभायात्राओं के मार्गों का पूर्व निरीक्षण कर लिया जाए और हर छोटी से छोटी घटना को गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। पूर्व वर्षों में उत्पन्न विवादों का समय रहते निस्तारण किया जाए और किसी भी नई परंपरा की अनुमति न दी जाए। मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में विशेष रूप से फ्लैग मार्च कराया जाएगा और असामाजिक व साम्प्रदायिक तत्वों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। स्थानीय अभिसूचना इकाई को भी सतर्क कर दिया गया है, ताकि किसी भी संभावित स्थिति से पहले ही निपटा जा सके। महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए शोभायात्राओं के दौरान सादी वर्दी में महिला और पुरुष पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी, ताकि छेड़छाड़ जैसी घटनाओं को रोका जा सके। इसके अलावा अग्नि एवं विद्युत संबंधी दुर्घटनाओं से बचाव के लिए अग्निशमन विभाग को भी सक्रिय रखा गया है। साथ ही सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों पर भी पुलिस की विशेष निगरानी रहेगी। भ्रामक या भड़काऊ सूचनाएं प्रसारित करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और गलत सूचनाओं का तत्काल खंडन किया जाएगा। पुलिस प्रशासन का उद्देश्य है कि हनुमान जयंती का पर्व पूरे परिक्षेत्र में आपसी भाईचारे और शांति के साथ संपन्न हो तथा आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

फर्जी कागज तैयार कर महिला के मकान पर कब्जा करने का रचा षड्यंत्र, अंकुर विहार पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना अंकुर विहार पुलिस ने मकान पर कब्जा करने की कोशिश करने वाले एक अभियुक्त अहमीद को गिरफ्तार किया है। अहमीद ने मकान के फर्जी कागज तैयार कर उसे पर कब्जा करना चाहता था। एसीपी अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि बीती 12 जनवरी 2026 को सलमा बेगम ने थाना अंकुर विहार पर शिकायत दी थी कि अहमीद उनके मकान पर कब्जा करना चाहता है। महिला की शिकायत पर जाँच शुरू की

गई। जाँच में पाया गया कि अहमीद फर्जी कागज तैयार कर मकान पर कब्जा करना चाहता है। जाँच के आधार पर अहमीद के खिलाफ बीएनएस की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। मुकदमा दर्ज होने के बाद वह फरार चल रहा था। पुलिस लगातार अहमीद को गिरफ्तार करने में जुटी हुई थी, जिसके बाद अब उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस पूछताछ में अहमीद ने बताया कि लालच में आकर वह मकान पर कब्जा करना चाहता था, जिसके लिए उसने फर्जी दस्तावेज तैयार किए थे।

इंडस्ट्रियल एरिया में 2 फैक्ट्री में लगी आग, दमकल विभाग ने पाया आग पर काबू

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। लाल कुआं क्षेत्र स्थित साउथ साइड इंडस्ट्रियल एरिया में आजाद आयल एक्सपेल्लोर कंपनी में आग लग गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और बराबर वाली फैक्ट्री को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने की सूचना कोतवाली फायर स्टेशन को दी गई, जिसके बाद टीम ने मौके पर पहुंच कर आग को कड़ी मशक्कत के बाद बुझाया। चीफ फायर ऑफिसर राहुल पाल ने बताया कि आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके के लिए रवाना हुई। मौके पर 4

गाड़ियां पहुंची थी, जिसमें वैशाली और साहिबाबाद फायर स्टेशन से भी गाड़ियां मौके पर गई थी। मौके पर प्लास्टिक के दाने में आग लगी हुई थी। आग ने बगल वाली फैक्ट्री को भी अपनी चपेट में ले लिया था। बगल वाली फैक्ट्री में सूखा नारियल पैक करने का काम किया जाता था। टीम ने होज लाइन बिछाकर दोनों कंपनी में आग को बुझाना शुरू किया। 1 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग को पूर्ण रूप से बुझा दिया गया है। आग लगने के कारण कोई जनहानि नहीं है।

आंगनबाड़ी सहायिका भर्ती परिणाम घोषित, 136 अभ्यर्थियों का चयन, 106 पद रिक्त

शामली। (शिखर समाचार) जनपद शामली में आंगनबाड़ी सहायिका के पदों पर सीधी भर्ती का परिणाम घोषित कर दिया गया है। इस भर्ती प्रक्रिया को लेकर अभ्यर्थियों में लंबे समय से उत्सुकता बनी हुई थी, जो अब समाप्त हो गई है। कुल 242 रिक्त पदों के सापेक्ष प्राप्त आवेदनों की विस्तृत जांच के उपरांत जिला स्तरीय चयन समिति ने 136 अभ्यर्थियों के चयन की संस्तुति की है, जबकि 106 केंद्रों पर उपयुक्त अभ्यर्थी न मिलने के कारण पद अभी रिक्त रखे गए हैं। भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत अभ्यर्थियों द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्रों एवं संलग्न अभिलेखों का गहन परीक्षण किया गया। चयन समिति ने प्रत्येक आवेदन का सूक्ष्मता से अवलोकन करते हुए पात्र अभ्यर्थियों का चयन सुनिश्चित किया। इस दौरान आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्रों का विधिवत सत्यापन कराया गया। जिन अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्रों में त्रुटि पाई गई अथवा जो निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतरे, उनके आवेदन निरस्त कर दिए गए। साथ ही जिन आवेदनों में आवश्यक जानकारी अधूरी पाई गई, उन्हें भी चयन प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया। शासन द्वारा निर्धारित दिशा निदेर्शों के अनुसार चयन प्रक्रिया में बीपीएल, विधवा तथा तलाकशुदा अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी गई, जिससे सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों को अवसर मिल सके। पूरी चयन प्रक्रिया पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ संपन्न कराई गई। चयन सूची को जिलाधिकारी के अनुमोदन के उपरांत विधिवत जारी किया गया है। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि जिन केंद्रों पर पद रिक्त रह गए हैं, उनके संबंध में आगे की कार्रवाई नियमानुसार की जाएगी। रिक्त पदों को भरने के लिए भविष्य में पुनः प्रक्रिया प्रारंभ किए जाने की संभावना है। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष बनाए रखने के लिए सभी नियमों एवं मानकों का कड़ाई से पालन किया गया है, जिससे योग्य अभ्यर्थियों को ही अवसर प्राप्त हो सके।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव की तैयारियां तेज, संगठन विस्तार के साथ लिए गए अहम निर्णय

मुरादनगर (शिखर समाचार)। आगामी भगवान परशुराम जन्मोत्सव को धूमधाम के साथ मनाने के उद्देश्य से अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा एवं अखिल भारतीय परशुराम सेवा दल की संयुक्त बैठक आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा तय करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जन्मोत्सव का मुख्य आयोजन पाइप लाइन रोड स्थित पंडित मदन मोहन मालवीय पब्लिक स्कूल में किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संगठन को और अधिक सक्रिय करने पर जोर दिया गया तथा जिलाध्यक्ष राकेश शर्मा के नेतृत्व में संगठन का विस्तार भी किया गया। इस दौरान सोमदत्त शर्मा को नगर अध्यक्ष, प्रमोद कौशिक को जिला उपाध्यक्ष तथा कैप्टन संजय शर्मा को विधानसभा महामंत्री नियुक्त किया गया। बैठक में यह भी तय किया गया कि नगर एवं विधानसभा क्षेत्र में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाकर अधिक से अधिक लोगों को कार्यक्रम से जोड़ा जाएगा। इसके अलावा गरीब

ब्राह्मण कन्याओं के विवाह के लिए जिलास्तर पर आवेदन प्रक्रिया संचालित कर आर्थिक सहयोग प्रदान करने का भी निर्णय लिया गया, जिससे सामाजिक दायित्वों का निर्वहन किया जा सके। बैठक की अध्यक्षता विनोद कुमार मिश्रा ने की, जबकि संचालन नगर महामंत्री यतिदेव शर्मा ने किया। विनोद कुमार मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि 19 अप्रैल को भगवान परशुराम जन्मोत्सव पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर प्राणिमात्र के कल्याण, राष्ट्र की उन्नति और विश्व शांति के लिए यज्ञ आयोजित किए जाएंगे तथा भगवान परशुराम की भव्य शोभायात्रा भी निकाली जाएगी। साथ ही 19 अप्रैल से 19 मई तक विभिन्न स्थानों पर महासम्मेलनों का आयोजन किया जाएगा। नवनियुक्त नगर अध्यक्ष सोमदत्त शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा से कार्य करने का भरोसा दिलाया। बैठक में प्रेमचंद शास्त्री, ओमपाल शर्मा, विजय गौड़ (अधिवक्ता), यश शर्मा, राजेंद्र वत्स, प्रमोद शर्मा, कैप्टन संजय शर्मा, सतीश शर्मा, अशोक शर्मा, महेंद्र कुमार (अधिवक्ता), ओंकार दत्त शर्मा, शिवनंदन शर्मा, अजय गौड़, विद्यासागर शर्मा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस दौरान सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को माला एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया।

चौधरी महावीर सिंह निर्वाल की पुण्यतिथि पर सेहटा में विशाल कुश्ती दंगल, खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

शामली। (शिखर समाचार)
गांव सेहटा में चौधरी महावीर सिंह निर्वाल की पुण्यतिथि के अवसर पर विशाल कुश्ती प्रतियोगिता (दंगल) का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न जनपदों व प्रदेशों से पहुंचे पहलवानों ने अपने दमखम और कौशल का शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया। विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए पुरस्कार भी वितरित किए गए।
रविवार को गांव सेहटा स्थित एक कॉलोनी में आयोजित इस दंगल का शुभारंभ मुख्य अतिथि सदर विधायक प्रसन्न चौधरी एवं अंतरराष्ट्रीय पहलवान पिंटू पहलवान ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर अतिथियों का फूल मालाओं के साथ स्वागत किया गया।
कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक प्रसन्न चौधरी ने कहा कि खेलों का मनुष्य के जीवन में विशेष महत्व है। आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में युवाओं को खेलों की ओर बढ़ना चाहिए, जिससे वे शारीरिक रूप से मजबूत और मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकें।
प्रतियोगिता में महिला एवं पुरुष वर्ग की अलग अलग कुश्तियां आयोजित की गईं, जिनमें प्रतिभागियों ने जोरदार मुकाबले प्रस्तुत किए। दंगल देखने के लिए क्षेत्र के आसपास से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।
कार्यक्रम के अंत में विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान अशोक पहलवान, संदीप संगल, विपिन गोयल, मुकेश गोयल, राहुल, रामतीर्थ गोयल, कपिल कांबोज, विरेन्द्र विश्वकर्मा, देवानंद गौड़, राजीव तोमर, धर्मवीर निर्वाल सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

प्रगतिशील पत्रकार एसोसिएशन द्वारा सम्मान समारोह आयोजित, मनोज टंडन व रचित कुमार का हुआ अभिनंदन

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। प्रगतिशील पत्रकार एसोसिएशन की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में नगर पालिका परिषद नगीना में शासन द्वारा नामित सभासद बने पत्रकार मनोज टंडन तथा संगठन की सदस्यता ग्रहण करने वाले पत्रकार रचित कुमार को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने दोनों का फूलमालाओं से स्वागत कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।
रविवार को आयोजित मासिक बैठक संगठन के कार्यालय पर संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष डॉ रतेंद्र बिश्नोई ने की तथा संचालन मनोज वाल्मीकि द्वारा किया गया। बैठक में उपस्थित सभी पत्रकार साथियों ने मनोज टंडन के सभासद नामित होने को संगठन के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया और कहा कि इससे पत्रकार समाज की भागीदारी जनप्रतिनिधित्व में और मजबूत होगी। साथ ही रचित कुमार के संगठन से जुड़ने पर प्रसन्नता

व्यक्त करते हुए उन्हें संगठन की नीतियों व उद्देश्यों के प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया गया।
कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष रतेंद्र बिश्नोई, संरक्षक मुकेश त्यागी, संस्थापक मनोज वाल्मीकि, डॉ संदीप शर्मा, कुंवर हर्षवर्धन सिंह, विकास अग्रवाल, अक्षय चौहान, राशिद उस्मानी, नंदकिशोर सहित अन्य सदस्यों ने दोनों को फूलमालाएं पहनाकर सम्मानित किया और संगठन की ओर से शुभकामनाएं दीं। बैठक में पत्रकारिता के मूल्यों पर भी गंभीरता से चर्चा की गई। सभी सदस्यों ने एकमत होकर निर्णय लिया कि भविष्य में किसी भी प्रकार की विवादित अथवा अपुष्ट खबरों के प्रकाशन से बचा जाएगा और केवल तथ्यों एवं सत्यता पर आधारित समाचार ही प्रकाशित किए जाएंगे, जिससे समाज में पत्रकारिता की विश्वसनीयता बनी रहे। अंत में संगठन के सभी सदस्यों ने एकजुटता के साथ कार्य करने का संकल्प लिया और कहा कि निष्पक्ष एवं जिम्मेदार पत्रकारिता के माध्यम से समाज की सेवा करना ही संगठन का प्रमुख उद्देश्य है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे।

हाउस टैक्स को लेकर व्यापारियों ने किया धरना, अपर नगर आयुक्त ने करवाया समाप्त

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। हाउस टैक्स वृद्धि के खिलाफ व्यापारियों ने धरना शुरू कर दिया था। व्यापारियों का धरना समाप्त करने के अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने व्यापारियों से संवाद किया, जिसके बाद धरना समाप्त कर दिया गया है। उन्होंने व्यापारियों को बताया कि गाजियाबाद नगर निगम लगातार शहर को राहत दिलाने के तहत हाउस टैक्स के संदर्भ पर शासन से वार्ता कर रहा है। जल्दी ही शासन स्तर से हाउस टैक्स पर निर्णय लिया जाएगा। तब तक करदाताओं पर किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं की जाएगी। व्यापारियों ने हाउस टैक्स वसूली के लिए की जा रही सख्ती को बंद करने के लिए उनसे आग्रह किया, जिस पर वरिष्ठ प्रभारी टैक्स तथा मुख्य कर निर्धारण अधिकारी एसके राय ने शासन से अंतिम निर्णय आने तक किसी प्रकार की सख्ती बकायदारों पर नहीं की जाने का आश्वासन दिया। रामकिशोर अग्रवाल जिला अध्यक्ष महानगर उद्योग व्यापार मंडल ने निगम अधिकारियों से संवाद करते हुए और अपना विषय विस्तार से रखते हुए जल्दी ही समाधान निकालने के लिए कहते हुए व्यापारियों का धरना समाप्त करने की घोषणा की। मौके पर सिटी जोन के जोनल प्रभारी आर पी सिंह, व्यापार मंडल से राकेश स्वामी महानगर वरिष्ठ उपाध्यक्ष व अन्य उपस्थित रहे।

आत्मनिर्भरता के साथ योग ध्यान से बुजुर्गों को मिल रहा नया जीवन : रेखा सिंह

खतौली/मुजफ्फर नगर (शिखर समाचार)। क्षेत्र के पमनावली गांव स्थित आवासीय वृद्ध आश्रम में बुजुर्गों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ साथ उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर करने की दिशा में सराहनीय प्रयास किए जा रहे हैं। आश्रम में रह रहे वृद्धजनों को न केवल समय का सदुपयोग करना सिखाया जा रहा है, बल्कि उन्हें विभिन्न रचनात्मक और कौशल आधारित गतिविधियों से भी जोड़ा जा रहा है।

आश्रम की संचालिका रेखा सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि यहां बुजुर्गों को हस्तशिल्प, दस्तकारी, पेंटिंग और सजावटी वस्तुएं बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके साथ ही सिलाई, कढ़ाई और बुनाई जैसे कार्यों का भी अभ्यास कराया जा रहा है, जिससे उनके भीतर आत्मनिर्भरता की भावना विकसित हो रही है और वे अपने कौशल को निखार पा रहे हैं।
उन्होंने बताया कि बुजुर्गों के बेहतर स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए आश्रम में नियमित रूप से योग और ध्यान का अभ्यास भी कराया जा रहा है। इससे जहां एक ओर उन्हें मानसिक शांति मिलती है, वहीं दूसरी ओर उनका शारीरिक स्वास्थ्य भी सुदृढ़ हो रहा है। योग और ध्यान की इन गतिविधियों से बुजुर्गों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो रहा है।
आश्रम में सरकार द्वारा संचालित बैंकिंग योजनाओं और वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली विभिन्न सुविधाओं की जानकारी भी दी जा रही है। साथ ही, उन्हें साइबर धोखाधड़ी से बचाव के प्रति जागरूक किया जा रहा है, ताकि वे किसी भी प्रकार के ऑनलाइन ठगी का शिकार न हों।
रेखा सिंह ने बताया कि इन सभी प्रयासों का मुख्य उद्देश्य बुजुर्गों में आत्म सम्मान की भावना को जागृत करना, उनके अकेलेपन को दूर करना और उन्हें मानसिक रूप से सक्रिय बनाए रखना है। आश्रम द्वारा किए जा रहे इन कार्यों की क्षेत्र में व्यापक सराहना हो रही है और यह पहल अन्य संस्थाओं के लिए भी प्रेरणादायक बन रही है।

केडी कॉलेज में मुख्य द्वार का उद्घाटन, शहीद भगत सिंह द्वार नामकरण के साथ राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। सिंभावली क्षेत्र स्थित किसान डिग्री कॉलेज में हाईवे किनारे बने मुख्य द्वार का उद्घाटन शहीद भगत सिंह द्वार के नामकरण के साथ विधिवत रूप से किया गया। कार्यक्रम का आयोजन उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ, जिसमें शिक्षा एवं समाज से जुड़े अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।
कार्यक्रम में मेरठ विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. संगीता शुक्ला सहित गजेंद्र सिंह, एन.सी. गौतम सहित अन्य अतिथियों ने सहभागिता की। अतिथियों ने द्वार का उद्घाटन कर शहीद भगत सिंह के प्रति श्रद्धा व्यक्त की और उनके आदर्शों को युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया।
इस अवसर पर कार्यक्रम की कड़ी में कॉलेज परिसर स्थित सभागार में राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया। संगोष्ठी का शुभारंभ

दीप प्रज्वलित कर किया गया, जिसमें विभिन्न विषयों पर वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए और शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार व शोध की आवश्यकता पर बल दिया।
कार्यक्रम में कॉलेज के प्रबंधक संदीप कुमार, सचिव संदीप कुमार, प्राचार्य डॉ. विजय गर्ग, आरएसके इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य राजीव कुमार गोहित, गन्ना समिति अध्यक्ष सरदार जितेंद्र सिंह, सुरेंद्र बाबू, संजीव त्यागी, राजीव दादू, योगेंद्र सिंह, अमरपाल सिंह, आफाक, प्रोफेसर नीलम सिंह, अजय कुमार, एस.डी. त्यागी, संजीव सिंह, सुभाष प्रधान, सरदार राजेंद्र सिंह, हरि सिंह, सुरभि, डोली सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।
कार्यक्रम के अंत में अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया और भविष्य में इस प्रकार के शैक्षिक आयोजनों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया गया।

जंगली जानवर के शिकार के लिए दबाए गए विस्फोटक की चपेट में आकर बालक घायल, पुलिस जांच में जुटी

बिजनौर (शिखर समाचार)। बढ़ापुर थाना क्षेत्र में जंगली जानवरों के शिकार के लिए खेत की बाड़ के पास जमीन में दबाए गए विस्फोटक के फटने से एक 11 वर्षीय बालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के संबंध में तीन लोगों को नामजद करते हुए पुलिस को तहरीर दी गई है। घायल बालक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।
प्राप्त जानकारी के अनुसार क्षेत्र के ग्राम बहेड़ी में शनिवार शाम करीब साढ़े छह बजे यह हादसा हुआ। जंगल के समीप डेरा डालकर रह रहे वन गुर्जर कासिम का 11 वर्षीय पुत्र आकिब खेत और जंगल की सीमा पर पहुंच गया। इसी दौरान वह खेत की बाड़ के पास जमीन में दबाए गए बारूद के गोले की चपेट में आ गया। अचानक हुए विस्फोट में बालक गंभीर रूप से घायल हो गया। धमाके

की आवाज सुनकर क्षेत्र में दहशत फैल गई।
घटना के बाद परिजन घायल बालक को तुरंत लेकर थाने पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायल को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल नगीना भिजवाया, जहां से उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बिजनौर रेफर कर दिया गया। वर्तमान में बालक का उपचार जारी है। पीड़ित पिता कासिम ने पुलिस को दी तहरीर में बढ़ापुर क्षेत्र के खादर इलाके के दो व्यक्तियों तथा ग्राम छायली के एक व्यक्ति को नामजद करते हुए आरोप लगाया है कि ये लोग जंगली जानवरों के शिकार के लिए खेतों और जंगल की सीमा पर विस्फोटक दबाते हैं। कासिम का यह भी आरोप है कि करीब छह माह पूर्व भी इन्हीं लोगों द्वारा दबाए गए विस्फोटक से उसकी भैंस की मौत हो चुकी थी। उस समय आरोपियों ने दोबारा ऐसी हरकत न करने का आश्वासन दिया था, लेकिन इसके बावजूद वे लगातार इस तरह की गतिविधियों में संलिप्त हैं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश की जा रही

अखिलेश बोले: नोएडा एयरपोर्ट का उद्घाटन बेचने के लिए किया

दादरी में आयोजित समाजवादी समता भाईचारा रैली में बोले जिसने हमारा घर गंगाजल से धुलवाया, वो दर्द नहीं समझ सकते

संवाददाता

नोएडा। अखिलेश यादव ने रविवार को नोएडा के दादरी में समाजवादी समता भाईचारा रैली को संबोधित किया। जेवर एयरपोर्ट के उद्घाटन पर उन्होंने तंज कसा कि यूपी के 7 में से 6 एयरपोर्ट बंद हो गए हैं। कम से कम यह वादा करते जाते कि उद्घाटन के बाद इसे बेचा नहीं जाएगा। लगता तो ऐसा है कि यह उद्घाटन ही बेचने के लिए किया गया है। उन्होंने कहा- जिसने अत्याचार, अन्याय और उत्पीड़न की पीड़ा नहीं झेली, वो हमारे दर्द को नहीं समझ सकते। वो हमदर्दी तो दिखा सकते हैं, लेकिन हमारा दर्द महसूस नहीं कर सकते। जो हमारे घर को गंगाजल से धुलवाने पर हमें हुआ था। सपा प्रमुख ने कहा- मंदिर जाने पर मंदिर धुलवाने पर हमने यह दर्द महसूस किया था। हम उन नकारात्मक लोगों को मिटाना नहीं चाहते, बस समझाना चाहते हैं। अब दौर बदल गया है। अभी समय है- चालबाजी छोड़ दें, भेदभाव छोड़ दें। भविष्य उनका नहीं है। नहीं तो आज उनके झंडे उतर गए हैं, कल सत्ता के सिंहासन से भी उतार दिए जाएंगे। इससे पहले, अखिलेश ने 9वीं सदी के गुर्जर-प्रतिहार वंश के सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। गंगाजल से उनकी प्रतिमा का शुद्धिकरण किया। इस रैली को सपा के 2027 विधानसभा चुनाव अभियान का आगाज माना जा रहा है। दरअसल, पश्चिमी यूपी में गुर्जर समुदाय काफी प्रभावशाली माना जाता है। गाजियाबाद, नोएडा, दादरी, मेरठ, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, बिजनौर, संभल, कैराना जैसी करीब 24 सीटों पर 20 से 70 हजार तक गुर्जर वोट हैं। अब तक यह भाजपा का साथ देता आया है। अब सपा इस गठजोड़ में सेंधमारी करना चाहती है। अखिलेश ने कहा- जो कल रैली हुई थी, उसकी तो पोल हमारे बहुत लोगों ने खोल दी है। कोई कैमरे से नहीं बच सकता। जो पार्टी अपने आप को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बोलती है, उन्हें अपने सरकारी कर्मचारियों का सहारा लेना पड़ा। अब भाजपा की उत्तर प्रदेश से छुट्टी तय है। इसके बाद दिल्ली से भी छुट्टी होना तय है। हम लोग तो 10 साल से सरकार में नहीं हैं। कम से कम अपनी छोटी वाली एटीएम का तो हिसाब-किताब कर लेते। इस एटीएम ने पूरी दुनिया को परेशान किया होगा। हम सब लोगों ने वह लड़ाई लड़ी थी, जब दूसरे लोग हमारे इतिहास, हमारे सम्राट को भी छीनना चाहते थे। 2027 में सरकार बनाइए, राजधानी लखनऊ में तमाम ढऊअ महापुरुषों के योगदान को याद दिलाने के लिए हम रिवर फ्रंट पर प्रतिमा लगाएंगे। इस नोएडा के विकास के लिए समाजवादियों का योगदान कोई भूल नहीं सकता। ये केवल रैली नहीं, आह्वान भी है कि आने वाले समय में सामाजिक न्याय के राज को लाने के लिए हम ढऊअ के लोग मिलकर सरकार बनाने जा रहे। ढऊअ के लोग जानते और महसूस करते हैं कि उनके साथ भेदभाव, तिरस्कार होता है। समय-समय पर उनका सम्मान छीना जाता है। हमें बदलाव लाना होगा। इसके लिए साल लगे या सदी, हम पीछे नहीं हटेंगे। 5% लोग 95% लोगों का शोषण करके अधिकारों से वंचित करने का काम कर रहे हैं। बाबा साहब हमें कागज का ऐसा दस्तावेज देकर गए हैं, जो लोहे की तलवार से ज्यादा मजबूत है। चाहे जितनी भी रुकावट आए, हम लोग गैर-बराबरी खत्म करने के लिए संघर्ष करते रहेंगे। ढऊअ के लिए संविधान की रक्षा जीवन-मरण का विषय है। जो 400 सीटें जीतकर संविधान बदलने की साजिश कर रहे थे, वो 2024 में हार कर अंडरग्राउंड हो गए हैं, लेकिन संविधान तब तक खतरे में रहेगा, जब तक भाजपा है। अखिलेश ने कहा कि नौकरी भाजपा के एजेंडे में कभी नहीं रही। क्योंकि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के संविधान के तहत जो आरक्षण है, वो उनके एजेंडे में कभी नहीं रहा। इसीलिए सरकारी नौकरी नहीं देते, पेपर लीक कराते हैं। जेवर के एयरपोर्ट को किसी ने एनओसी दिलाने का काम किया था, तो वह समाजवादी पार्टी थी। उसी का परिणाम है कि आज यहां पर एयरपोर्ट बना। आगे हम लोग बाजार के रेट से किसान भाइयों की जमीन लेकर उनका सम्मान करने का काम करेंगे। आने वाले समय में भरोसा दिलाना चाहते हैं कि 1090 को और मजबूत करके अपनी बहनों को सुरक्षा देने का काम करेंगे। समाजवादी पेंशन दोबारा शुरू करेंगे। अपनी गरीब माताओं-बहनों के लिए 40 हजार रुपए हर साल देकर उनका सम्मान बढ़ाने का काम करेंगे। अखिलेश ने कहा कि आजकल एक डायलॉग बहुत चलता है कि कोई माफिया नहीं है। जब वो ऐसा कहते हैं, तो उसका मतलब होता है कि एक माफिया है। न सिर्फ अपने मुकदमे वापस लिए, अपने सहयोगियों के भी मुकदमे वापस लिए हैं। इसीलिए 9 साल का हिसाब नहीं दे पा रहे। इसीलिए आधे-अधूरे एयरपोर्ट का उद्घाटन करके गए हैं। इसे एनओसी सपा सरकार ने दी थी। हमारी सरकार बनेगी तो हम न्याय करेंगे। अभी पहला फेज बना है। दूसरा, तीसरा और चौथा जब बनेगा, तो कोई भेदभाव नहीं करेंगे। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा अब तक बेइमानी से सरकार बनाती रही है। उपचुनाव में बेइमानी से हम लोगों को हराने का काम किया। इस बार जब चुनाव होगा, तो इनकी चार सौ बीसी नहीं चलेगी। क्योंकि जिनके सहारे ये लोग हमारा और आपका चुनाव लूटते थे, वो भी निराश हो गए हैं। जिन्होंने फेक एनकाउंटर किए, वो भी भाजपा से दुखी हैं। फेक एनकाउंटर करने वाले अधिकारी दुखी हैं, क्योंकि जानते हैं कि अदालत जाएंगे तो भुगतेंगे। बाहर उनका परिवार परेशानी झेलेगा। इसलिए वो भी सतर्क हो गए हैं। अखिलेश ने कहा कि हम कहते हैं कि जो पीड़ित हैं, वो ढऊअ है। पीड़ा ही हमें एक सूत्र करने वाला धागा है। ढऊअ एक पॉजिटिव और आगे बढ़ने का सामाजिक आंदोलन है। जिसने अत्याचार, अन्याय, उत्पीड़न की पीड़ा नहीं झेली, वो हमारे दर्द को नहीं समझ सकते। वो हमदर्दी तो दिखा सकते हैं, लेकिन वो हमारा दर्द महसूस नहीं कर सकते, जो हमारे घर को गंगाजल से धुलवाने पर हमें हुआ था। मंदिर जाने पर मंदिर धुलवाने पर हमने महसूस किया गया था। हम उन नकारात्मक लोगों को मिटाना नहीं चाहते हैं, बस समझाना चाहते हैं, अब दौर बदल गया है। अभी समय है, चालबाजी छोड़ दें, भेदभाव छोड़ दें, भविष्य उनका नहीं है, नहीं तो आज उनके झंडे उतर गए हैं, कल सत्ता के सिंहासन से भी उतार दिए जाएंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि धरती पर सबसे ज्यादा झूठ बोलने वाली अगर कोई पार्टी है तो उसका नाम नहीं लेना है। यह बात सब जानते हो।

यूपी सो रहे मजदूर की हाथ-पैर बांधकर गला रेतकर हत्या

अमरोहा (एजेंसी)। यूपी के अमरोहा जिले के हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के पिपलोती कलां गांव में शनिवार रात दिल दहला देने वाली वारदात हुई है। घर के टिनशेड में सो रहे मजदूर मेहराज उर्फ मिराज (35) की अज्ञात हमलावरों ने हाथ-पैर बांधकर धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी। घटना के समय उनकी पत्नी रूही और बच्चे भी पास ही सो रहे थे। सुबह पत्नी बेहोशी की हालत में मिली, जबकि बच्चों को कोई चोट नहीं आई। मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुट गई है। ग्रामीणों के मुताबिक मेहराज शनिवार रात अपनी पत्नी और बच्चों के साथ घर के टिनशेड में अलग-अलग चारपाइयों पर सोए थे। रविवार सुबह जब उनके पिता मौबीन पहुंचे तो मेहराज को खून से लथपथ पड़ा देखा। पास जाकर देखा तो उसके हाथ-पैर बंधे थे और गर्दन पर गहरे घाव थे। यह देख परिवार में चीख-पुकार मच गई और देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। वहीं बेहोश पत्नी रूही को तुरंत अस्पताल भिजवाया गया। होश में आई पत्नी भी कुछ बताने को तैयार नहीं है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। परिजनों के मुताबिक, मृतक मेहराज दिल्ली में रहकर बेलदारी का काम करता था और चार दिन पहले ही गांव लौटा था। उसके दो छोटे बच्चे हैं। अचानक हुई इस वारदात से गांव में दहशत का माहौल है। सीओ पंकज त्यागी ने बताया कि हत्या के पीछे की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है। सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। जल्द ही घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

कचहरी परिसर में दम्पति ने अधिवक्ता पर किया हमला

बरेली(एजेंसी)। नवाबगंज कचहरी परिसर में शिकायत दर्ज कराने आए एक दम्पति ने अधिवक्ता पर हमला कर दिया। इस घटना से परिसर में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए हमलावर दम्पति को हिरासत में ले लिया। यह घटना कचहरी परिसर स्थित एक फोटो स्टेट की दुकान पर हुई। ग्राम परोथी निवासी मो. आशिक और उसकी पत्नी गुलचमन सीएम पोर्टल पर किसी मामले की शिकायत दर्ज कराने आए थे। वहां बैठे अधिवक्ता रविन्द्र पाल से उनकी किसी बात को लेकर नोंक-झोंक हो गई।

होली-ईद मिलन में बजी 2027 के चुनाव की रणभेरी

कानपुर (एजेंसी)। सीसामऊ विधायक नसीम सोलंकी की ओर से आयोजित पीडीए होली और ईद मिलन समारोह में विधानसभा के आने वाले चुनाव की रणभेरी बजी। मुख्य अतिथि नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि सब लोग संघर्ष के लिए तैयार रहें। अगर भाजपा की सरकार फिर बनी, तो ये नफरत को और बढ़ा देंगे। सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव समेत सभी वक्ताओं ने आगामी विधानसभा चुनाव की ही बात की।इसके साथ ही हाथ उठाकर लोगों को चुनावी तैयारी के लिए संकल्प दिलाया। होली और ईद मिलन का आयोजन सीसामऊ विधानसभा क्षेत्र के राजकीय बालिका इंटर कॉलेज मैदान पर किया गया। इसमें इंडिया गठबंधन के भी नेता मौजूद रहे। वक्ताओं ने पूर्व विधायक इरफान सोलंकी के उत्पीड़न का जिक्र करके अपनी बात शुरू की। नेता प्रतिपक्ष पांडेय ने कहा कि आने वाला समय समाजवादियों का है।पार्टी के महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में बजट की लूट है। यह संविधान को नहीं मानते। 10 बार विधायक और दो बार सांसद रहे आजम खां और उनके परिवार को भी नहीं छोड़ा। इंडिया गठबंधन भाजपा की तानाशाही नहीं चलने देगा। इस मौके पर विधायक रागिनी सोनकर ने भी विचार व्यक्त किए। विधायक नसीम सोलंकी ने कहा कि उप चुनाव की शुरूआत उन्होंने अकेले की थी। ये लोग रहे मौजूद लेकिन कारवां बनता गया। सीसामऊ परिवार का हर शख्स उनके साथ खड़ा हो गया। पूर्व विधायक इरफान ने कहा कि पता था कि उनके साथ इंसाफ होगा। इस मौके पर विधायक अमिताभ बाजपेई, महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद, पूर्व अध्यक्ष अब्दुल मोईन खान, आशीष चौबे, नसीम रजा, अनिल सोनकर, रिंकू सिंह, महानगर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिंटू, उदय द्विवेदी, सिराज हुसैन आदि मौजूद रहे। जेलर ने मुझसे इरफान की शिकायत की नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने बताया कि वह इरफान सोलंकी से जेल जाकर मिले थे। जेलर ने शिकायत की थी कि सोलंकी कहते हैं कि तुम्हारा घर गिरा देंगे। आप इनको समझाइए। वहीं, शिवपाल सिंह ने कहा कि लोहिया जी कहते थे कि एक पांव जेल में एक रेल में। नेताजी मुलायम सिंह यादव साल में दो बार समाजवादियों को जेल भेजते थे।

एसपी सिटी ने विद्यार्थियों को किया आगाह

मोबाइल फोन और सोशल मीडिया की बढ़ती लत खतरनाक

बरेली(एजेंसी)। मोबाइल फोन और सोशल मीडिया की बढ़ती लत खतरनाक है। किशोर और युवा इसकी वजह से अवसाद का शिकार हो रहे हैं। कई बार वे अपराध के दलदल में भी फंस जा रहे हैं। इसका इस्तेमाल बेहद सावधानी से करें। ये बातें एसपी सिटी मानुष पारीक ने शनिवार को फरीदपुर स्थित राजकीय डिग्री कॉलेज में अमर उजाला की ओर से आयोजित पुलिस की पाठशाला में विद्यार्थियों से कहीं।उन्होंने बताया कि देश के आजाद होने से पहले अंग्रेज यहां अफीम की खेती कराते थे। उसे चीन के युवाओं को बेहद सस्ते दामों पर उपलब्ध कराया जाता था। जब वहां की युवा पीढ़ी इस नशे की गुलाम हो गई तो इसकी कीमतें बढ़ा दी गईं। नतीजा, चीन अंदरूनी रूप से कमजोर हो गया। आज मोबाइल फोन वही मॉडर्न अफीम बन चुका है। गाजियाबाद की घटना का हवाला देते हुए बताया कि कैसे मोबाइल फोन की लत अपराध और अवसाद का कारण बन रही है।उन्होंने कहा कि देश के 86 फीसदी लोगों तक इंटरनेट पहुंच चुका है। इसका नकारात्मक प्रभाव यह है कि युवाओं की एकाग्रता घट रही है। स्क्रीन टाइम बढ़ने से गंभीर शारीरिक-मानसिक परेशानियां भी जन्म ले रही हैं। पहले माता-पिता बच्चों को टीवी देखने से रोकते थे। कभी रिमोट छिपा देते थे तो कभी समय तय कर देते थे। आज के दौर में बच्चे चौबीस घंटे स्क्रीन से चिपके रहते हैं। यह उनके भविष्य के लिए बड़ा खतरा है।

साइबर सुरक्षा की दी जानकारी

साइबर थाने के एसआई अंकित सिंह चौहान ने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचाव की जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से छात्राओं को सचेत करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर अनजान व्यक्ति के मित्रता अनुरोध को स्वीकार न करें। अपने सभी सोशल मीडिया अकाउंट और ई-मेल पर टू-स्टेप वेरिफिकेशन अनिवार्य रूप से लागू करें।

आई.पी.एस अशोक सिंह पर जानलेवा हमले में 16 को उम्र कैद

मुरादाबाद(एजेंसी)। मैनाठेर बवाल के दोषियों को आजीवन कारावास की सजा के पीछे मजबूत चार्जशीट, दमदार पैरवी और गवाही अहम रही। इस केस में तीन सौ तारीखें पड़ीं। 22 गवाह अदालत में पेश किए गए। इन गवाहों से घटना का एक-एक सच बाहर निकलकर आया। 26 दस्तावेजों और 18 वस्तु साक्ष्य की बदौलत अदालत ने 47 पेज के फैसले में दोषियों के लिए उम्र कैद की सजा लिख दी। छह जुलाई 2011 को मैनाठेर के डींगरपुर में तत्कालीन डीआईजी अशोक कुमार सिंह समेत अन्य पुलिस कर्मियों पर हमले के मामले में एक अक्तूबर 2011 को पुलिस की ओर से चार्जशीट दाखिल की गई थी। जिसकी सुनवाई एडीजे- दो कृष्ण कुमार सिंह की अदालत में चली। अभियोजन की ओर से इस मामले में तत्कालीन डीआईजी एवं वर्तमान में एडीजी अशोक कुमार सिंह, तत्कालीन डीएम एवं वर्तमान में जल निगम के प्रबंध निदेशक राजशेखर, केस के वादी रवि कुमार, एफआईआर लेखक सुशील कुमार, पुलिस कर्मी सुरेंद्र कुमार चौधरी, सूरजभान, डॉ. प्रीतम बाला, एसआई राधेश्याम, विवेचक राजेश चौधरी, एसआई अरुण कुमार, पेट्रोल पंप सेल्समैन, डॉ. वीलाल, एसओ मुकेश कुमार, एसएचओ राजीव कुमार, एसएसआई जसवीर सिंह, सिपाही सुनील कुमार, कांस्टेबल सुनील कुमार सिंह प्रताप, चंद्रपाल सिंह, डीआईजी का इलाज करने वाले डॉ. अंकुर गोयल, कौशलेंद्र, चालक सुरेश कुमार प्लाटून

कमांडर राजेश सिंह के बयान दर्ज कराए गए। इसके अलावा इससे संबंधित दस्तावेज साक्ष्य के तौर पर तहरीर, एफआईआर, जीडी, सीटी, डोरी, कॉलर समेत अन्य बरामद सामान की फर्द, मिट्टी व खून लगी वर्दी की फर्द, डीआईजी की मेडिकल रिपोर्ट और उनके बयान की कॉपी, घटनास्थल का नक्शा, आरोप पत्र, संतराम की मेडिकल रिपोर्ट, एक्सरे रिपोर्ट, चालक सुरेश कुमार द्वारा डीएम को भेजे गए पत्र की कॉपी समेत 26 दस्तावेज साक्ष्य कोर्ट में पेश किए गए। इसके अलावा वस्तु साक्ष्य के तौर पर बॉडी प्रोटेक्टर, जूते, सीटी डोरी, सॉल्डर फ्लैप, कॉलर बैंड, पैन, नेम प्लेट, पुलिस कलर, ईंट रोड़े की थैली, पिस्टल की डोरी, कपड़े के अलावा पुलिस की क्षतिग्रस्त गाड़ियों के फोटो भी कोर्ट में पेश किए गए । करीब 12 साल चली सुनाई के इस मामले में 300 से ज्यादा तारीख लगीं और फिर 47 पेज का आदेश आया। जिसमें सभी 16 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। इसके अलावा वस्तु साक्ष्य के तौर पर बॉडी प्रोटेक्टर, जूते, सीटी डोरी, सॉल्डर फ्लैप, कॉलर बैंड, पैन, नेम प्लेट, पुलिस कलर, ईंट रोड़े की थैली, पिस्टल की डोरी, कपड़े के अलावा पुलिस की क्षतिग्रस्त गाड़ियों के फोटो भी कोर्ट में पेश किए गए । करीब 12 साल चली सुनाई के इस मामले में 300 से ज्यादा तारीख लगीं और फिर 47 पेज का आदेश आया। जिसमें सभी 16 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है।मैनाठेर बवाल में शनिवार को अदालत ने दोषियों को सजा सुनाई। इससे पहले ही सुबह करीब नौ बजे से कचहरी में पुलिस तैनात कर दी गई थी। नई बिल्डिंग स्थित एडीजे-2 और अन्य कोर्ट की ओर अधिवक्ताओं के अलावा किसी को एंट्री नहीं दी गई। कोर्ट परिसर और उसके आसपास भारी पुलिस फोर्स तैनात की गई। कचहरी में प्रवेश करने वाले सभी गेट बंद कर दिए गए थे। एसएचओ सिविल लाइंस मनीष सक्सेना, एसएचओ नागफनी राकेश कुमार सिंह, महिला थाना एसएचओ वंदना सिंह, इंस्पेक्टर राजेंद्र सिंह समेत कई इंस्पेक्टर, 30 से अधिक एसआई और करीब 100 सिपाही कचहरी परिसर में जगह-जगह तैनात नजर आए। आरआर जवानों की एक कंपनी भी कोर्ट परिसर में ड्यूटी पर रही।

फरीदनगर में विवाहिता की संदिग्ध मौत, मायके पक्ष ने लगाया हत्या का आरोप

मोदीनगर (शिखर समाचार)। भोजपुर थाना क्षेत्र के फरीदनगर कस्बे में बीती रात एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला का शव कमरे में पंखे से लटका मिलने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। वहीं, मृतका के मायके पक्ष ने हत्या का आरोप लगाते हुए मौके पर हंगामा किया। जानकारी के अनुसार, भोजपुर थाना क्षेत्र के गांव फजलगढ़ निवासी 24 वर्षीय गुड्डी की शादी पिछले वर्ष फरीदनगर निवासी प्रदीप कुमार के साथ हुई थी। बताया जा रहा है कि बीती रात पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद प्रदीप अपनी ड्यूटी पर चला गया, जबकि घर पर गुड्डी के साथ उसका दिव्यांग जेठ और जेठानी मौजूद थे।

रात में गुड्डी अपने कमरे में सोने चली गई, लेकिन सुबह तक जब वह बाहर नहीं आई तो परिजनों को शक हुआ। कमरे में जाकर देखा तो गुड्डी का शव रस्सी के सहारे पंखे से लटका हुआ मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मृतका के मायके पक्ष के लोग भी वहां आ गए।

मायके पक्ष के लोगों ने गुड्डी की हत्या कर शव को फांसी पर लटकाने का आरोप लगाया और जमकर हंगामा किया। पुलिस ने किसी तरह लोगों को शांत कराया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

इस संबंध में एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि वास्तविक स्थिति का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है।

साइबर ठगी का शिकार किसान को राहत: पुलिस ने वापस दिलाए 24 हजार रुपय

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना सिम्भावली पुलिस ने साइबर ठगी के शिकार एक किसान को बड़ी राहत देते हुए उसकी ठगी गई रकम वापस दिला दी है।

थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार ने बताया कि गांव हरौड़ा निवासी प्रमोद कुमार ने शिकायत दर्ज कराई थी कि करीब आठ माह पहले साइबर अपराधियों ने यूपीआई के माध्यम से उसके खाते से 24 हजार रुपये निकाल लिए थे।

शिकायत के आधार पर साइबर क्राइम सेल की मदद से मामले की जांच शुरू की गई। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस टीम ने शनिवार को पीड़ित के खाते में पूरी 24 हजार रुपये की रकम वापस ट्रांसफर करा दी।

पुलिस की इस कार्रवाई से पीड़ित ने राहत की सांस ली और पुलिस का आभार जताया।

मुर्गी फार्म मालिक की हत्या का खुलासा, दो नौकर गिरफ्तार

दादरी (शिखर समाचार)। जारचा कोतवाली क्षेत्र के खटाना गांव स्थित मुर्गी फार्म में मालिक की हत्या के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपी फार्म के ही नौकर निकले, जिन्होंने मिलकर मालिक की हत्या की साजिश रची थी।

पुलिस के मुताबिक फार्म मालिक प्रशांत सिंह उर्फ चीची अपने नौकरों यशवीर उर्फ सूखा और हरदम के साथ काम करता था। आरोप है कि यशवीर के साथ लगातार गाली-गलौच और मारपीट की जाती थी, जिससे वह भीतर ही भीतर आक्रोशित था।

दो दिन पहले हुए विवाद के बाद गुस्से में आकर यशवीर ने लोहे के पाइप से प्रशांत के सिर पर हमला कर दिया और पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी। वहीं दूसरा नौकर हरदम घटना की जानकारी होने के बावजूद इसे छिपाता रहा। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त लोहे की रॉड, पाइप और चाकू बरामद कर लिए हैं। पूछताछ में दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

गौर सिटी में दबंगई: एडवोकेट समेत 3 पर हमला, 4 आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

रबूपुरा (शिखर समाचार)। यीडा सिटी के सेक्टर 19 स्थित गौर सिटी सोसाइटी में देर रात दबंगों द्वारा मारपीट का मामला सामने आया है, जिसमें एक एडवोकेट सहित तीन लोग घायल हो गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीन नामजद और एक अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, कानपुर के थाना चकेरी क्षेत्र स्थित अग्रवाल अपार्टमेंट, श्याम नगर निवासी एडवोकेट गौरव कुमार माथुर शुक्रवार रात करीब एक बजे अपने साथी करन, टिंकू और दीपांशु के साथ कार से अपने फ्लैट की ओर जा रहे थे। जैसे ही वे गौर सिटी सोसाइटी के पार्क व्यू क्षेत्र में पहुंचे, तभी रामपुर गांव निवासी दीपक, सौरभ, अंकित और एक अज्ञात व्यक्ति उनकी गाड़ी के सामने आकर खड़े हो गए।

कारण पूछने पर आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंचे करन, टिंकू और दीपांशु को भी आरोपियों ने बेरहमी से पीटकर घायल कर दिया। घटना के बाद सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उनकी तलाश में दबिश दी जा रही है।

दहेज की मांग बनी मौत का कारण: पत्नी की पीट पीटकर हत्या करने वाला पति गिरफ्तार

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना बाबूगढ़ क्षेत्र में दहेज के लिए विवाहिता की हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मेरठ के थाना भावनपुर क्षेत्र के गांव पचपेड़ा निवासी वेदपाल सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी बहन प्रियंका की शादी करीब छह वर्ष पूर्व भूपेंद्र के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा दहेज में बुलेट बाइक और सोने की चेन की मांग की जा रही थी।

आरोप है कि मांग पूरी न होने पर प्रियंका के साथ लगातार मारपीट और उत्पीड़न किया जाता रहा। 20 मार्च को मारपीट की सूचना मिलने के बाद परिजन उसके घर जाने की तैयारी कर रहे थे, तभी भूपेंद्र ने फोन कर प्रियंका के बीमार होने की बात कही और उसे मेरठ के अस्पताल में भर्ती कराने की जानकारी दी, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

थाना प्रभारी निरीक्षक मुनीष प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि आरोपी भूपेंद्र को किठौर मार्ग स्थित राधा स्वामी सत्संग भवन के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

पीडीए की चुनावी शंखनाद रैली में उमड़ा जनसैलाब, विपक्षियों के उड़े होश

आर पी सिंह

दादरी (शिखर समाचार)। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर आयोजित पीडीए की चुनावी शंखनाद रैली में समाजवादी पार्टी ने अपनी राजनीतिक ताकत का व्यापक प्रदर्शन करते हुए विपक्षी दलों को कड़ा संदेश दिया। मिहिर भोज डिग्री कॉलेज परिसर में आयोजित इस विशाल रैली में दूर-दराज क्षेत्रों से भारी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक पहुंचे, जिससे पूरे क्षेत्र में राजनीतिक माहौल गमार्ता नजर आया। रैली को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि इस जनसैलाब ने विपक्षियों के होश उड़ा दिए हैं और उन्हें अपनी रणनीति बदलने पर मजबूर कर दिया है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों को अपनी रैली एक दिन पहले आयोजित करनी पड़ी, लेकिन जनता ने उनकी सच्चाई समझ ली है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा की रैलियों में भीड़ स्वतः नहीं आती, बल्कि लोगों को जबरन लाया जाता है और छात्रों को लालच देकर शामिल कराया जाता है। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश की जनता जागरूक हो चुकी है और भाजपा को सत्ता से बाहर करने का मन बना चुकी है।

भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि सरकार केवल उद्घाटन और घोषणाओं तक सीमित रह गई है। कई हवाई अड्डों का उद्घाटन होने के बाद भी वे बंद पड़े हैं, जो सरकार की नीतियों की विफलता को दशार्ता है। उन्होंने नोएडा के हवाई अड्डे को लेकर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इसे निजी हाथों में देने की तैयारी की जा रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि किसानों, मजदूरों और युवाओं के साथ लगातार अन्याय हुआ है और उनकी समस्याओं को नजरअंदाज किया गया है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि समाजवादी पार्टी की सरकार

बनने पर किसानों की जमीन का उचित मुआवजा दिया जाएगा और युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

उन्होंने सामाजिक सौहार्द और सम्मान की बात करते हुए कहा कि समाज के इतिहास और महान व्यक्तित्वों के सम्मान के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। गुर्जर सम्राट की प्रतिमा के अपमान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे कृत्यों का सख्ती से विरोध किया जाएगा। उन्होंने अपनी सरकार के दौरान किए गए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा को जोड़ने, मेट्रो सेवा के विस्तार और द्रुतगामी मार्गों के निर्माण से क्षेत्र में विकास को नई दिशा मिली थी, जिसे आगे और तेज किया जाएगा। सांसद इकरा हसन ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश में परिवर्तन की लहर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है और जनता भाजपा की नीतियों से निराश हो चुकी है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सभी वर्गों को साथ लेकर चलने का कार्य करती है और सरकार बनने पर हर समाज को बराबरी का अधिकार और सम्मान दिया जाएगा। उन्होंने भाजपा पर समाज में विभाजन की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए लोगों से एकजुट होकर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने का आह्वान किया।

रैली के सफल आयोजन में राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही। उन्होंने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पीडीए समाज की एकजुटता ने एक नया इतिहास रचने की दिशा में कदम बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि दादरी की धरती से चुनावी बिगुल बज चुका है और कार्यकताओं का उत्साह यह संकेत दे रहा है कि आने वाले समय में बड़ा राजनीतिक बदलाव संभव है।

विधायक अतुल प्रधान ने कहा कि समाजवादी पार्टी सदैव सभी वर्गों और बिरादरियों के हितों की रक्षा करती आई है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान शासन में गरीब, मजदूर और किसान सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं और उनके अधिकारों का हनन हुआ है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि सभी लोग एकजुट होकर अन्याय और शोषण के खिलाफ आवाज बुलंद करें।

रैली के दौरान पूरे परिसर में उत्साह और जोश का माहौल देखने को मिला। कार्यकताओं ने नारेबाजी करते हुए पार्टी के समर्थन में अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की। इस अवसर पर हरेंद्र मलिक, रामलाल सुमन, शाहिद मंजूर, नसीमुद्दीन सिद्दीकी, जितेंद्र यादव, गजराज सिंह नागर, फकीर चंद नागर, प्रशांत भाटी, सुनीता यादव, आदित्य कुमार, इंद्र प्रधान, सुधीर भाटी, बबल भाटी, कुलदीप भाटी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे।

कारखाना अधिनियम 1948 : नोएडा की ऐजी ओर्गनिका कंपनी में हेल्थ एंड सेफ्टी ट्रेनिंग हुई सम्पन्न

नोएडा (शिखर समाचार)। कारखाना अधिनियम 1948 की धारा 111-A के अनुपालन में ऐजी ओर्गनिका में फर्स्ट ऐड व हेल्थ एंड सेफ्टी ट्रेनिंग सम्पन्न हुई, जिसमें एसएमई गुरुकुल फाउंडेशन एनजीओ की तरफ से डॉक्टर अभिषेक कंचन ने कंपनी के सभी कर्मचारियों को हेल्थ एंड सेफ्टी के बारे जानकारी दी। कार्यस्थल पर काम करते समय किस प्रकार की सावधानियां रखनी चाहिये, जिससे कंपनी परिसर में किसी भी तरह की दुर्घटना होने से बचा जा सके। कारखाना अधिनियम 1948 की धारा 111-A के तहत कारखाने के नियोक्ता की जिम्मेदारी है कि वह कारखाने में काम करने वाले सभी कर्मचारियों को हेल्थ एंड सेफ्टी का प्रशिक्षण दिलवाए। मुख्य निरीक्षक कारखाना द्वारा अनुमोदित किसी प्रशिक्षण संस्था से प्रशिक्षण दिलवाए, जो कार्यस्थल पर श्रमिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए प्रशिक्षण देते है। यह भी आवश्यक होगा कि इस प्रकार की ट्रेनिंग की वार्षिक विवरण क्षेत्र के फैक्ट्री डिपार्टमेंट के कार्यालय में प्रत्येक वर्ष जमा करना अनिवार्य है अन्यथा कंपनी के ऊपर दंड के भी प्रावधान है।

लालच में खड़ा किया मौत का मकान: घटिया निर्माण से दो मंजिला इमारत ढही, टला बड़ा हादसा

जेवर (शिखर समाचार)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के विस्तार के चलते चल रही भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया के बीच अवैध निर्माण का खतरनाक खेल सामने आया है। अधिक मुआवजा पाने की लालच में बनाए जा रहे घटिया मकानों का सच उस समय उजागर हुआ जब नीमका गांव में बन रहा एक दो मंजिला मकान अचानक भरभराकर गिर गया।

जानकारी के अनुसार, गांव निवासी विषमपाल के खेत में एक ठेकेदार द्वारा अवैध रूप से दो मंजिला मकान का निर्माण कराया जा रहा था। निर्माण में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा था। रविवार को जैसे ही दूसरी मंजिल का लेंटर पूरा हुआ और मजदूर वहां से हटे, तभी पूरी इमारत अचानक ढह गई। तेज धमाके की आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम जेसीबी मशीन के साथ मौके पर पहुंची और मलबा हटाने

का कार्य शुरू किया। गनीमत रही कि हादसे से कुछ देर पहले ही मजदूर वहां से निकल चुके थे, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

स्थानीय लोगों के अनुसार, ठेकेदार खुद को विधायक का करीबी बताकर इस तरह के अवैध निर्माण करा रहा था। क्षेत्र में भूमि अधिग्रहण का अधिक लाभ लेने के लिए सैकड़ों अवैध मकान बनाए जा रहे हैं, जिनमें सुरक्षा मानकों की खुलेआम अनदेखी हो रही है। गौरतलब है कि इससे पहले भी ऐसे कई मकान गिर चुके हैं, जिनमें लोगों की जान तक जा चुकी है, बावजूद इसके प्रशासन की कार्रवाई केवल हादसों के बाद ही नजर आती है।

शादीपुर में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन, ग्रामीणों ने उठाया लाभ

बिजनौर (शिखर समाचार)। कोतवाली देहात क्षेत्र के ग्राम शादीपुर में सुसंस्कारित स्वास्थ्य सेवा के तहत एक दिवसीय निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर अपनी सेहत की जांच कराई और विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लिया।

शिविर में स्वामी भक्ति वेदांत नेत्र चिकित्सालय, बिजनौर के अनुभवी चिकित्सकों की टीम ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। इस दौरान नेत्र सर्जन डॉ. मेजर अभिनव सिंह, डॉ. प्रीति सिंह तथा डॉ. मेघा ने ग्रामीणों की आंखों और दांतों की गहन जांच की। वहीं आयुर्वेद पंचकर्म विशेषज्ञ डॉ. इला ने उपस्थित लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए आयुर्वेदिक पद्धति से स्वस्थ रहने के महत्वपूर्ण सुझाव दिए। शिविर में दो दर्जन से अधिक लोगों ने पंजीकरण कराकर आंख, दांत और अन्य सामान्य बीमारियों की जांच कराई। चिकित्सकों द्वारा मरीजों को आवश्यक दवाइयां वितरित की गईं और उन्हें रोगों से बचाव के उपाय भी विस्तार से बताए गए।

ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर ग्रामीण क्षेत्रों में बेहद उपयोगी साबित होते हैं और लोगों को समय रहते बीमारियों की पहचान और उपचार का अवसर प्रदान करते हैं।

दादरी रैली में शामली से सपा का दमदार शक्ति प्रदर्शन

शामली। (शिखर समाचार) समाजवादी पार्टी द्वारा दादरी में आयोजित समाजवादी समानता एवं भाईचारा रैली में शामली जनपद से भारी संख्या में कार्यकताओं ने भाग लेकर शक्ति प्रदर्शन किया। हजारों की तादाद में कार्यकर्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में आयोजित इस रैली में शामिल होने के लिए दादरी पहुंचे, जिससे पार्टी का उत्साह और एकजुटता साफ नजर आई। रैली में शामिल होने से पहले सैकड़ों पदाधिकारी और कार्यकर्ता भैंसवाल रोड स्थित सपा जिला कार्यालय पर एकत्र हुए। यहां से प्रोफेसर सुधीर पंवार और पूर्व विधायक राजेश्वर बंसल ने जिलाध्यक्ष अशोक चौधरी के नेतृत्व में वाहनों के बड़े काफिले को रवाना किया। काफिले में दर्जनों वाहन शामिल रहे, जिनमें विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे। कैराना विधानसभा क्षेत्र से भी सैकड़ों कार्यकर्ता सांसद इकरा हसन और नाहिद हसन के नेतृत्व में बसों और कारों के माध्यम से रैली स्थल पहुंचे। पूरे कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं में खासा उत्साह देखने को मिला और उन्होंने पार्टी नेतृत्व के प्रति अपना समर्थन जताया। पार्टी पदाधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी माह में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का शामली में कार्यक्रम प्रस्तावित है, जिसकी तिथि जल्द ही घोषित की जाएगी। इस प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर भी कार्यकताओं में अभी से उत्सुकता बनी हुई है।

नमकीन फैक्ट्री में भीषण आग: शॉर्ट सर्किट से लाखों का नुकसान

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ क्षेत्र के स्वर्ग आश्रम रोड स्थित केशव नगर में एक नमकीन फैक्ट्री में रविवार सुबह अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि फैक्ट्री में रखा लाखों रुपये का माल जलकर राख हो गया। बताया जा रहा है कि फैक्ट्री मालिक रामकुमार शर्मा की इस फैक्ट्री में शॉर्ट सर्किट के चलते आग लगी। धुआं और आग की ऊंची लपटें उठती देख आसपास के लोगों में अफरा तफरी मच गई और तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक फैक्ट्री के अंदर रखा काफी सामान जल चुका था, जिससे मालिक को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। घटना के बाद दमकल विभाग और प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि रिहायशी क्षेत्र के बीच फैक्ट्री किन नियमों के तहत संचालित हो रही थी। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से ऐसी फैक्ट्रियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बाईपास पर बाइक सवार युवकों पर हमला, पांच के खिलाफ केस दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र में बदमाशों के हौसले बुलंद नजर आए, जहां ड्यूटी पर जा रहे दो युवकों पर बीच सड़क हमला कर उन्हें घायल कर दिया गया। घटना बाईपास पर मदर डेयरी के समीप की है, जहां बाइक सवार युवकों को रोककर लाठी-डंडों और सरियों से बेरहमी से पीटा गया। पीड़ितों के विरोध करने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी और मौके से फरार हो गए। शोर शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस के अनुसार जारचा कोतवाली क्षेत्र के मुठयानी गांव निवासी शनि अपने साथी अजय के साथ 28 मार्च को कंपनी में ड्यूटी के लिए जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में गांव के ही विनीत, तुषार, निखिल तथा शाहपुर गांव निवासी निक्कू और कपिल ने उन्हें रोककर गाली गलौच शुरू कर दी। विरोध करने पर मारपीट कर घायल कर दिया गया। घटना के बाद पीड़ित की तहरीर पर पांचों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

विडियोटेक्स इंटरनेशनल कंपनी में हेल्थ एंड सेफ्टी ट्रेनिंग हुई सम्पन्न

नोएडा (शिखर समाचार) कारखाना अधिनियम 1948 की धारा 111-अ के अनुपालन मे विडियोटेक्स इंटरनेशनल में फर्स्ट ऐड व हेल्थ एंड सेफ्टी ट्रेनिंग सम्पन्न हुई, जिसमें एसएमई गुरुकुल फाउंडेशन एनजीओ की तरफ से डॉक्टर अभिषेक कंचन ने कंपनी के सभी कर्मचारियों को हेल्थ एंड सेफ्टी के बारे जानकारी दी। कार्यस्थल पर काम करते समय किस प्रकार की सावधानियां रखनी चाहिये, जिससे कंपनी परिसर में किसी भी तरह की दुर्घटना होने से बचा जा सके।कारखाना अधिनियम 1948 की धारा 111-अ के तहत कारखाने के नियोक्ता की जिम्मेदारी है कि वह कारखाने में काम करने वाले सभी कर्मचारियों को हेल्थ एंड सेफ्टी का प्रशिक्षण दिलवाए। मुख्य निरीक्षक कारखाना द्वारा अनुमोदित किसी प्रशिक्षण संस्था से प्रशिक्षण दिलवाए, जो कार्यस्थल पर श्रमिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए प्रशिक्षण देते है। यह भी आवश्यक होगा कि इस प्रकार की ट्रेनिंग की वार्षिक विवरण क्षेत्र के फैक्ट्री डिपार्टमेंट के कार्यालय में प्रत्येक वर्ष जमा करना अनिवार्य है अन्यथा कंपनी के ऊपर दंड के भी प्रावधान है।

सेक्टर 22 में कपड़ा संग्रह अभियान, जरूरतमंदों की मदद के लिए बढ़े हाथ

नोएडा (शिखर समाचार)। सामाजिक संस्था पहचान तथा आरडब्ल्यूए सेक्टर 22 के संयुक्त तत्वावधान में जरूरतमंद लोगों की सहायता के उद्देश्य से सेक्टर 22 में कपड़ा संग्रह अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत क्षेत्र के लोगों से पुराने लेकिन उपयोग योग्य कपड़े एकत्रित किए गए, जिन्हें बाद में गरीब एवं जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाया जाएगा। अभियान को लेकर क्षेत्रवासियों में खासा उत्साह देखने को मिला और बड़ी संख्या में लोगों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई।

कार्यक्रम के दौरान विकास राणा, विकल चौधरी, चौकी प्रभारी अक्षय राणा तथा उपनिरीक्षक राधे श्याम अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के अभियान समाज में सेवा, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं को मजबूत करते हैं तथा जरूरतमंद लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सहायक सिद्ध होते हैं।

इस अवसर पर आरडब्ल्यूए सेक्टर-22 के संरक्षक रवि शर्मा, अध्यक्ष मदन शर्मा तथा सचिव लक्ष्मण दशमाना भी उपस्थित रहे। उन्होंने पहचान संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज के अन्य लोगों को भी आगे आकर जरूरतमंदों की सहायता करने के लिए प्रेरित करते हैं और सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा देते हैं।

कार्यक्रम में पहचान संस्था की ओर से स्वयंसेवक सचिव पवन शर्मा, कोषाध्यक्ष डॉक्टर निलेश सिंह तथा महिला समन्वयक मनीषा शर्मा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनके सहयोग से अभियान को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित किया गया।

इसके अलावा संस्था के स्वयंसेवकों अंकित शर्मा, शुभम शर्मा, पार्थ शर्मा और अर्जुन ने कपड़ों को एकत्रित करने, उनकी छंटाई करने तथा उन्हें सुरक्षित रखने में सक्रिय योगदान दिया। सेक्टर-22 के निवासियों के सहयोग से यह अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और बड़ी मात्रा में कपड़े एकत्र किए गए।

संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि पहचान संस्था भविष्य में भी इस प्रकार के सामाजिक एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाई जा सके और समाज में सेवा की भावना को और मजबूत किया जा सके।

माल से भरी कैंटर चोरी का पदार्फाश, फरार आरोपी गिरफ्तार सपा नगराध्यक्ष सहित कई नाम उजागर

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हाफिजपुर पुलिस ने माल से भरी कैंटर गाड़ी चोरी के मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि इस मामले में शामिल अन्य आरोपियों, जिनमें सपा नगराध्यक्ष भी शामिल हैं, की तलाश तेज कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार सोना पेट्रोपम्प के पास से पत्तोजड़ी से लदी कैंटर गाड़ी चोरी की गई थी। मामले में फरार चल रहे मेरठ निवासी गुफरान को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के कब्जे से चोरी का माल बेचकर प्राप्त 50 हजार रुपये और एक तमंचा भी बरामद किया गया है। सीओ अनिता चौहान ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। उसने बताया कि इस चोरी में उसके साथ लईक प्रधान (निवासी जड़ौदा, मेरठ) और हापुड़ के सपा नगराध्यक्ष नईम जडौदिया भी शामिल थे। पुलिस ने दोनों को नामजद करते हुए उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश तेज कर दी है।

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कौशल प्रतियोगिता का शुभारंभ, 36 राज्यों के 650 प्रतिभागी शामिल

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) स्किल इंडिया अभियान के अंतर्गत वर्ष 2025-26 की राष्ट्रीय कौशल प्रतियोगिता का शुभारंभ ग्रेटर नोएडा स्थित गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में देशभर से आए लगभग 650 प्रतिभागियों ने 63 विभिन्न कौशल विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व देखने को मिला।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय की सचिव देबाश्री मुखर्जी ने कहा कि कौशल विकास एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जो अभ्यास, समर्पण और आत्मविकास से निखरती है। उन्होंने प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि इस स्तर तक पहुंचना ही एक बड़ी

उपलब्धि है और सभी प्रतिभागी अपने आप में कौशल प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि कौशल विकास देश के समग्र विकास की नींव है और युवाओं की ऊर्जा भारत को वैश्विक स्तर पर कौशल राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगी। इस अवसर पर मंत्रालय की वरिष्ठ सलाहकार मनीषा शर्मा ने बताया कि भारत वर्तमान में विश्व कौशल रैंकिंग में 13वें स्थान और एशिया में 8वें स्थान पर है। उन्होंने कहा कि कौशल विकास, पुनः कौशल विकास और उन्नत कौशल विकास के माध्यम से ही युवाओं को भविष्य के लिए तैयार किया जा सकता है। कार्यक्रम की शुरूआत नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण कुमार पिल्लई के उद्घाटन संबोधन से हुई। उन्होंने कौशल विकास को देश की प्रगति का आधार बताते हुए युवाओं को उत्कृष्टता की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों की टीमों द्वारा आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत किया गया, जिसने एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को सशक्त रूप से प्रदर्शित किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने आयोजन में उत्साह का संचार किया। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण शपथ ग्रहण समारोह रहा, जिसमें उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन की प्रतिभागी साधना ने सभी प्रतिभागियों को निष्पक्षता, ईमानदारी और पूर्ण समर्पण के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर ज्ञानेंद्र देव त्रिपाठी, प्रमुख सचिव (एसईईडी), असम और गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति आर. पी. सिंह सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। अंत में नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के मुख्य परिचालन अधिकारी प्रशांत सिन्हा ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आयोजन देश में कौशल विकास को नई दिशा प्रदान करेगा।

फार्म हाउस में सेंध: ताला काटकर लाखों का सामान साफ

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना पिलखुवा क्षेत्र के खेड़ा गांव स्थित एक फार्म हाउस को चोरों ने निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के सामान पर हाथ साफ कर दिया। चोर देर रात फार्म हाउस के मुख्य दरवाजे का ताला काटकर अंदर घुसे और कीमती सामान लेकर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार खेड़ा गांव निवासी पवन तोमर के फार्म हाउस पर यह वारदात हुई। चोरों ने अंदर रखे जनरेटर, इन्वर्टर बैटरी, सबमर्सिबल मोटर, झंडा टांका डायनेमो और गैस सिलेंडर सहित करीब एक लाख रुपये से अधिक का सामान चोरी कर लिया। सुबह जब पीड़ित फार्म हाउस पहुंचे तो दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला और अंदर रखा सामान गायब था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष चौहान ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और आरोपियों की तलाश जारी है।

संपादकीय

बिहार बोर्ड 10वीं परिणाम : अंकों से आगे बढ़कर शिक्षा की गुणवत्ता पर गंभीर मंथन का समय

29 मार्च 2026 को बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (बीएसईबी) द्वारा दसवीं कक्षा का परिणाम घोषित किया गया। हर वर्ष की तरह इस बार भी लाखों छात्र छात्राओं, अभिभावकों और शिक्षकों की निगाहें इस परिणाम पर टिकी थीं। परिणाम आते ही सफलता की कहानियां सामने आईं, टॉपर्स की सूची चर्चा में आई और असफल रहे विद्यार्थियों के बीच निराशा का माहौल भी देखने को मिला। लेकिन इन सबके बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या हम केवल अंकों के आधार पर शिक्षा की सफलता का आकलन कर सकते हैं, या फिर इसके पीछे छिपी व्यापक सच्चाइयों पर भी ध्यान देना जरूरी है। बिहार बोर्ड ने पिछले कुछ वर्षों में परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए सराहनीय प्रयास किए हैं। नकल पर नियंत्रण, समय पर परीक्षा और शीघ्र परिणाम घोषणा जैसे कदमों ने इसकी विश्वसनीयता को बढ़ाया है। इस बार भी परिणाम अपेक्षाकृत समय से घोषित किए गए, जो प्रशासनिक दक्षता का संकेत है। हालांकि, इन उपलब्धियों के बावजूद यह सवाल बना हुआ है कि क्या परीक्षा प्रणाली वास्तव में विद्यार्थियों के समग्र विकास को प्रतिबिंबित कर रही है। दसवीं का परिणाम किसी भी छात्र के जीवन का पहला बड़ा मोड़ होता है। यह वह समय होता है जब बच्चे अपने भविष्य की दिशा तय करने लगते हैं। ऐसे में केवल अंक आधारित मूल्यांकन उनके आत्मविश्वास को या तो अत्यधिक बढ़ा देता है या पूरी तरह तोड़ देता है। जो छात्र अच्छे अंक लाते हैं, उन्हें समाज और परिवार से सराहना मिलती है, जबकि कम अंक पाने वाले छात्र अक्सर उपेक्षा और दबाव का सामना करते हैं। यह प्रवृत्ति शिक्षा के मूल उद्देश्य के विपरीत है, जहां ज्ञान, कौशल और व्यक्तित्व विकास को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। बिहार जैसे राज्य में जहां शिक्षा व्यवस्था लंबे समय तक संसाधनों की कमी और व्यवस्थागत चुनौतियों से जूझती रही है, वहां परिणामों का विश्लेषण केवल प्रतिशत के आधार पर करना अधूरा दृष्टिकोण है। ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में आज भी बुनियादी सुविधाओं की कमी, शिक्षकों की अनुपस्थिति और डिजिटल संसाधनों का अभाव बड़ी समस्याएं हैं। ऐसे में वहां के विद्यार्थियों से महानगरों के छात्रों जैसी प्रतिस्पर्धा की अपेक्षा करना न्यायसंगत नहीं है। इस बार के परिणाम में लड़कियों का प्रदर्शन एक बार फिर बेहतर रहा है, जो सामाजिक बदलाव का सकारात्मक संकेत है। यह दशार्ता है कि शिक्षा के प्रति समाज की सोच में धीरे धीरे सुधार हो रहा है। लेकिन यह भी ध्यान देने की आवश्यकता है कि क्या इन सफल छात्राओं को आगे उच्च शिक्षा और रोजगार के समान अवसर मिल पाएंगे या नहीं। केवल परिणाम में बेहतर प्रदर्शन करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके लिए सुरक्षित और सुलभ शैक्षणिक एवं व्यावसायिक वातावरण सुनिश्चित करना भी उतना ही जरूरी है। इसके अलावा परीक्षा प्रणाली में सुधार के बावजूद पाठ्यक्रम और शिक्षण पद्धति में बदलाव की आवश्यकता स्पष्ट रूप से महसूस की जा रही है। आज के दौर में रटने की बजाय समझ आधारित शिक्षा अधिक प्रासंगिक है। लेकिन अधिकांश स्कूलों में अब भी पारंपरिक तरीके से पढ़ाई कराई जा रही है, जहां परीक्षा में अच्छे अंक लाने के लिए छात्रों को सीमित दायरे में बांध दिया जाता है। इससे उनकी रचनात्मकता और विश्लेषणात्मक क्षमता का विकास बाधित होता है।

~ मौलिक चिंतन ~

न केवल प्रेम करना काफी है, और न केवल प्रेम जताना ही पर्याप्त है, रिश्ते में दोनों का संतुलन जरूरी है।

© विनय संकोची

आसमान से गिरे, खजूर में अटके ट्रंप

सनत जैन

बड़बोले ट्रम्प को ईरान ने दिखाया आईनाह्व राजनीति में ताकत का प्रदर्शन ही सबसे बड़ी रणनीति माना जाता है। इतिहास गवाह है, अति-आत्मविश्वास कई बार सबसे बड़ी कमजोरी और नुकसान का करण बन जाता है। वर्तमान में कुछ ऐसी ही स्थिति अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संदर्भ में देखने को मिल रही है। दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद जिस तरह से उन्होंने दुनिया के देशों को टैरिफ युद्ध के माध्यम से हड़काकर स्वयंभू शांतिदूत के रूप में सारी दुनिया में स्थापित होना चाह रहे थे। 1 साल में ही वह ह्लआसमान से गिरे, खजूर में अटकेह्व वाली कहावत को चरितार्थ करते नजर आ रहे है। ट्रंप ने अपने कार्यकाल में खुद को एक आक्रामक और निर्णायक नेता के रूप में सारे विश्व के देशों पर अपना वर्चस्व बनाने की कोशिश कर रहे थे। वैश्विक स्तर पर अपनी ताकत का प्रदर्शन कर रहे थे। मध्य-पूर्व देशों की जटिल राजनीति में उनका यह रवैया पिछले 1 वर्ष में चचाओं में बना रहा। इजराइल और फिलिस्तीन की लड़ाई में वह इजरायल के पक्ष में खड़े थे। गाजा में हजारों मासूम बच्चों और महिलाओं की हत्या हुई। रूस और यूक्रेन के युद्ध में वह नाटो देश और अमेरिका के मित्र देशों के साथ जिस तरह का व्यवहार कर रहे थे, इसका असर सारी दुनिया के देशों में देखने को मिला। इसराइल और ईरान के बीच बढ़ते हुए तनाव और इजराइल के साथ उनकी नजदीकी ने हालात को पेचीदा बना दिया है। इजराइल और ईरान के युद्ध मे अमेरिका को झोंक देने के कारण समय-समय पर तरह-तरह की बयानबाजी करने से आज ट्रंप सारी दुनिया में अलग-थलग पढ़ते चले जा रहे हैं।

कहा जाता है, ह्लऊंट जब पहाड़ के नीचे आता है तब उसे अपनी असलियत समझ आती है। ट्रंप के साथ भी कुछ ऐसा ही होता दिख रहा है। जो नेता खुद को विश्व राजनीति का निर्णायक मानकर अहंकार दिखा रहा था, अपने आपको दुनिया का सर्वशक्तिमान मानकर चल रहा था, आज वही ट्रम्प ऐसी स्थिति में फंस गये हैं, जहां से वह आगे भी नहीं बढ़ पा रहे हैं और नाही पीछे हट पा रहे हैं। पहली बार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यह स्थिति ह्लधोबी का कुत्ता, न घर का न घाट काह्व जैसी होती हुई दिख रही है।

मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष ने सवाल खड़ा कर दिया है। क्या अमेरिका अपने लक्ष्य की पूर्ति के लिए अपनी रणनीति के तहत आगे बढ़ रहा है, या वह इजरायल के हितों के कारण स्वयं और अमेरिका को उलझाता जा रहा है। ईरान की ओर से हाल ही में मुस्लिम देशों को दिया गया संदेश इस पूरे परिदृश्य मे अमेरिका की स्थिति को और भी गंभीर बना रहा है। अरब देशों के साथ अमेरिका का कई दशकों से सुरक्षा संबंधी समझौता था। खाड़ी के अधिकांश देशों में अमेरिका ने अपने सैन्य अड्डे बनाए हुए थे। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का पूरा कारोबार डॉलर मुद्रा में होता था, जिसके कारण अमेरिका का एकाधिकार था। ईरान ने जिस तरह से खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों को तबाह किया है, उसने असलियत सामने ला दी है। खाड़ी देशों को ईरान ने चेतावनी दी है वे अमेरिका की मदद नहीं करें। ईरान ने इस्लामी ब्रदरहुड की भावना को जागृत करते हुए कहा है जो देश अपनी जमीन को ईरान के ऊपर हमला करने के लिए उपलब्ध नहीं कराएंगे उनसे ईरान की कोई दुश्मनी नहीं है। हम सब मिलकर काम करेंगे। अमेरिका की दादागिरी नहीं सहेंगें। अंतरराष्ट्रीय राजनीति भावनाओं या आक्रामक बयानों से नहीं चलती है। इसमें संतुलन, कूटनीति और दीर्घकालिक सोच और लाभ-हानि की आवश्यकता से जुड़ी होती है। ट्रंप की नीतियाँ, उनके तरह-तरह के बयान, धमकी तथा अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हुए जो दादागिरी और अहंकार कर रहे थे, ईरान ने अब उस पर तगड़ा वार किया है। अमेरिका ने जिन देशों को सुरक्षा देने का वचन दिया था वह सुरक्षा तो अमेरिका कर नहीं पाया। इस स्थिति में उठ रहे सवाल इसी बात की ओर इशारा करते हैं। केवल शक्ति प्रदर्शन से ना तो किसी देश पर कब्जा किया जा सकता है, नाही किसी समस्या का स्थायी समाधान निकाला जा सकता है।

अमेरिका और इजरायल ने क्या सोचकर ईरान के ऊपर हमला किया था यह तो अमेरिका और इजराइल ही जानते हैं लेकिन अब जिस तरीके की स्थिति बन गई है, उसमें ट्रंप ना तो वहां से निकल पा रहे हैं और आगे बढ़ने के सारे रास्ते बंद हो चुके हैं। वर्तमान स्थिति का घटनाक्रम अहंकारी राजनेताओं को महत्वपूर्ण सीख देता है। राजनीति और सत्ता के वैश्विक मंच पर हर कदम को सोच-समझकर उठाना जरूरी होता है। बड़बोलेपन और अहंकार की राजनीति लंबे समय तक टिक नहीं पाती है। जब हकीकत सामने आती है, तो सबसे ताकतवर अमेरिका और उसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसे नेता भी असहज स्थिति में फंसते हैं। इस युद्ध के कारण जिस तरह से अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप का विरोध हो रहा है, अमेरिका में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है। अमेरिका का आर्थिक संकट बढ़ रहा है। ऐसी स्थिति में अब उन्हें अपनी ही रिपब्लिकन पार्टी से चुनौती मिलना शुरू हो गई है। उनके लिए अब राष्ट्रपति पद पर बने रहने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। युद्ध के लिए अर्थतंत्र को मजबूत करने के लिए प्रयास करना पड़ रहा है। ईरान जैसे छोटे से देश से उन्हें इस तरह की चुनौती मिलेगी इसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी। लेकिन जब सच्चाई सामने आई तो यह दोनों कहावतें सत्य होती प्रतीत हो रही हैं।

भगवान महावीर का जिओ और जीने दो का अहिंसा संदेश आज भी प्रासंगिक

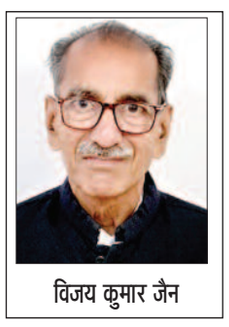

विजय कुमार जैन

अहिंसा के अवतार युगदृष्टा भगवान महावीर का 2625 वाँ जन्मोत्सव हम चैत्र शुक्ल 13 दिनांक 30 मार्च दिन सोमवार को मना रहे हैं। भगवान महावीर का 2552 वाँ निवाणोत्सव हमने कार्तिक कृष्णा अमावस्या 21अक्टूबर 25 मंगलवार को मनाया है। भगवान महावीर एक युग पुरुष, युग दृष्टा, एक महामानव थे। वे जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर थे। क्षत्रिय राज कुमार होने के बावजूद भी उन्होंने कभी विश्व विजय का सपना नहीं देखा। जिस समय भगवान महावीर का अवतरण हुआ, दुनिया में हिंसा और अत्याचार का बोल बाला था। महाबीर ने विषम परिस्थिति में सच्चा मार्ग दुनिया को दिखलाया। आपने प्राणीमात्र के सुख के लिये जिओ और जीने दो का अमूल्य मंत्र दिया। वर्तमान में भगवान महावीर के जन्मोत्सव के अवसर हम पीछे मुड़कर देखें तो विगत वर्षों सारी दुनिया कोरोना से पीड़ित रही है। कहते हैं चीन में आम आदमी ने जहरीले जीव जन्तुओं को अपनी जिव्हा का स्वाद बढ़ाने उनका वेरहमी से भक्षण किया, यह भी आरोप है कि कोरोना महामारी का शुभारंभ सन 2019 में चीन से हुआ, और यह महामारी सारी दुनिया में आग की तरह फैल गई। सभी ओर से आबाज थी, हिंसा और मांसाहार को त्याग कर ही कोरोना जैसी जानलेवा महामारी से बचा जा सकता हैं। इस महामारी से लड़ने भगवान महाबीर का अहिंसा शाकाहार सिद्धांत प्रासंगिक है। शाकाहारी समाज के लिये यह सुखद संदेश है कोरोना महामारी से पीड़ित दुनिया के लगभग सभी देशों में स्वस्थ्य रहने मांसाहार त्याग कर शाकाहार को स्वीकार किया जा रहा है।

विश्व प्रेम ही भगवान महावीर का दिव्य संदेश है। भगवान महावीर के इसी सिद्धांत को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अपने जीवन का मूलमंत्र माना था। हमारे भारत की यह नीति है किसी दूसरे देश की भूमि मत हड़पो। सन 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान युद्ध में पश्चिमी पाकिस्तान जीतकर उस पर कब्जा न कर स्वतंत्र बंगलादेश बनाया।

भगवान महावीर का मंगल उपदेश था, पाप से घ्रणा करो, न कि पापी से। उन्होंने विरोधी को कभी विरोध से नहीं वरन सद्भावना एवं शांति से जीता। भगवान महावीर ने दुनिया को अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह का पावन संदेश दिया, इस मार्ग पर चलकर उन्होंने सांसारिक बंधनों से मुक्त होकर मोक्ष प्राप्त किया। उन्होंने अपना कल्याण किया एवं मोक्ष मार्ग बताया। भगवान महावीर ने कहा-आत्मा के चार बड़े शत्रु हैं काम, क्रोध,लोभ और मोह। इनके चक्कर में पड़ा हुआ व्यक्ति जीवन में कभी अच्छे कार्य नहीं कर पाता। स्व कल्याण के लिये इन पर विजय प्राप्त करना बहुत आवश्यक है।

विश्व वंदनीय भगवान महावीर के जीवन एवं दर्शन का गहराई से अध्ययन करते हैं तो हम पाते हैं, वे किसी एक जाति या सम्प्रदाय के न होकर सम्पूर्ण मानव समाज की अमूल्य धरोहर हैं। वह सबके थे और सब उनके थे। वह स्वयं क्षत्रिय कुल में उत्पन्न हुए थे, उनके मुख्य गणधर इन्द्रभूति गौतम ब्राह्मण थे तथा उनकी धर्मसभा (समवशरण) में सभी धर्मों और जातियों के लोग उनकी दिव्य देशना, मंगल उपदेश सुनने के लिये आते थे। उन्हें केवल जैनों या जैन मंदिरों तक सीमित रखना उनके उद्दात एवं विराट व्यक्तित्व के प्रति अन्याय है वह जैन नहीं जिन थे। इन्द्रिय जन्य वासनाओं और मनोजन्य कषायों को जीत लेते हैं,वे कहलाते हैं जिन। किसी का भी कल्याण जैन बनकर नहीं, जिन बनकर ही हो सकता है। भगवान महावीर ने कहा है त्याग व तपस्या से जीवन महान बनता है। श्रावकों को अपने आचरण में अहिंसा तथा जीवन में अपरिग्रह रखना चाहिए।

युग दृष्टा, अहिंसा, करुणा, परोपकार की पावन प्रेरणा देने वाले भगवान महावीर के 2625 वे जन्मोत्सव के पुनीत अवसर पर हमे चिंतन करने की आवश्यकता है। वर्तमान में चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध,मध्य पूर्व में चल? रहे भयाभय युदू,विश्व में बढ़ रहे अलगाववाद, आतंकवाद, सम्प्रदायवाद, हिंसा की निरंतर बढ़ती प्रवृत्ति, अमेरिका के राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रम्प की एकाधिकार नीति से पूरी दुनिया पर निरंकुश भावना पर अंकुश लगाने भगवान महावीर के सिद्धांत प्रासंगिक हैं। महावीर के सिद्धांत प्राणीमात्र के लिए हितकारी हैं।आज हम त्याग, सेवा, परोपकार के मार्ग पर चलने के बजाय अपने-अपने स्वार्थों को पूरा करने में लिप्त हो गये हैं। वर्तमान में नई पीढ़ी को अच्छे संस्कार देने के स्थान पर उन्हें गुमराह किया जा रहा है, नई पीढ़ी भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से विमुख होकर पाश्चात्य संस्कृति का अनुकरण कर रही है। समाज का नेतृत्व करने बाले ही पतन के मार्ग चलने लगे तो नई पीढ़ी को कैसा आदर्श मिलेगा। क्रांतिकारी जैन संत समाधिस्थ मुनि तरुण सागर जी महाराज ने कड़वे प्रवचन करते हुए कहा था भगवान महावीर को जैन मंदिर की चार दीवारी से बाहर निकाल कर नगर के मुख्य चौराहे पर लाना होगा, तभी जनमानस भगवान महावीर जीवन दर्शन को समझ सकेगा।

दुनिया में सुख शांति की स्थापना करने के लिये हमें हर कीमत पर भगवान महावीर के बताये मार्ग पर चलना होगा। तभी भारत की प्राचीन संस्कृति और विरासत की रक्षा होगी। भारत ने कभी हिंसा में विश्वास नहीं किया। हमारा विश्वास भगवान महावीर के सिद्धांतों पर चलकर दूसरों की जान लेकर जीने में नहीं वरन अपनी जान की बाजी लगाकर दूसरों की रक्षा करने में है। अलगाव वाद,साम्राज्यवाद, तानाशाही से विश्व मुक्त हो इस हेतु भगवान महावीर द्वारा बताये मार्ग का अनुशरण करने में ही हम सबका कल्याण होगा। भगवान महावीर का जन्मोत्सव एवं निवाणोत्सव मनाकर हम आज औपचारिकता ही कर रहे हैं। आवश्यकता है उनके द्वारा बताये मार्ग पर चलने की।

भगवान महावीर के उपदेश को जैन धर्म की मेरी भावना नामक सुप्रसिद्ध विनती की निम्न पंक्तियां सार्थक करती हैं:-

मैत्री भाव जगत में मेरा सब जीवों से नित्य रहे,
दीन दुखी जीवों पर मेरे उर से करुणा स्त्रोत वहें।

(लेखक स्थायी अधिमान्य स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय संरक्षक है)

बीमा सुरक्षा का माध्यम बने, न कि मुनाफे का जाल

ललित गर्ग

विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, हजारों करोड़ रुपये के बीमा दावे हर वर्ष खारिज कर दिए जाते हैं। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि बीमा प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। अक्सर देखा गया है कि पॉलिसी लेते समय ग्राहकों को शर्तों की पूरी जानकारी नहीं दी जाती। जटिल भाषा में लिखे गए नियम और शर्तें आम व्यक्ति की समझ से बाहर होती हैं। परिणामस्वरूप, जब दावा प्रस्तुत किया जाता है, तो उन्हीं शर्तों को आधार बनाकर भुगतान रोक दिया जाता है। इस समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू निजी अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच संभावित गठजोड़ भी है।

बीमा का मूल उद्देश्य जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षा प्रदान करना है। यह व्यवस्था व्यक्ति को बीमारी, दुर्घटना या अन्य संकटों के समय आर्थिक सहारा देती है। परंतु आज के दौर में यह व्यवस्था अपने मूल उद्देश्य से भटकती हुई दिखाई दे रही है। विशेषकर स्वास्थ्य बीमा के क्षेत्र में जो जटिलताएं, अपारदर्शिता और मनमानी देखने को मिल रही है, उसने आमजन के विश्वास को गहरी चोट पहुंचाई है। बीमा, जो सुरक्षा का माध्यम होना चाहिए था, वह कई बार शोषण का उपकरण बनता जा रहा है। वर्तमान समय में चिकित्सा सेवाओं की लागत अत्यधिक बढ़ चुकी है। निजी अस्पतालों में इलाज का खर्च लाखों में पहुंच जाता है। सरकार के द्वारा रियायती मूल्यों पर उपलब्ध कराई भूमि पर बने अस्पताल आज गरीबों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसे में स्वास्थ्य बीमा एक आवश्यक सुरक्षा कवच के रूप में उभरता है। बीमा कंपनियां भी इसी भय और भविष्य की अनिश्चितता का उपयोग कर लोगों को पॉलिसी खरीदने के लिए प्रेरित करती हैं। लेकिन वास्तविक समस्या तब सामने आती है जब बीमा धारक को उसकी जरूरत होती है। दावों के निपटान के समय कंपनियां अनेक तकनीकी कारणों, शर्तों और अपवादों का हवाला देकर भुगतान से बचने का प्रयास करती हैं।

विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, हजारों करोड़ रुपये के बीमा दावे हर वर्ष खारिज कर दिए जाते हैं। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि बीमा प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। अक्सर देखा गया है कि पॉलिसी लेते समय ग्राहकों को शर्तों की पूरी जानकारी नहीं दी जाती। जटिल भाषा में लिखे गए नियम और शर्तें आम व्यक्ति की समझ से बाहर होती हैं। परिणामस्वरूप, जब दावा प्रस्तुत किया जाता है, तो उन्हीं शर्तों को आधार बनाकर भुगतान से बचने का प्रयास करती हैं। यह स्थिति विशेष रूप से मध्यम और निम्न वर्ग के लोगों के लिए अत्यंत पीड़ादायक होती है। कई बार तो ऐसी घटनाएं भी सामने आती हैं, जहां अस्पताल बकाया राशि के कारण मरीज के शव को तक रोक लेते हैं, जो मानवीय संवेदनाओं के विरुद्ध है।

यदि हम विकसित देशों की तुलना करें, तो वहां बीमा प्रणाली अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी है। दावों का निपटान समयबद्ध और न्यायसंगत तरीके से किया जाता है। भारत में भी भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) जैसे नियामक संस्थान मौजूद हैं, जिनका उद्देश्य बीमा क्षेत्र को नियंत्रित और संतुलित करना है।

लेकिन व्यावहारिक स्तर पर इनकी प्रभावशीलता पर प्रश्न उठते रहे हैं। नियामक तंत्र की निष्क्रियता या सीमित हस्तक्षेप के कारण बीमा कंपनियों की मनमानी पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। इस स्थिति में सुधार के लिए सबसे पहले बीमा प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाना आवश्यक है। पॉलिसी दस्तावेजों को आम भाषा में प्रस्तुत किया जाना चाहिए ताकि एक सामान्य व्यक्ति भी उसकी शर्तों को समझ सके। इसके साथ ही, बीमा एजेंटों की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए कि वे ग्राहकों को पूरी और सही जानकारी दें। गलत जानकारी देकर पॉलिसी बेचने पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

दूसरा महत्वपूर्ण कदम है-दावा निपटान प्रक्रिया का सरलीकरण। बीमा दावों के लिए एक मानकीकृत और समयबद्ध प्रक्रिया लागू की जानी चाहिए। यदि कोई दावा खारिज किया जाता है, तो उसके स्पष्ट और उचित कारण बताए जाएं। इसके लिए एक स्वतंत्र अपीलीय तंत्र भी होना चाहिए, जहां उपभोक्ता अपनी शिकायत दर्ज कर सके और उसे त्वरित न्याय मिल सके। तीसरा, अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच पारदर्शिता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। उपचार की लागत को नियंत्रित करने के लिए एक मानक दर प्रणाली लागू की जा सकती है। इससे अनावश्यक बिलिंग और वित्तीय शोषण पर रोक लगेगी। साथ ही, कैशलेस उपचार की सुविधा को अधिक प्रभावी और व्यापक बनाया जाना चाहिए ताकि मरीज को तत्काल आर्थिक राहत मिल सके। चौथा, सरकार को इस क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। एक राष्ट्रीय स्तर की निगरानी प्रणाली स्थापित की जानी चाहिए, जो बीमा कंपनियों और अस्पतालों की गतिविधियों पर नजर रखे। समय-समय पर ऑडिट और जांच के माध्यम से अनियमितताओं को उजागर किया जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पांचवां, बीमा साक्षरता को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को बीमा की शर्तों, अधिकारों और प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए। विशेष रूप से गरीब और अशिक्षित वर्ग के लिए सरल मार्गदर्शिका और सहायता केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए। निश्चित तौर पर बीमा व्यवसाय को केवल लाभ कमाने का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में देखा जाना चाहिए। जब तक इस क्षेत्र में नैतिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित नहीं होगी, तब तक आमजन का विश्वास बहाल नहीं हो सकता। आज आवश्यकता इस बात की है कि बीमा प्रणाली को पुनर्गठित कर उसे जनहितकारी बनाया जाए। सरल प्रक्रियाएं, स्पष्ट नियम, सशक्त नियामक तंत्र और जागरूक उपभोक्ता-ये चार स्तंभ ही बीमा क्षेत्र को उसकी वास्तविक दिशा में ले जा सकते हैं। यदि समय रहते इन सुधारों को लागू नहीं किया गया, तो बीमा का यह महत्वपूर्ण साधन आम आदमी के लिए सुरक्षा के बजाय संकट का कारण बना रहेगा।

चिकित्सा और बीमा-दोनों ही ऐसे क्षेत्र हैं जो मूलतः मानव जीवन की सुरक्षा, राहत और सेवा से जुड़े हुए माने जाते हैं, लेकिन विडंबना यह है कि आज ये दोनों क्षेत्र आमजन के लिए सबसे अधिक जटिल, महंगे और अविश्वसनीय होते जा रहे हैं। एक ओर रियायती जमीन पर बने निजी अस्पताल गरीबों को मुफ्त इलाज देने के अपने दायित्व से बचते नजर आते हैं, वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य बीमा के नाम पर बीमा कंपनियां ऐसी शर्तें और प्रक्रियाएं थोप देती हैं कि जरूरत के समय मरीज को बीमा का लाभ मिलना कठिन हो जाता है। यह स्थिति केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि संवेदनहीन व्यवस्था का प्रतीक बनती जा रही है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिल्ली के रियायती जमीन पर बने अस्पतालों को नोटिस जारी करना केवल एक प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, बल्कि व्यवस्था को आईना दिखाने जैसा है। जब अस्पताल रियायती जमीन लेते समय गरीबों के इलाज का वायदा करते हैं, तो वह केवल कागजी औपचारिकता नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्व होता है। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि लाभ तो निजी अस्पताल उठा रहे हैं और दायित्व निभाने से बच रहे हैं। यही स्थिति बीमा क्षेत्र में भी दिखाई देती है, जहां पॉलिसी बेचते समय बड़े-बड़े वायदे किए जाते हैं, लेकिन क्लेम के समय छोटी-छोटी तकनीकी वजहों से दावे खारिज कर दिए जाते हैं।

आम आदमी सालों तक प्रीमियम भरता रहता है, लेकिन जरूरत के समय उसे राहत नहीं मिलती। इस स्थिति में सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता एक सकारात्मक संकेत है। जिस प्रकार अदालत ने अस्पतालों से जवाब मांगा है, उसी प्रकार बीमा कंपनियों की कार्यप्रणाली पर भी सख्त निगरानी और स्पष्ट नियम बनने चाहिए, ताकि बीमा वास्तव में सुरक्षा का माध्यम बने, न कि मुनाफे का जाल। सरकारों की जिम्मेदारी केवल नीतियां बनाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उनके क्रियान्वयन की सख्त निगरानी भी होनी चाहिए। यदि रियायती जमीन लेने वाले अस्पताल गरीबों का मुफ्त इलाज नहीं करते तो उनसे जमीन का बाजार मूल्य वसूला जाना चाहिए या उनकी मान्यता पर पुनर्विचार होना चाहिए। इसी तरह बीमा कंपनियों को भी क्लेम प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनानी चाहिए। स्वास्थ्य और बीमा दोनों ही आम आदमी की जीवन सुरक्षा से जुड़े विषय हैं, इसलिए इनमें मुनाफाखोरी की मानसिकता पर नियंत्रण आवश्यक है। यदि सरकार, न्यायपालिका और नियामक संस्थाएं मिलकर सख्ती और पारदर्शिता सुनिश्चित करें, तो चिकित्सा और बीमा दोनों क्षेत्रों में आमजन का विश्वास फिर से स्थापित हो सकता है। अन्यथा सेवा के ये क्षेत्र केवल व्यवसाय बनकर रह जाएंगे और गरीब आदमी इलाज और बीमा दोनों के बीच पिसता रहेगा।

(खक, पत्रकार, स्तंभकार)

पर्स है फैशन का एक हिस्सा

यदि आप डॉक्टर, प्रोफेसर, उच्च अधिकारी हैं, तो हल्के कलर वाले सौम्य, सुंदर पर्स खरीदना चाहिए। यदि आप कॉलेज में पढ़ती हैं, तो तड़क-भड़क और तेज कलर वाले पर्स खरीदे जा सकते हैं। यदि आप दुल्हन बन रही हैं या नवविवाहिता हैं तो लाल रंग का पर्स आपके साथ फबेगा।

पर्स, आधुनिक नारी की एक अनिवार्यता है। स्कूल, कॉलेज में पढ़ने वाली बालाएँ हों अथवा कामकाजी महिलाएँ, अथवा सामान्य गृहिणियाँ, सभी के लिए उपयोगी होते हैं ये पर्स और इस उपयोगी वस्तु को ढंग से 'कैरी' किया जाए तो यह व्यक्तित्व को आकर्षक भी बनाता है।

पर्स के रंग का चयन बहुत मायने रखता है। यदि आप डॉक्टर, प्रोफेसर, उच्च अधिकारी हैं, तो हल्के कलर वाले सौम्य, सुंदर पर्स खरीदना चाहिए। यदि आप कॉलेज में पढ़ती हैं, तो तड़क-भड़क और तेज कलर वाले पर्स खरीदे जा सकते हैं। यदि आप दुल्हन बन रही हैं या नवविवाहिता हैं तो लाल रंग का पर्स आपके साथ फबेगा। उम्र के हिसाब से भी पर्स का रंग मेल खाना चाहिए। अधिक उम्र की महिलाओं को हल्के रंग वाला पर्स खरीदना चाहिए।

यदि आपके पास एक से अधिक पर्स हैं तो आप पोशाकों के मान से उनका चयन कर सकती हैं। पोशाकों से मेल खाते रंग के पर्स से व्यक्तित्व में निखार आता है। वैसे काले, भूरे, बैंगनी आदि रंग हर पोशाक के साथ चल सकते हैं।

पर्स में क्षमता से ज्यादा चीजें न ठूसें। अन्यथा वह भद्दा लगेगा और कटने-फटने की आशंका भी रहेगी। यदि आपको हमेशा ही ज्यादा सामग्री साथ रखकर चलना होता है तो बेहतर होगा कि बड़े पर्स का इस्तेमाल करें।

पर्स का चयन अवसर विशेष को ध्यान में रखकर भी करना चाहिए। शादी की पार्टी, जन्मदिन आदि अवसरों पर खूबसूरत, आकर्षक व कीमती पर्स ले जाए जा सकते हैं। 'पार्टी पर्स' आप पार्टी के लिए अलग ही रख सकती हैं। जबकि बाजार में सामान्य खरीददारी करते समय, स्कूल, कॉलेज या दफ्तर जाते समय सामान्य किस्म के पर्सों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

कामकाजी महिलाओं को चूँकि छः-आठ घंटे दफ्तर में गुजारने होते हैं, अतः इस अवधि में उन्हें कई वस्तुओं की जरूरत पड़ सकती है। अतः उन्हें आकार में बड़ा पर्स लेना चाहिए। जिसमें सामान रखने की पर्याप्त जगह हो। आमतौर पर कामकाजी महिलाएँ अपने पर्स में पैसों के अतिरिक्त काँच, कँघा, लिपिस्टिक, चाबी का गुच्छा, रूमाल, पाउडर, सेफ्टीपिन, पेन, जरूरी कागजात, टेलीफोन, बिजली के बिल आदि रखती हैं। इन सबको व्यवस्थित रखने के लिए उसमें व्यवस्था होनी चाहिए। आजकल ऐसे पर्स भी बाजार में मिलते हैं जिनमें सेल्यूलर फोन रखने के लिए एक खाना विशेष तौर पर बना होता है।

पर्स कई तरह के आते हैं। जैसे लटकाने वाले, हाथ में रखने वाले आदि। इसी प्रकार कुछ रेक्जीन से बने होते हैं, तो कुछ चमड़े से। रेक्जीन में भी कई क्वालिटी आती है। सस्ते रेक्जीन के पर्स जल्दी कट-फट जाते हैं और मुलायम रेक्जीन के पर्स टिकाऊ होते हैं। चमड़े के पर्स काफी मजबूत होते हैं। जिन्हें अपने पर्स का रोजाना इस्तेमाल करना होता है, उन्हें मजबूत पर्स लेना चाहिए।

लटकाने वाले पर्स के बेल्ट मजबूत होने चाहिए ताकि कँधे पर लटका पर्स न गिरे। पर्स में ज्यादा भारी सामान भरकर लटकाने से भी बेल्ट टूट जाते हैं, अतः इन सब बातों का ध्यान रखना चाहिए। कामकाजी महिलाओं के लिए लटकाने वाला पर्स ही ठीक रहता है।

बहुत-सी महिलाएँ अपने पर्स में ऊन के बड़े-बड़े गोले, अधबुना स्वेटर आदि रखती है, जो कि ठीक नहीं है। पर्स में इतनी क्षमता नहीं होती। पर्स में पसीने एवं धूल आदि लगने से वे गंदे भी हो जाते हैं, अतः उनकी सफाई पर ध्यान देना चाहिए। रेक्जीन के पर्स को साबुन पानी के घोल से साफ किया जा सकता है, लेकिन चमड़े के पर्स पर भूलकर भी पानी नहीं लगने दें, अन्यथा वह किसी काम का नहीं रहेगा।

अपने पर्स में अपने नाम, पते एवं टेलीफोन नंबर की एक पर्ची अवश्य रखिए ताकि पर्स कहीं खो जाने पर यदि वह किसी ईमानदार व्यक्ति के हाथ लग जाए तो वह आप तक पहुँचा सके।

स्ट्रॉबेरी आइस्क्रीम

सामग्री: 1 बेसिक आइस्क्रीम, आधा टीस्पून स्ट्रॉबेरी, 1/4 टीस्पून रसबेरी रेड कलर।

विधि: बेसिक आइस्क्रीम के टुकड़े करके अच्छी तरह फेंटें। फिर इसमें स्ट्रॉबेरी और रसबेरी रेड मिलाकर 15 मिनट तक अच्छी तरह से फेंटें। फ्रीजर में जमने के लिए रख दें। सर्व करते समय जेम्स और चोको चिप्स से सजाकर सर्व करें।

ठंडई

सामग्री: 100 ग्राम गुलकंद, आधा टीस्पून साबुत काली मिर्च, 10 हरी इलायची, 2 टेबलस्पून सौंफ, आधा कप शक्कर, 1/4 कप बादाम, 3-4 कप ठंडा पानी, 1 कप ठंडा दूध और बर्फ।

विधि: उपरोक्त सभी सूखे मसालों को मिक्सर में अच्छी तरह से पीसकर पाउडर बना लें। अब इसमें गुलकंद डालकर एक बार फिर पीस लें। 2-3 कप ठंडा पानी और एक कप दूध मिलाकर फिर से ब्लेंड कर लें। 3-4 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। बर्फ का चूरा मिलाकर ठंडा-ठंडा सर्व करें।

आर्कषक एवं फैशनेबल हेयर स्टाइल

सबसे नई स्टाइल %लेयर्स कट% है, जो स्ट्रेट हेयर बालों पर बहुत ही फबती है। ज्यॉमीट्रिकल हेयर कट्स आपको मॉड लुक देते हैं। यदि आप अपनी हेयर स्टाइल ऐसी चाहती हैं, जिससे कि आपकी गरदन कुछ लंबी दिखाई दे तो अपने बालों को स्टेप कट में कटवाएँ।

काली घटा सी जुल्फों के बीच से जो चाँद सा चेहरा मुस्कुराया तो न जाने कितने दिल उलझ गए गेसुओं में। रेशमी जुल्फों का जादू ऐसा ही होता है, तभी तो जुल्फों की साज-संभाल की जाती है। पर कभी इन्हें सजाने-सँवारने का सही तरीका मालूम नहीं होता, इसलिए कुछ कमी रह जाती है।

हम आपको कुछ मॉडर्न हेयर स्टाइल यानी ऐसे हेयर कट्स जो फैशन में भी हों और आप पर अच्छे भी लगें के बारे में बताएँगे यही तो है आज की माँग व हर किसी की चाहत। ऐसी हेयर स्टाइल जो मैनेज की जा सके और आपके प्रोफेशन के अनुरूप भी हो।

महिलाएँ स्त्रियोचित व खूबसूरत लुक देने वाली हेयर कट पसंद करती हैं। इनमें सबसे नई स्टाइल 'लेयर्स कट' है, जो स्ट्रेट हेयर बालों पर बहुत ही फबती है। ज्यॉमीट्रिकल हेयर कट्स आपको मॉड लुक देते हैं। यदि आप अपनी हेयर स्टाइल ऐसी चाहती हैं, जिससे कि आपकी गरदन कुछ लंबी दिखाई दे तो पहले अपने बालों को चेहरे से हटाइए। अपने बालों को स्टेप्स में कटवाइए।

यदि बाल कुछ लंबे हैं तो इन्हें इतना कटवाइए कि यह कंधे से थोड़े नीचे आएँ या कॉलरबोन तक आएँ। ये आपको स्मार्ट लुक देंगे और ऐसे बाल आपके चेहरे पर आसानी से हटे रहेंगे। ज्यादा लंबे बाल लंबे चेहरे वाली स्त्रियों पर अच्छे नहीं लगते, क्योंकि ऐसे बाल आपके चेहरे पर दोनों तरह बिखरते हैं।

इससे आपका चेहरा और भरा एवं लंबा दिखाई देगा। ज्यादा छोटे बाल भी नहीं होने चाहिए। पीछे से बाल कुछ बड़े होने चाहिए, ताकि यह चेहरे के संतुलन को बनाए रखें और सौम्यता को बढ़ाए।

यदि आप अपने बालों की पोनी बनाना चाहें तो पोनी को सिर पर ज्यादा ऊँचाई पर नहीं बाँधे, उसे थोड़ा नीचे बनाएँगी तो यह आपको स्मार्ट लुक देगी। इससे आपके चेहरे की गोलाई भी दिखाई देगी। बालों का एक खास टेक्सचर और नेचर होता है उसी को ध्यान में रखकर आपको हेयर कट दिया जाता है। अपनी हेयर स्टाइल के लिए आप हेयर डिजाइनर की सलाह लीजिए।

आजकल हेयर कलरिंग का बहुत चलन है, लेकिन ध्यान रहे हर उम्र, हर प्रोफेशन पर सभी रंग नहीं फबते, इसलिए हेयर कलरिंग के समय रंग का चुनाव सावधानी से करें। अपने चश्मे के फ्रेम को भी ध्यान में रखकर हेयर स्टाइल का चुनाव करें। ये सब कोशिशें इसलिए होती हैं कि ऐसी आकर्षक हेयर स्टाइल बनाई जा सके कि लोगों की नजर आप पर थम जाए।

बच्चो के प्रति प्रेम

- बच्चे को प्रश्न पूचने की पूरी छूट दें। प्रश्नों का उत्तर प्यार से और सही दें।
- अपने बेटे/बिटिया को काम करने के लिए प्रोत्साहित करें। काम करने पर उन्हें शाबासी दें। यदि उनसे कुछ गलत हो गया है, तो सही कैसे होगा, सिखाएं।
- प्यार और गुस्सा करने में अपना संतुलन बनाए रखें।
- बच्चे के प्रति प्रेम और लगाव को समय-समय पर प्रदर्शित करते रहें।
- अत्यधिक अपेक्षाएं रखना, अपनी महत्वाकांक्षा बच्चों पर थोपना गलत है।
- बच्चे को कुछ हद तक स्वतंत्र रूप से छोड़ें। इससे उसमें आत्मविश्वास उत्पन्न होगा।
- बच्चे के सामने झूठ बोलने की कोशिश न करें।
- गलती पर डाँटें और अच्छे व्यवहार के लिए उपहार दें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

बुद्धि व धन का दुरूपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-3-5

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-3-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-5-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-4-8-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-8-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। स्वविवेक से कार्य करे। शुभांक-1-2-7

धनु — ये यो मा मी मू था फा ढा भे

घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। शुभांक-1-4-8

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-6-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-5-7-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। यात्रा सुखद रहेगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 3843

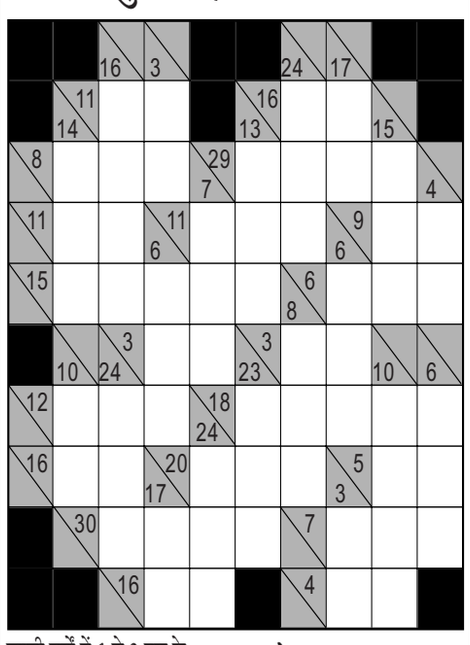

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

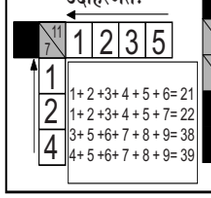

काकुरो - 3842 का हल

3	24		30	11		10	3	
9 1	8	8	6	2	4	3	1	
11 2	9	16 23	7	9	6 24	4	2	
24	7	8	9	8	7	1	10	
	14 10	6	8	13 23	8	2	3	4
11 3	2	9	17 10	8	9	3	2	1
4	1	3	9	3	6	4 24	1	3
6	2	4	10 3	1	9	11 16	7	4
	7	1	2	4	17	9	8	
		3	1	2	16	7	9	

हंसी के फव्वारें

एक कंजूस अपने खेत में जा रहा था. अचानक उसे कांटा चुभ गया. वह बड़ी बहादुरी से कांटा निकालते हुए बोला, 'ईश्वर तेरा लाख-लाख धन्यवाद है कि मैं जूते पहनकर नहीं आया वरना मेरे अच्छे जूते में सूराख हो जाता.'

□ □ □

एक किरायेदार ने मकान मालिक से शिकायत की कि'जनाब ये आपका मकान कैसा है ? दिन-रात चूहों की भागदौड़ देखने को मिलती है.'

मकान मालिक ने कहा-'तो क्या आप दस रुपये में घुड़दौड़ देखना चाहते हैं ?'

□ □ □

मालकिन: कितनी बार कहा है कि सुबह छह बजे दूध दिया करो.

दूधवाला: हम छह बजे दूध नहीं ला सकते. छह बजे नल में पानी भी नहीं आता.

□ □ □

एक साहब को खाने के बाद उंगलियां चाटने की आदत थी. एक बार एक दावत में उन्होंने उंगलियां चाटनी शुरू कर दीं, बाजू वाले साहब ने भी अपना हाथ आगे करके कहा-जरा इसे भी साफ कर दो.

□ □ □

जज जेबकतरे से-अच्छा बताओ तुमने भलाई का कोई काम किया ?

जेबकतरे ने जवाब दिया-सर, हमीं लोगों के कारण पुलिस विभाग और अदालत में हजारों लोगों को राजी-रोटी का सहारा मिला है.

फिल्म वर्ग पहेली- 3843

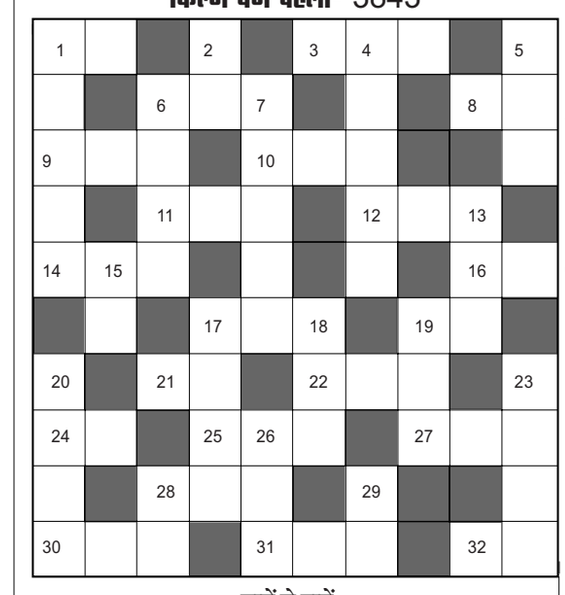

बायें से दायें:-

१. 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
३. 'ये प्यार यार क्या है' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ सजना बरखा बहार आई' गीत किस फिल्म का है?-३
८. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
९. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१०. अक्षय, करीना की 'तुने कहा जबसे हाँ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'रूठे सैंया हमारे सैंया' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१२. रणधीर कपूर, रेखा की फिल्म-३
१४. 'तेरी गलियों में ना रखेंगे कदम' गीत किस फिल्म का है?-३
१६. बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
१७. 'पल्लो लटके' गीत वाली फिल्म-३
१९. दिलीपकुमार, निम्मी की 'दिल में छुपाके' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'जो भी कसमें' गीत वाली डीनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-२
२२. धर्मेन्द्र, हेमा की 'राजा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२
२५. राजकुमार, प्रिया राजवंश की फिल्म-३
२७. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, खीना की फिल्म-३
२८. राहुल, दीपक, पूजा भट्ट की 'मेरे दिल का पता' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'जिंदगी आ रहा' गीत वाली की फिल्म-३
३१. विनोद, डैनी, मौसमी की 'संसार है एक नदिया' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तू मेरे सामने' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, श्रीदेवी की 'मैं तुझे कबूल' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'जीवन चलने का नाम' गीत वाली मनोज, जया की फिल्म-२
४. फिल्म 'आनंद' में आनंद की शीर्षक भूमिका किसने की थी?-३,२
५. शशिकपूर, शबाना की 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली फिल्म-३
६. अमरीशपुरी पर फिल्माये 'ये दुनिया एक दुल्हन' गीत वाली फिल्म-४
७. 'मंदिर में ना मस्जिद' गीत वाली फिल्म-५
१३. धर्मेन्द्र, वहीदा, जया की 'कब माने हो दिल के दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'हम जब सिमट' गीत वाली शशि, साधना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१७. देवानंद, गीत बाली की 'ठंडी हवाएं लहरा के आएं' गीत वाली फिल्म-४
१८. नायक के रूप में अनिल कपूर की पहली फिल्म-३
१९. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
२०. मनोजकुमार, नंदा की 'काले हैं तो क्या हुआ' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली फिल्म-४
२६. सर्वश्रेष्ठ फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त एक हिंदी फिल्म-३
२८. सनी, तब्बू, रीमा सेन की 'जो प्यार तुमने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'खोया है तूने' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3842

रे	ड		बॉ	बी		श	र	र	त
टी		अ	क्स		फ	र	ज		ला
	कु	द	र	त		बी		जो	श
आ		ना		म	र्द		ज	ग	
द	म	न		न्ना			जी	न	त
मी		सा	थी		म	द	र		ह
	वि	मी		अ	वा	म		शृ	ल
ही	रा		रू	दा	ली		जै		का
	स	नी		ल		फ	की	रा	
जी	त		सौ	त	न			जा	ल

सूडोकु -3843

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3842 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 3843

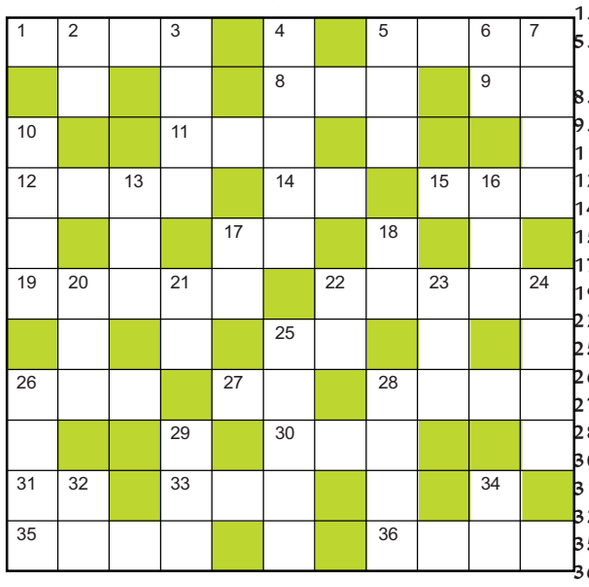

बाएँ से दाएँ

1. धरोहर,थाती-4
5. अकबर के नवरत्नों में से एक-4
8. गुणगान-3
9. प्रेम (अंग्रेजी-2)
11. भरोसा,विश्वास-3
12. दुःख,परेशानी,कष्ट-4
14. हिंदू कैलेंडर में एक माह-2
15. गागर,घड़ा-3
17. जांघ-2
19. असावधान-5
22. करतूत,होशियारी-5
25. डूबा हुआ,समाप्त-2
26. तीक्ष्ण,तेज-3
27. अधर्म,अपकृत्य-2
28. मनमौजी,चंचल-4
30. हत्या,वध-3
31. पंख-2
33. मायका-3
35. व्यापार,व्यवसाय (उर्दू-4)
36. कृपा,रहम (उर्दू-4)

ऊपर से नीचे

2. फूलों का हार-2
3. वेश्या, कोठे पर नाचनेवाली-4
4. शांति,सुख-चैन-3,2
5. अस्वस्थ,मरीज-3
6. दम,ताकत-2
7. भगवान राम के पुत्र-2,2
10. उन्मत,मदमस्त-4
13. दिलीप कुमार व वैजयंती माला की फिल्म (3)
16. बोलने का तरीका-3
17. रास्ता-2
18. पराया-2
20. परीक्षा-3
21. वचन-2
22. खेती-2
23. अभिमान-3
24. फिल्म 'मैंने प्यार किया' मैं सलमान खान की मां-2,2
25. बलपूर्वक उठा ले जाना-5
26. ईश्वर,राजा-4
28. मन को अच्छा लगने वाला-4
29. शाप से पीड़ित-3
32. अवकाश,मंजूरी-2
34. संध्या-2

शब्द पहेली -3842 का हल

	रा	ज	कु	मा	र		म	नो	ह	र
दो	र		ली		ख	न	न		र	वा
ल		जा	न	व	र		न	ल		य
त	न	य			खा	र		की	म	त
खा		दा		ना	व		ड		दा	
ना	र	द	मु	नी		प	र	व	री	श
	स्ता		ख		स	द		र्ध		क
भ	र	ना		स	भा			मा	हि	र
या		का	का		भ	हा	प	न		कं
न	न		त	ना	व		ह		दा	द
क	म	जो	र		न	ग	र	वा	सी	

ड्राई फ्रूट्स और दवाइयां महंगी, रेडी-टू-ईट फूड की मांग बढ़ी

– पिस्ता, आलूबुखारा, अंजीर और ममरा बादाम की कीमतें 30–40 फीसदी तक बढ़ी

नई दिल्ली ।

दिल्ली की खारी बावली मंडी में ड्राई फ्रूट्स और जड़ी-बूटियों की कीमतों में 20 फीसदी से 50 फीसदी तक उछाल आया है। व्यापारियों के अनुसार, काजू को छोड़कर ज्यादातर ड्राई फ्रूट्स मिडल ईस्ट, खासकर ईरान से आते हैं, जिसकी सप्लाई अब रुक गई है। पिस्ता, आलूबुखारा, अंजीर और ममरा बादाम की कीमतें 30-40 फीसदी तक बढ़ गई हैं। त्योहारों पर खजूर की मांग बढ़ने के बावजूद सीमित स्टॉक के कारण इसकी कीमतें भी बढ़ रही हैं। पैरासिटामोल जैसी दवाइयों में इस्तेमाल होने वाले जड़ी-बूटियों और अन्य कच्चे माल की कीमतें 47 फीसदी तक बढ़ गई हैं। खारी बावली के व्यापारी बताते हैं कि दवाइयों में प्रयुक्त जड़ी-बूटियों की सप्लाई भी मिडल ईस्ट संकट के कारण बाधित है। घरों में कुकिंग गैस की कमी और समय की कमी के कारण लोग रेडी-टू-ईट और पैक्ड फूड की ओर बढ़ रहे हैं। अमेज़न इंडिया पर इंस्टेंट नूडल्स, पैकेट बंद मील और स्नैक्स की मांग 15 फीसदी से अधिक बढ़ गई है। यह ट्रेंड सिर्फ मेट्रो शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि सोनीपत और पणजी जैसे टियर-2 शहरों में भी देखा जा रहा है। क्विक-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म अमेज़न नाउ पर मंथ-ऑन-मंथ 20 फीसदी सेल बढ़ी। वहीं दिल्ली के करीब 50,000 स्ट्रीट फूड वेंडर्स में से 20-30 फीसदी गैस की कमी और बढ़ती लागत के कारण बंद होने के कगार पर हैं। 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इज़राइल ने ईरान पर मिलकर हवाई हमले किए, जिनमें कई सैन्य ठिकाने और उच्च अधिकारी मारे गए। इससे स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव बढ़ा, जो भारत का 80-85 फीसदी एलपीजी आयात मार्ग है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एलपीजी आयातक है, और 60 फीसदी से अधिक एलपीजी विदेश से आती है। सरकार ने कहा कि देश में एलपीजी और तेल की कोई कमी नहीं है और लोगों से अफवाहों से बचने की अपील की।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों के मार्केट कैप में 2.82 लाख करोड़ से अधिक गिरावट

- वैश्विक तनाव और तेल की कीमतों ने बढ़ाई बाजार की बेचैनी

मुंबई ।

पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई, जिससे निवेशकों का लगभग 4 लाख करोड़ रुपये डूब गया। विशेषज्ञों का कहना है कि गिरावट के पीछे ईरान-अमेरिका तनाव और कच्चे तेल की ऊंची कीमतें प्रमुख कारण हैं। रुपया भी दबाव में रहा और डॉलर के मुकाबले 94 के स्तर से नीचे गिरकर रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 2.82 लाख करोड़ से अधिक गिरावट रही। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) ने शीर्ष स्थान बनाए रखा। हालांकि, इसके मार्केट वैल्यू में भी गिरावट दर्ज हुई। एचडीएफसी बैंक और टीसीएस ने सबसे ज्यादा नुकसान उठाया। इनके मार्केट कैप में भारी कमी आई, जिससे निवेशकों को बड़े स्तर पर नुकसान हुआ। भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी सभी ने मार्केट कैप में गिरावट दर्ज की। कुल मिलाकर शीर्ष 10 कंपनियों का मार्केट वैल्यू लगभग 2.82 लाख करोड़ रुपये से अधिक घट गया। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक घटनाओं और कच्चे तेल की कीमतों के प्रभाव से भारतीय शेयर बाजार अस्थिर बना हुआ है।

एफपीआई ने मार्च में अब तक भारतीय शेयर बाजार से निकाले 1.14 लाख करोड़

- इस साल अब तक एफपीआई ने कुल 1.27 लाख करोड़ रुपये की निकासी की

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च 2026 में अब तक 1.14 लाख करोड़ रुपये (लगभग 12.3 अरब डॉलर) भारतीय शेयर बाजार से निकाले हैं। यह अब तक की सबसे बड़ी मासिक निकासी है। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार इस साल अब तक एफपीआई ने कुल 1.27 लाख करोड़ रुपये की निकासी की है। 27 मार्च तक शेयरों की बिक्री 1,13,380 करोड़ रुपये रही। मार्च का एक कारोबारी सत्र अभी बचा है, इसलिए निकासी का आंकड़ा और बढ़ सकता है। एफपीआई ने इससे पहले अक्टूबर 2024 में एक महीने में सबसे अधिक 94,017 करोड़ रुपये की निकासी की थी। फरवरी 2026 में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 22,615 करोड़ रुपये का निवेश किया था, जो पिछले 17 महीनों का उच्चतम निवेश था। विशेषज्ञों के अनुसार इस बार की बिकवाली के पीछे कई कारक हैं। बाजार के विशेषज्ञों के अनुसार, पश्चिम एशिया में संघर्ष, रुपये की लगातार गिरावट, खाड़ी क्षेत्र से रेमिटेंस में कमी की आशंका और कच्चे तेल की ऊंची कीमतें भारत की आर्थिक वृद्धि और कंपनियों के लाभ पर दबाव डाल रही हैं। मेरिका में उच्च बॉन्ड प्रतिफल और वैश्विक स्तर पर कड़ी तरलता ने एफपीआई को विकसित बाजारों की ओर आकर्षित किया है। शेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनाव के चलते एफपीआई बिकवाल बने हुए हैं। अगर यह प्रवृत्ति जारी रही, तो भारतीय शेयर बाजार पर दबाव और बढ़ सकता है। निवेशकों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है।

ईरान युद्ध और घरेलू आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

– वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले कुछ सप्ताह से जारी गिरावट के बीच आने वाले सप्ताह में एक बार फिर निवेशकों की नजर ईरान युद्ध की स्थिति पर रहेगी। इसके अलावा इस सप्ताह में कुछ प्रमुख आंकड़े भी आने वाले हैं। सोमवार 30 मार्च को फरवरी के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े जारी होने हैं। पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद की तस्वीर बताने वाला मार्च का पहला वृहत आंकड़ा विनिर्माण पीएमआई का होगा जो 2 अप्रैल को जारी होगा। वाहनों की बिक्री के कंपनियों के अलग-अलग आंकड़े भी 1 और 2 अप्रैल को जारी किये जायेंगे। इन सभी कारकों का असर शेयर बाजारों पर दिखेगा। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी रहा। पश्चिम एशिया में ईरान युद्ध के बढ़ते तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इस सप्ताह में निवेशकों की निगाहें ईरान संकट पर रहेंगी। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। बीएसई का सेंसेक्स सप्ताह के अंत में 73,583.22 अंक पर बंद हुआ, जो 949.74 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 22,819.60 अंक पर बंद हुआ, जो 294.90 अंक या 1.27 प्रतिशत कम है। मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों पर भी दबाव

देखा गया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.13 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.63 प्रतिशत घटा। सेंसेक्स की 30 प्रमुख कंपनियों में से 20 के शेयरों में साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई। सबसे अधिक गिरावट बीईएल के शेयर में रही, जो 5 प्रतिशत तक लुढ़क गया। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज 4.69 फीसदी, ट्रेंट 4.64 फीसदी, भारतीय स्टेट बैंक 3.62 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 3.10 फीसदी और टाइटन 3.09 प्रतिशत टूटे। हालांकि, कुछ कंपनियों ने मजबूती दिखाई। एलएंडटी के शेयर में 3.82 प्रतिशत की बढ़त रही। इसके अलावा एचसीएल टेक्नोलॉजीज 2.22 फीसदी, बजाज फाइनेंस 1.68 फीसदी, इंफोसिस 1.23 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.14 फीसदी और सनफार्मा 1.02 प्रतिशत ऊपर बंद हुए।

सीएमएस ने एफएसएस के एटीएम प्रबंधन कारोबार का 115 करोड़ में अधिग्रहण किया

मुंबई ।

सीएमएस इन्फो सिस्टम्स ने फाइनेंशियल सॉफ्टवेयर एंड सिस्टम्स (एफएसएस) के प्रबंधित सेवाओं के कारोबार का अधिग्रहण 115 करोड़ में करने की घोषणा की है। इस सौदे में एफएसएस की परिचालन परिसंपत्तियों और ग्राहक अनुबंधों का हस्तांतरण शामिल है। कंपनी का कहना है कि यह अधिग्रहण 2026-27 की पहली तिमाही तक पूरा होने की उम्मीद है। एफएसएस के 8,000 एटीएम जुड़ने के बाद सीएमएस के एटीएम पोर्टफोलियो की संख्या 39,000 हो जाएगी। यह कदम कंपनी को एंड-टू-एंड एटीएम प्रबंधन सेवाओं में अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद करेगा। इसके साथ ही नए निजी क्षेत्र के बैंक भी कंपनी के ग्राहक बनेंगे, जिससे ग्राहक आधार और व्यापक होगा। सीएमएस के एक कार्यकारी अे धिकारी ने कहा कि प्रबंधित सेवा उद्योग मजबूत हो रहा है और बैंक अब कम संख्या में भरोसेमंद भागीदारों के साथ काम करना पसंद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एफएसएस के ग्राहक वे हैं, जिनके साथ कंपनी अपने संबंध और मजबूत करना चाहती है। इस अधिग्रहण से सीएमएस की बाजार स्थिति, बैंकिंग प्रौद्योगिकी सेवाओं और ग्राहक आधार दोनों ही मजबूत होंगे, जिससे कंपनी को लंबी अवधि में लाभ होगा।

बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहन के दाम में मजबूती, सरसों तेल सोयाबीन से सस्ता

– शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपए की कमजोरी से कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली ।

देश के तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहन के दाम मजबूती के साथ बंद हुए। शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी और विदेशों में तेल की ऊंची कीमतों ने इस तेजी में योगदान किया। हरियाणा में पहली बार सरसों तेल का दाम सोयाबीन तेल से कम रहा (सरसों 148.25 प्रे ति किलो, सोयाबीन 165 रुपए प्रे ति किलो) बिना प्रसंस्करण वाला सरसों तेल सस्ता होने की वजह से इसकी मांग बढ़ी। आवक घटकर 6.75 लाख बोरी रह गई, जिससे दाम मजबूत बने। मूंगफली तेल की कीमत ऊंची होने के कारण स्थिर रही, जबकि बिनौला तेल लगभग 27 रुपए प्रे ति किलो सस्ता होने से उपभोक्ताओं का रुझान बढ़ा। कपास नरमा की आवक 42,000 गांठ रह जाने से भी बिनौला तेल के दाम में सुधार हुआ। सोयाबीन डीगम तेल के अंतरराष्ट्रीय दाम बढ़कर 1,360-65 डालर प्रे ति टन हुए। पाम और पामोलीन तेल के दाम भी मजबूत रहे। विशेषज्ञों का कहना है कि देशी तेल-तिलहन उत्पादन बढ़ाना जरूरी है ताकि आयात पर निर्भरता कम हो और घरेलू बाजार स्थिर रहे। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 75 रुपये के सुधार के साथ 7,025-7,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 225 रुपये के सुधार के साथ 14,825 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश- 30-30 रुपये के सुधार के साथ क्रमश- 2,460-2,560 रुपये और 2,460-2,605 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमश- 25-25 रुपये की तेजी के साथ क्रमश- 5,725-5,775 रुपये और 5,325-5,475 रुपये प्रति क्विंटल

पर बंद हुए।

इसी प्रकार, दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 16,450 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,850 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 100 रुपये के सुधार के साथ 13,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।मूंगफली तिलहन का दाम 7,250-7,725 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,550 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,770-3,070 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में कारोबारी धारणा में आम मजबूती के रुख के अनुरूप, सीपीओ तेल का दाम 25 रुपये के मामूली सुधार के साथ 13,625 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 25 रुपये सुधरकर 15,425 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 25 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 14,375 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। तेजी के आम रुख के अनुरूप, बिनौला तेल का दाम 150 रुपये के सुधार के साथ 14,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

ईरान-यूएस संघर्ष से तेल की कीमतों में उछाल, महंगाई का खतरा बढ़ा

नई दिल्ली ।

ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव ने दुनिया भर में महंगाई के खतरे को बढ़ा दिया है। एक ब्रोकरेज फर्म के अनुसार, अगर संघर्ष जून तक चलता है और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद रहता है, तो कच्चे तेल की कीमतें 200 डॉलर प्रति बैरल तक पहुँच सकती हैं, जिसकी संभावना 40 फीसदी है। दूसरी ओर, कंपनी ने 60 फीसदी आशावादी संभावना भी जताई है, जिसमें संघर्ष जल्द ही कम हो सकता है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के प्रमुख तेल मार्गों में से एक है, और ईरान द्वारा इसका नियंत्रण तेल आपूर्ति को प्रभावित कर रहा है। 27 मार्च को दो चीनी जहाजों को मार्ग से रोकने के बाद ब्रेंट क्रूड 111.06 डॉलर और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई 97.01 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। मेरीन ट्रे फिक की रिपोर्ट के अनुसार, यह इस मार्ग को पार करने वाले बड़े कंटेनर जहाजों पर पहला प्रतिबंध है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को इस मार्ग को खोलने के लिए 10 दिन का समय दिया और इस अवधि में ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमले से रोकने का ऐलान किया। ट्रंप के अनुसार, बातचीत सकारात्मक दिशा में चल रही है। अगर संघर्ष जल्दी हल होता है, तो तेल की कीमतों में स्थिरीकरण संभव है और वैश्विक महंगाई पर नियंत्रण आ सकता है।

क्रेडिट कार्ड के नियमों में 1 अप्रैल से होंगे बड़े बदलाव

– बदलावों का मकसद बड़े खर्चों पर निगरानी बढ़ाना

नई दिल्ली

। अब वित्तीय वर्ष में अगर किसी कार्ड से 10 लाख रुपये या उससे अधिक खर्च होता है, तो बैंक इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को इसकी जानकारी दे सकता है। विदेश में किए गए बड़े खर्चों पर भी नजर रहेगी। यदि खर्च आपकी आय के अनुरूप नहीं है, तो नोटिस मिल सकता है। 1 अप्रैल से सभी नए और मौजूदा क्रेडिट कार्ड पेन नंबर से लिंक होंगे।

पेन के बिना कार्ड जारी नहीं होगा। इसका मतलब है कि आपका कार्ड आपकी टैक्स पहचान का हिस्सा बन जाएगा। अगर आप कंपनी कार्ड का निजी खर्च करते हैं, जैसे ट्रैवल या मनोरंजन, तो यह टैक्स योग्य लाभ माना जाएगा। खर्च के सबूत (बिल/इनवॉइस) रखना जरूरी होगा, वरना यह राशि आपके वेतन में जोड़कर टैक्स लगेगा। अब इनकम टैक्स का भुगतान क्रेडिट कार्ड से भी किया जा सकेगा। यह सुविधा तब मददगार है जब तुरंत नकदी उपलब्ध न हो।

हालांकि, प्रोसेसिंग फीस और बिल देर से चुकाने पर ब्याज देना पड़ सकता है।

क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट अब पेन कार्ड के पते के प्रमाण के रूप में स्वीकार होगा। यह नए आवेदन या पते अपडेट करने में आसान बनाता है।

सोने में तेज उतार-चढ़ाव- लंबी अवधि में चमक बरकरार, शॉर्ट टर्म में दबाव

सेंट्रल बैंकों की रिकॉर्ड खरीद से सपोर्ट, लेकिन ऊंची ब्याज दरें और बिकवाली से कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली।

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बीच सोने की कीमतों में इन दिनों भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। एक ओर जहां सेंट्रल बैंक लगातार बड़ी मात्रा में सोना खरीद रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ हालिया गिरावट ने निवेशकों को असमंजस में डाल दिया है। ताजा विश्लेषण के अनुसार, ग्लोबल गोल्ड रिजर्व में सोने की हिस्सेदारी बढ़कर करीब 30 फीसदी तक पहुंच गई है, जो 1991 के बाद का उच्चतम स्तर है। अनुमान है कि इस साल सेंट्रल बैंक लगभग 800 टन सोने की खरीद कर सकते हैं, जो कुल वार्षिक उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा है। यह ट्रेंड लंबे समय में कीमतों को मजबूती देता है। हालांकि, शॉर्ट टर्म में सोने पर दबाव बना हुआ है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम होने से निवेशक सोने से दूरी बना रहे हैं।

रूस ने पेट्रोल निर्यात पर लगाई रोक, भारत पर इसका असर ज्यादा नहीं

– रूस ने 1 अप्रैल से 31 जुलाई तक पेट्रोल निर्यात पर रोक लगाई

मॉस्को ।

रूस ने 1 अप्रैल से 31 जुलाई तक पेट्रोल निर्यात पर अस्थायी रोक लगाने का निर्णय लिया है। उप-प्रधानमंत्री और ऊर्जा मंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने इस कदम को घरेलू सप्लाई सुनिश्चित करने और पेट्रोल की कीमतें नियंत्रित रखने के लिए जरूरी बताया। नोवाक ने कहा कि मिडिल ईस्ट में इजराइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के कारण वैश्विक तेल और पेट्रोलियम बाजार में अस्थिरता बढ़ गई है। रूस रोजाना लगभग 1.2 से 1.7 लाख बैरल पेट्रोल निर्यात करता है। रूस के पेट्रोल उत्पादों के बड़े खरीदार देशों में चीन, तुर्की, ब्राजील, अफ्रीका और सिंगापुर शामिल हैं। इन देशों को निर्यात रोकने से सप्लाई में कमी और कीमतों में उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। वैश्विक बाजार में इस कदम का असर तेल और पेट्रोलियम की कीमतों पर पड़ सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत सीधा पेट्रोल आयात नहीं करता, बल्कि देश कच्चा तेल (क्रूड ऑयल) आयात करता है, जिसे अपने रिफाइनरी नेटवर्क में प्रोसेस करके पेट्रोल और डीजल बनाया जाता है। भारत अपनी जरूरत का करीब 80 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है, जिसमें से लगभग 20 फीसदी रूस से आता है। भारत रोजाना लगभग 56 लाख बैरल कच्चा तेल रिफाइन करता है, जिससे न केवल घरेलू जरूरत पूरी होती है बल्कि तैयार ईंधन का निर्यात भी होता है। इसलिए, रूस की पेट्रोल निर्यात रोक का भारत पर सीधा असर बहुत कम होने की

संभावना है। हालांकि, वैश्विक सप्लाई में कमी के कारण कच्चे तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं। पहले से ही तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई हैं, जिससे भारत को तेल महंगाई का अप्रत्यक्ष असर महसूस हो सकता है।

पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति संकट में, आईएमएफ से जुटाएगा 1.2 अरब डॉलर लोन

नई दिल्ली।

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था संकट की स्थिति में है। फरवरी 2026 में महंगाई दर बढ़कर 7 फीसदी हो गई, जबकि जनवरी में यह 5.8 फीसदी थी। महंगाई के मुख्य कारण खाद्य पदार्थ, बिजली और ईंधन की बढ़ती कीमतें हैं। मार्च में पेट्रोल की कीमत लगभग 321 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर और डीजल 335 रुपये प्रति लीटर हो गई। मिडिल ईस्ट में तनाव के कारण वैश्विक ईंधन आपूर्ति प्रभावित होने से यह बढ़ोतरी हुई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान के साथ स्टाफ-स्तरीय समझौता किया है। इसके तहत पाकिस्तान को 1.2 अरब डॉलर का लोन मिल सकता है। इसमें 1 अरब डॉलर 'एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी' और 210 मिलियन डॉलर 'रेज़िलियंस एंड सस्टेनेबिलिटी फैसिलिटी' के तहत दिए जाएंगे। इससे पहले पाकिस्तान को आईएमएफ से 3.3 अरब डॉलर का लोन मिल चुका है। नई मंजूरी के बाद कुल लोन 4.5 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। आईएमएफ के अनुसार पाकिस्तान की जीडीपी ग्रोथ 2026 में लगभग 3.6 फीसदी रहने का अनुमान है। हालांकि, बढ़ती महंगाई और आर्थिक कमजोरी विकास को सीमित कर रही है। देश लगातार अपने बचाव के लिए विश्व बैंक और आईएमएफ से वित्तीय सहायता मांगता रहा है।

सबालेंका ने मियामी ओपन खिताब जीता, सनशाइन डबल भी हासिल किया

मियामी (एजेंसी)। बेलारुस की स्टार खिलाड़ी आर्यंका सबालेंका ने मियामी ओपन टेनिस खिताब जीत लिया है। सबालेंका ने महिला एकल मुकाबले के फाइनल में अमेरिका की कोको गाफ को 6-2, 4-6, 6-3 से हराया। यह मुकाबला काफी रोमांचक रहा और इस जीत के साथ ही सबालेंका ने लगातार दूसरी बार मियामी खिबाब जीतने के साथ ही सनशाइन डबल की उपलब्धि भी हासिल कर ली। सनशाइन डबल तब होता है जब कोई खिलाड़ी एक ही सत्र में इंडियन वेल्स और मियामी में जीत हासिल करता है। सबालेंका ने इससे पहले इंडियन वेल्स में भी खिताब जीता था। सबालेंका अब साल 2022 में पोलैंड की इगा स्वीटेक के बाद सनशाइन डबल पूरा करने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले स्टेफी ग्राफ , किम क्लीजिस्टस और विक्टोरिया अजारेंका ने ही ये खिताब जीता है। इस प्रकार सबालेंका सनशाइन डबल जीतने वाली पांचवीं महिला खिलाड़ी बन गई हैं।सबालेंका ने खिताब मुकाबले का पहला सेट 6-2 से जीत लिया पर दूसरे सेट में गॉफ़ ने 6-4 से सेट जीतकर अच्छी वापसी की पर तीसरे सेट में सबालेंका ने एक बार फिर बाजी मार ली और शानदार सर्विस और विनर्स की सहायता से मैच जीत लिया। यह सबालेंका के करियर का 24वां डब्ल्यूटीए एकल खिताब है। वहीं कुल मिलाकर उनका 30वां खिताब है। इसमें चार ग्रैंड स्लैम एकल, दो ग्रैंड स्लैम डबल्स और कई डब्लयूटीए 1000 टाइटल शामिल हैं।

आईपीएल में आज होगा सीएसके और राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला

गुवाहाटी (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सोमवार को पांच बार की विजेता रही चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का पहला मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। रॉयल्स की कप्तानी युवा रियान पराग करेंगे। वहीं सीएसके की कप्तानी रूतुराज गायकवाड़ के पास है। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के सीएसके जाने के बाद पराग को कप्तानी दी गयी है। वहीं सीएसके नये नेतृत्व के तहत ही रूतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में उतरेंगी।

इस मैच में दोनो ही टीमों में शामिल कुछ स्टार खिलाड़ी अपनी ही पुरानी टीमों से टकराते दिखें। लंबे समय तक रॉयल्स में रहे विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन इस बार सीएसके की ओर से खेलेंगे जबकि सीएसके के रविन्द्र जडेजा रॉयल्स की ओर से उतरेंगे। ऐसे में दोनों ही टीमों का रोमांचक मुकाबला होगा। सीएसके को सैमसन के आने से एक अच्छा बल्लेबाज और विकेट कीपर मिलेगा। वहीं जडेजा के आने से रॉयल्स की गेंदबाजी और बल्लेबाजी बेहतर होगी। सामने अपनी पुरानी टीमों को चुनौती देने की बारी होगी।

सैमसन ने हाल में टी20 विश्व कप में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। ऐसे में उनके फार्म में होने का लाभ सीएसके को मिलेगा। वह सीएसके टीम के कप्तान रूतुराज गायकवाड़ के साथ पारी शुरु करेंगे। सैमसन के पास लंबी पारी खेलने का अनुभव है जिसका लाभ सीएसके को मिलेगा। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे। ऐसे में सैमसन को उनकी कमी पूरी करनी होगी। धोनी के बार होने से बायें हाथ के युवा स्पिन ऑलराउंडर प्रशांत वीर को टीम में अवसर मिल सकता है। इसके अलावा युवा कार्तिक शर्मा पर भी सबकी नजरें रहेंगी। कार्तिक तेजी से खेलने के लिए जोन जाते हैं।

सीएसके के पास मजबूत बल्लेबाजी क्रम है। युव बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस अब पहले से बेहतर हो चले हैं। वहीं शिवम दुबे मध्यक्रम के भरोसेमंद बल्लेबाज बन गए हैं। युवा आयुष म्हात्रे भी अच्छी बल्लेबाजी करते हैं। वहीं

सीएसएस की गेंदबाजी कुछ कमजोर नजर आती है। गेंदबाजी की जिम्मेदारी नूर अहमद , अकील हुसैन, मैट हेनरी और खलील अहमद के पास रहेगी।

वहीं रॉयल्स की बात करें तो जडेजा के आने से टीम का अनुभव और संतुलन बढ़ा है। टीम की बल्लेबाजी की कमान यशस्वी जायसवाल के पास रहेगी। टीम में युवा वैभव सूर्यवंशी भी नये रिकार्ड बनाना चाहेंगे। वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायेर के होने से भी टीम को लाभ मिलेगा। रॉयल्स की गेंदबाजी में जोफ्रा आर्चर के अलावा कोई भी ऐसा गेंदबाज नहीं है जो विशेष हो। पिछले सत्र के बाद टीम में कई बदलाव हुए हैं पर वह बेहतर गेंदबाज शामिल नहीं कर पायी है। स्पिन गेंदबाजी की कमान जडेजा और रवि बिश्नोई के पास रहेगी।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्स: रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, लुआन ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, अमन पेराला, शिमरोन हेटमायेर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जायसवाल, रविंद्र जडेजा, सैम कुरेन, एडम मिल्ने, बृजेश शर्मा, जोफ्रा आर्चर, कुलदीप सेन, क्वेना मफाका, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई और संदीप शर्मा।

चेन्नई सुपर किंग्स: रूतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे , आयुष म्हात्रे, मैट हेनरी, अकील हुसैन, नूर अहमद, जैमी ओवर्टन, मैथ्यू शॉर्ट, खलील अहमद, जाक फोकेस, अंशुल कम्बोज, नाथन एलिस, सरफराज खान, राहुल चाहर, कार्तिक शर्मा, उर्विल पटेल, अमन खान, रामाकृष्णा घोष, प्रशांत वीर, श्रेयस गोपाल, गुरजपनीत सिंह और मुकेश चौधरी।

ओलंपिक पदक जीतना हर खिलाड़ी का होता है सपना : अनाहत

मुंबई (एजेंसी)। भारत की शीर्ष महिला स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह का कहना है कि उनकी लक्ष्य 2028 लॉस एंजिलिस 2028 खेलों में पदक जीतना है। अनाहत ने कहा कि ओलंपिक में पदक जीतने की चाहत हर खिलाड़ी में होती है। अनाहत ने कहा, यह पहली बार है जब इस खेल कोओलंपिक में जगह मिली है सभी खिलाड़ी इस अवसर का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, इससे पहले कोई भी स्क्वाश खिलाड़ी अधिक से अधिक राष्ट्रमंडल खेलों में खेल सकता था पर अब ओलंपिक में भी वह अपनी प्रतिभा दिखा सकता है। अनाहत ने कहा, अगले कुछ साल में मेरा लक्ष्य देश के लिए पदक जीतना रहेगा। अभी वह जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन में खेलेंगी। इससे खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक हासिल करने का भी अवसर मिलेगा। इससे इस साल के अंत में होने वाले एशियाई खेलों के लिए लय बनाने में सहायता मिलेगी। अनाहत ने कहा कि वह एक समय में एक ही टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। वहीं पुरुष वर्ग में स्टार खिलाड़ी रमित टंडन ने कहा कि इस खेल को ओलंपिक में शामिल किए जाने से अब कारपोरेट जगत का ध्यान भी

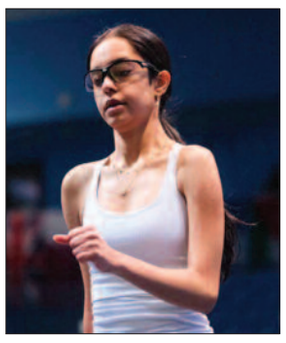

इसकी ओर गया है। रमित ने कहा, ओलंपिक विश्व खेल जगत का सबसे बड़ा आयोजन है और उसमें खेलना सभी का सपना होता है। साथ ही कहा कि हमारे खेल को जेएसडब्ल्यू और अन्य कारपोरेट घरानों के जुड़ने से भी लाभ हुआ है। ये ओलंपिक में शामिल होने से ही संभव हो पाया है। रमित ने कहा कि इसके ठीक बाद मैं लंदन में अगला टूर्नामेंट खेलने जा रहा हूं। रमित ने कहा, तैयारी के लिहाज से विश्व चैंपियनशिप काहिरा में है जो एक प्रभावित इलाका है। हमें पीएसए से संदेश मिल रहे हैं जिनमें कहा गया है कि वे स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। वे तारीखों में थोड़ा-बहुत फेरबदल करने पर भी विचार कर रहे हैं।

धोनी के बाहर होने से मिल सकता है युवा कार्तिक को अवसर

गुवाहाटी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी के शुरुआती मैचों से बाहर होने के कारण सोमवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने पहले मुकाबले में युवा बल्लेबाज कार्तिक शर्मा को अवसर दे सकती है। धोनी फिलहाल पिंडली की चोट से उबर रहे हैं और रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं। ऐसे में वह शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे। कार्तिक को सीएसके ने नीलामी में 14.2 करोड़ रुपये में खरीदा है। वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ियों में से एक बन गये हैं। सीएसके पिछले सत्र से ही इस खिलाड़ी को खरीदना चाहती थी। इसी कारण उसे हाई परफॉर्मेंस सेंटर में अभ्यास के लिए भेजा गया। कार्तिक मध्य क्रम में बल्लेबाजी करने के साथ विकेटकीपिंग भी करते हैं। ऐसे में टीम उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना चाहेगी। कार्तिक ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने रणजी ट्रॉफी के पहले ही मैच में शतक लगाया था और इसके बाद लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे। विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 में उन्होंने 445 रन बनाए और टीम की ओर से सबसे अधिक रन बनाये। वहीं सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उन्होंने 11 पारियों में 334 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 162.92 रहा। कार्तिक भी धोनी की तरह मैच फिनिशर बनना चाहते हैं।

आईपीएल के शुरुआती मैच में ही बने कई रिकार्ड

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच आईपीएल के पहले ही मैच में एक साथ कई रिकार्ड बने हैं। इस मैच में आरसीबी ने 15.4 ओवर में ही 202 रन बनाकर आईपीएल में सबसे तेजी से 200 रन बनाने का लक्ष्य अपने नाम किया। इससे पहले सबसे तेज 200 रनों का रिकार्ड राजस्थान रॉयल्स के नाम था जो उसने पिछले सत्र में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 15.5 ओवर में 212 रन बनाये थे। वहीं इस मैच में विराट कोहली ने नाबाद 69 रन बनाये। स प्रकार वह एक स्थल पर सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान ईशान ने

80 रनों की पारी के साथ ही अपने 3000 आईपीएल रन पूरे किये।

विराट ने बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में 28 बार पचास रन बनाए हैं। वहीं एक ही मैदान पर सबसे ज्यादा अर्धशतक के मामले में इंग्लैंड के जेम्स विंस दूसरे नंबर पर हैं। विंस के नाम द रोज बाउल, साउथैम्प्टन में 27 अर्धशतक का रिकार्ड है। कोहली ने आईपीएल में लक्ष्य का पीछा करते हुए 4000 रन बनाने का रिकार्ड भी अपने नाम किया है। इसके अलावा वह टी-20 क्रिकेट में 13,572 रन के साथ पाकिस्तान के शोएब मालिक को पीछे छोड़ते हुए छठे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने।वहीं सनराइजर्स ने इस मैच में 201 रन बनाने के साथ ही आरसीबी के खिलाफ खिलाफ सातवीं बार 200 से अधिक रन बनये हैं। वहीं सनराइजर्स के ईशान किशन ने कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मैच में 80 रन बनाए। इस पारी के साथ वह आईपीएल में कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं।

कप्तान स्टोक्स चोटिल कोने के कारण अगले दो माह तक खेल से बाहर हुए , गाल की हड्डी टूटी

लंदन । इंग्लैंड की टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल होने के कारण अगले दो महीने के लिए खेल से बाहर हो गये हैं। स्टोक्स के गाल की हड्डी एक थ्रो लगने से टूट गयी है। ऐसे में अब वह दो माह बाद ही खेल के मैदान में वापसी कर सकेंगे। स्टोक्स की फरवरी में ही सर्जरी भी हुई थी। इसी कारण वह डरहम के लिए काउंटी सीजन के पहले महीने में उपलब्ध नहीं थे। डरहम अकादमी में स्टोक्स जब सर्जरी से उबरकर अभ्यास कर रहे थे तभी नेट्स में गेंद उनके चेहरे पर लग गयी। स्टोक्स इंग्लैंड लायंस की कोचिंग स्टाफ का हिस्सा थे। पाकिस्तान शाहीन्स के खिलाफ यूएई में व्हाइट-बॉल सीरीज में भी वह फिटनेस टेस्ट में असफल रहे थे। स्टोक्स डरहम की ओ से अगले सप्ताह केंट के खिलाफ सीजन ओपनर में खेलने वाले थे पर अब उनके सपनों पर पारी फिर गय है। टीम के मुख्य कोच ने कहा कि स्टोक्स शायद 8 मई से वॉर्सेस्टरशायर के खिलाफ पांचवें मैच से पहले नहीं खेल पाएंगे। वहीं डरहम के मुख्य कोच ryan कैंपबेल ने कहा कि इस प्रकार लगातार चोटिल होने से इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं। कैंपबेल ने कहा, 'यह घटना और भी खतरनाक हो सकती थी। अगर गेंद कुछ सेंटीमीटर अलग दिशा में लगती और उनकी आंख पर लग जाती, तो परिणाम क्या होता। इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। राहत की बात ये रही कि वह बच गये हैं।'

जापान ग्रांप्री : मर्सिडीज के 19 वर्षीय एंटोनेली ने लगातार दूसरी F1 रेस जीती

सुजुका । मर्सिडीज के 19 वर्षीय ड्राइवर किमी एंटोनेली ने रविवार को जापानी ग्रांप्री में मैकलारेन के ऑस्कर पियास्त्री को पछाड़ते हुए लगातार दूसरी फॉर्मूला वन (स्न1) रेस जीत ली। इटली के एंटोनेली ने ऑस्ट्रेलिया के ड्राइवर को 13.7 सेकंड के अच्छे अंतर से पछाड़ा। फेरारी के चार्ल्स लेक्लेर्क तीसरे और मर्सिडीज के जॉर्ज रसेल चौथे स्थान पर रहे। मैकलारेन के लैंडो नॉरिस पांचवें और फेरारी के लुईस हैमिल्टन छठे स्थान पर रहे। एंटोनेली ने अपने करियर की पहली एफवन रेस दो सप्ताह पहले चीन में जीती थी और वह इतिहास के दूसरे सबसे कम उम्र के विजेता हैं। सबसे कम उम्र के विजेता का रिकॉर्ड मैक्स वेरस्टैपेन के नाम है। उन्होंने 2016 में 18 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। एंटोनेली ने चीन में भी पोल पोजीशन (शीर्ष स्थान से रेस शुरू करने का अधिकार) से जीत दर्ज की थी। तीन रेस में एंटोनेली के 72 अंक हैं। वह अब सत्र की ड्राइवर की तालिका में शीर्ष पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। एंटोनेली ने कहा, 'चैंपियनशिप के बारे में सोचना अभी जल्दबाजी होगी, लेकिन हम अच्छी स्थिति में हैं।' उन्होंने कहा कि इस जीत के बावजूद उन्हें अपनी शुरुआत को बेहतर करने पर ध्यान देना होगा। इस युवा ड्राइवर ने कहा, 'मेरी शुरुआत खराब रही, मुझे बस यह देखना होगा कि क्या गलत हुआ। मुझे इसमें सुधार करना होगा क्योंकि इससे रेस में जीत या हार का बहुत बड़ा फर्क पड़ता है।'

अब लीवरपूल को छोड़ रहे सालाह

लंदन । स्टार फुटबॉलर मोहम्मद सालाह लंबे समय के साथ के बाद अब इंग्लैड के लीवरपूल क्लब को छोड़ रहे हैं। सालाह ने कहा कि ये उनका लिवरपूल एफसी के साथ अंतिम सत्र है। वह अगले सत्र में अब किसी नई टीम से खेलेंगे। सालाह ने सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में कहा है कि लीवरपूल के साथ उनका समय पूरा हो गया है। इस खिलाड़ी ने कहा कि अब मेरी विदायी का समय है। मैं क्लब में बिताये समय को हमेशा याद रखूंगा। सालाह का अप्रैल 2025 में क्लब के साथ दो साल का अनुबंध हुआ था, वहीं क्लब की ओर कहा गया है कि उन दोनो के बीच सब कुछ तय हो गया है। इससे अब वह फ्री ट्रांसफर पर जा सकते हैं। सालाह ने क्लब की ओर से 34 मैचों में 10 गोल किए हैं। ये साल 2017 में क्लब में आने के बाद से उनके सत्र के सबसे कम गोल हैं। पिछले कुछ समय में मैदान के बाहर की परेशानियों से वह जूझते रहे हैं। दिसंबर में लीड्स के साथ 3-3 के ड्रॉ के बाद सालाह ने कहा कि क्लब ने उन्हें बाहर करने का प्रयास किया था। साथ ही कहा था कि मुख्य कोच आर्नेट स्लॉट के साथ भी उनके संबंध खराब हो गये थे। था। उनके इसी साल जनवरी में क्लब से बाहर होने की संभावनाएं थीं पर अफ्रीका कप ऑफ नेशंस में शामिल होने के बाद उनको टीम में जगह मिल गयी। अब देखना होगा कि वह अगला सत्र किस टीम से खेलते हैं।

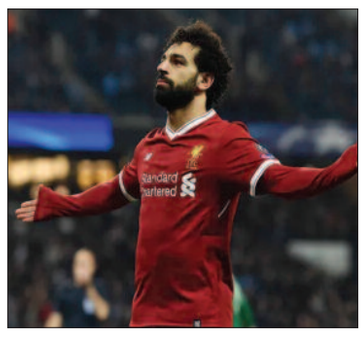

आईपीएल से हटने वालों के खिलाफ कड़े कदम उठाने की जरुरत : गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है आईपीएल से हटने वाले खिलाड़ियों के खिलाफ केवल दो साल का प्रतिबंध ही काफी नहीं है। हससे भी अधिक सख्त कदम उठाने चाहिये जिससे कि कोई भी भविष्य में इस प्रकार से धोखा न करे। गावस्कर ने कहा कि जिस प्रकार से कई खिलाड़ी बहानेबाजी करते हैं उसे रोकने के लिए आईपीएल आयोजकों का कठोर नियम बनाने चाहिये। आईपीएल शुरु होने के ठीक पहले कुछ विदेशी खिलाड़ियों के अचानक वापस नाम लेने से टीमों की रणनीति बिखर गयी है। नाम वापस लेने वालों में इंग्लैंड के बेन डकेट और हैरी ब्रूक भी शामिल है। बीसीसीआई के नियमों के अनुसार अगर कोई खिलाड़ी नीलामी में बिकने के बाद टूर्नामेंट से नाम वापस लेता है तो उस पर 2 साल का प्रतिबंध लगता है पर गावस्कर का मानना है कि इससे अधिक अधिक कठोर कदमों की जरुरत है। गावस्कर ने कहा, 'यह एक कठिन मामला है। डकेट की एशेज सीरीज बहुत अच्छी रही थी, और अगर उन्हें 'द हंड्रेड' की नीलामी में उतनी बड़ी रकम में नहीं खरीदा गया होता, तो वह आईपीएल खेल रहे होते।' 'द हंड्रेड' में अच्छी कीमत पर खरीदे जाने के बाद, वह आईपीएल को छोड़ने और यह कहने में काफी खुश थे कि वह अपने टेस्ट करियर पर ध्यान देना चाहते हैं।' उन्होंने साथ ही कहा, 'लेकिन हां, इस बारे में बीसीसी को भी सोचना चाहिए कि क्या किया जाना चाहिए, क्योंकि दो साल का प्रतिबंध साफ तौर पर काम नहीं कर रहा है। आपको कुछ ऐसा करना होगा जिसका असर हो। जब तक इसका खिलाड़ी पर और उसके आईपीएल में वापसी के अवसरों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, तब तक यह नियम काम नहीं करेगा।' डकेट के लीग से हटने के फैसले ने खिलाड़ियों की प्रतिबद्धता और लीग के नियमों पर सवाल उठने लगे हैं।

सैफ चैंपियनशिप 2026: बांग्लादेश से 1-1 से ड्रॉ खेलने के बावजूद ग्रुप में टॉप पर रहा भारत

माले (मालदीव) (एजेंसी)। भारतीय अंडर-20 पुरुष फुटबॉल टीम ने सैफ अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला और ग्रुप बी में टॉप पर जगह बनाई।

मैच की शुरुआत दोनों टीमों ने संभलकर की। बांग्लादेश ने मैदान की चौड़ाई का इस्तेमाल कर भारतीय डिफेंस को तोड़ने की कोशिश की, लेकिन भारत का डिफेंस काफी मजबूत नजर आया। धीरे-धीरे भारत ने खेल पर पकड़ बना ली और सेट-पीस (कॉर्नर, फ्री-किक) से मौके बनाने शुरू किए।

भारत के लिए मैच में पहला गोल विष्णु यादव ने 17वें मिनट में किया। उन्होंने कॉर्नर किक पर शानदार हेडर लगाकर टीम को बढ़त दिलाई। यह इस टूर्नामेंट में उनका दूसरा

गोल था, हालांकि बांग्लादेश ने हार नहीं मानी और पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में ही वापसी कर ली। बांग्लादेश के लिए मोहम्मद अब्दुल रियाद फहीम ने शानदार गोल करते हुए स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया।

इसके बाद भारत और बांग्लादेश के फॉरवर्ड खिलाड़ियों ने कई प्रयास किए, लेकिन दोनों टीमों का डिफेंस काफी मजबूत नजर आया।

पहले हाफ के अंत में एक फाउल के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों और स्टाफ के बीच जमकर बहस देखने को मिली। इस दौरान बांग्लादेश के कोच और भारत के गोलकीपिंग कोच को रेड कार्ड दिखाया गया।

दूसरे हाफ में भारत ने ज्यादा आक्रामक खेल दिखाया और कई मौके बनाए, लेकिन गोल नहीं कर सका। टीम ने जीत के लिए आखिर तक कोशिश की, लेकिन बांग्लादेश के डिफेंस ने शानदार प्रदर्शन किया। इस ड्रॉ के बावजूद भारत को कोई नुकसान नहीं हुआ, क्योंकि टीम पहले ही पाकिस्तान को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना चुकी थी। बेहतर प्रदर्शन के चलते भारत ग्रुप में पहले, जबकि बांग्लादेश दूसरे स्थान पर रहा।

भारतीय टीम की अब सेमीफाइनल में भिड़ंत भूटान से होगी। वहीं, टूर्नामेंट के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में बांग्लादेश का सामना नेपाल से होगा।

विराट में अब भी किसी युवा बल्लेबाज जैसी रनों की भूख देखकर होती है हैरानी: अश्विन

बेंगलुरु (एजेंसी)। दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की आईपीएल 2026 के पहले ही मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेली पारी की जमकर प्रशंसा की है। विराट इस मैच में पारी की शुरुआत से लेकर जीत का टिके रहे। इसी को लेकर अश्विन ने कहा है कि उनके अंदर आज भी रनों की पहले जैसी ही भूख है जो मुख्य रुप से युवा बल्लेबाजों में होती है।

अश्विन ने कहा, मुझे इस उम्र में वह काफी अजीब लगता है। मैं कभी-कभी हमारी बातचीत के दौरान उसे यह बताता हूं। वह 40 के आस-पास बल्लेबाज कर रहा था, एक साझेदारी चल रही थी और आरसीबी आराम से आगे बढ़ रही थी। वह पहला एक रन लेने के लिए दौड़ा, वहीं रुक गया जबकि दूसरा बल्लेबा अभी आधा भी नहीं पहुंचा था पर विराट पहले से ही दूसरा एक रन लेने का प्रयास कर रहा था। वह लेग साइड पर 57 मीटर की बाउंड्री थी और यह दिखाता है कि वह अभी भी गेम में कितना उत्साह लाता है।

अश्विन ने साथ ही कहा, वह जो कहता है, वही करता है। ऐसा लगता है जैसे वह लोगों को यह बताने के लिए एक शो कर रहा हो कि गेम कैसे खेलना चाहिए, इसे मेहनत से खेलना चाहिए और इसे वैसे ही खेलना चाहिए जैसा इसे खेला जाना चाहिए। विराट ने जो किया, उसके बारे में यह बात मेरे लिए सबसे अलग थी और अगर आससीबी इसी तरह बल्लेबाी करने वाली है, तो विराट को बस पूरे 20 ओवर खेलने की जरूरत है। विराट मैदाने पर टिके रहें तो रन आते रहगे।

हमारा लक्ष्य खिताब फिर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर खिताब जीतना है : पाटीदार

-विराट अपने खेल के शिखर पर

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने सत्र के पहले ही मैच में जीत पर खुशी जताते हुए कहा है कि हम खिताब बचाने की मानसिकता के साथ नहीं उतरे हैं। पाटीदार के अनुसार आरसीबी लगातार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर फिर से खिताब जीतना चाहती है। आरसीबी ने अपने पहले ही मैच में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएत) को छह विकेट से हराय है जिससे उसके हौंसले बलंद हैं। पाटीदार ने कहा कि वह टीम के अभियान को खिताब की जगह खिताब हासिल करने वाला मानते हें।

उन्होंने कहा, हम इस मानसिकता के साथ नहीं खेल रहे हैं कि कुछ बचाना है। हमने 2025 में जो किया, वह बीती बात थी। अब हम इस बार फिर खिताब जीतने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। आरसीबी की जीत में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के अलावा देवदत्त पडिक्कल और जैकब डफी के अच्छे प्रदर्शन की अहम भूमिका रही है। इसी को लेकर पाटीदार ने कहा, लक्ष्य का पीछा करने में कोहली शीर्ष पर हैं। मुझे हमेशा से ही उनकी बल्लेबाजी पसंद रही है और डगआउट से उन्हें खेलते देखना बहुत शानदार रहता है।

उन्होंने कहा, कोच एंडी फ्लावर और मुझे भी लगता है कि वह अपने खेल के सबसे उच्च स्तर पर हैं। उनकी पारी की प्रशंसा के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। वह मेरे आदर्श हैं और मैंने उन्हें नेट्स पर उसी ऊर्जा और तत्परता के साथ खेलते देखा है। मैं उन्हें नेट्स पर बल्लेबाजी करते देखकर बहुत कुछ सीख रहा हूं। वहीं मैच में तीन विकेट लेकर सनराइजर्स पर अंकुश लगाने वाले डफी को लेकर उन्होंने कहा, वह टी20 का विशेषज्ञ गेंदबाज है और हमें उस पर काफी भरोसा है। जिस तरह से वह खेल रहा है, जबर्दस्त है।

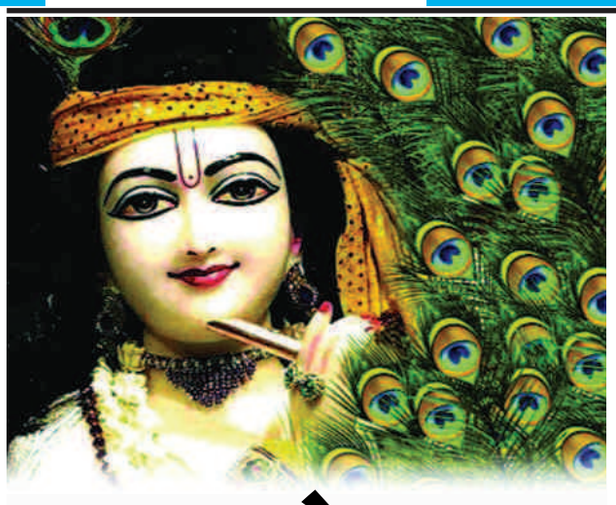

वास्तु दोष दूर करता है मोरपंख

मोर बेहद खूबसूरत पंछी है। ज्योतिष, वास्तु, धर्म, पुराण और संस्कृति में मोर का अत्यधिक महत्व माना गया है। मोर पंख घर में रखने से अमंगल टल जाता है। आइए जानें 25 अनूठी बातें मोर पंख के बारे में.

- मोर, मयूर, पिकॉक कितने खूबसूरत नाम है इस सुंदर से पक्षी के। जितना खूबसूरत यह दिखता है उतने ही खूबसूरत फायदे इसके पंखों के भी हैं। हमारे देवी -दवताओं को भी यह अत्यंत प्रिय हैं। मां सरस्वती, श्रीकृष्ण, मां लक्ष्मी, इन्द्र देव, कार्तिकेय, श्री गणेश सभी को मोर पंख किसी न किसी रूप में प्रिय हैं। पौराणिक काल में महर्षियों द्वारा इसी मोरपंख की कलम बनाकर बड़े-बड़े ग्रंथ लिखे गए हैं।
- मोर के विषय में माना जाता है कि यह पक्षी किसी भी स्थान को बुरी शक्तियों और प्रतिकूल चीजों के प्रभाव से बचाकर रखता है। यही वजह है कि अधिकांश लोग अपने घरों में मोर के खूबसूरत पंखों को लगाते हैं।
- मोर पंख की जितनी महत्ता भारत के लोगों के लिए है शायद ही किसी अन्य देश के लोगों के लिए हो। हमारे यहां माना जाता है कि मोर नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सबसे प्रभावशाली है।
- हालांकि 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में पश्चिमी देशों के लोग मोरपंख को दुर्भाग्य का सूचक मानते थे। लेकिन मोर पंख की शुभता का अनुभव होने के बाद उसे शुभ चिन्ह के रूप में स्वीकार कर लिया गया।
- ग्रीक पौराणिक कथाओं के अनुसार मोर को 'हेरा' के साथ संबंधित किया जाता है। मान्यता के अनुसार आर्गस, जिसकी सौ आंखें थीं, उसके द्वारा हेरा ने मोर की रचना की।
- यही वजह है कि ग्रीक लोग मोर के पंखों को स्वर्ग और सितारों की निगाहों के साथ जोड़ते हैं।
- हिंदू धर्म में मोर को धन की देवी लक्ष्मी और विद्या की देवी सरस्वती के साथ जोड़कर देखा जाता है।
- लक्ष्मी सौभाग्य, खुशहाली और धन धान्य व संपन्नता के लिए पूजी जाती हैं। मोर के पंखों का प्रयोग लक्ष्मी की इन्हीं विशेषताओं को हासिल करने के लिए किया जाता है। मोर पंख को बांसुरी के साथ घर में रखने से रिश्तों में प्रेम रस घुल जाता है।
- एशिया के बहुत से देशों में मोर के पंखों को अध्यात्म के साथ संबंधित किया जाता है। क्वान-यिन जो कि अध्यात्म का प्रतीक है का मोर से खास रिश्ता माना गया है। क्वान यिन : क्वान-यिन प्रेम, प्रतिष्ठा, धीरज और स्नेह का सूचक है। इसलिए संबंधित देशों के लोगों के अनुसार मोर पंख से नजदीकी अर्थात क्वान-यिन से समीपता मानी गई है।
- अगर आपके वैवाहिक जीवन में तनाव है तो अपने शयनकक्ष में मोरपंख रखें, इससे पति पत्नी के बीच प्यार बढ़ता है।
- यदि शत्रुता समाप्त करनी हो या कि शत्रु तंग कर रहे हो, तो मोरपंख पर हनुमान जी के मस्तक के सिंदूर से उस शत्रु का नाम मंगलवार या शनिवार रात्रि में लिखकर उसे घर के पूजा स्थल में रखें व सुबह उठकर उसे चलते पानी मे प्रवाहित कर आएं।
- वास्तुशास्त्र के अनुसार मोरपंख को घर की दक्षिण दिशा में स्थित तिजोरी में खड़ा करके रखने से कभी भी धन की कमी नहीं होती है।
- राहु का दोष होने पर मोरपंख घर की पूर्वी और उत्तर पश्चिम की दीवार पर लगाएं।
- अगर आपके घर में मोरपंख है तो आपके घर में कोई भी बुरी शक्ति प्रवेश नहीं कर पाती है। यह घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करके सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देता है।
- वास्तुशास्त्र के अनुसार मोरपंख को घर में रखने से आपके घर के सारे दोष दूर हो जाते है।
- यदि मोर का पंख घर के पूर्वी और उत्तर-पश्चिम दीवार मे या अपनी जेब व डायरी मे रखा हो तो राहू कभी भी परेशान नहीं करता है। मोरपंख की पूजा करे या हो सके तो उसे हमेशा अपने पास रखे। मोरपंख को घर में रखने से परिवार के सदस्यों की सेहत भी अच्छी रहती है।
- ग्रहों के अशुभ प्रभाव होने पर मोरपंख पर 21 बार ग्रह का मंत्र बोलकर पानी का छींटें दें, और इसे श्रेष्ठ स्थान पर स्थापित करें जहां से यह दिखाई दे।
- आर्थिक लाभ के लिए किसी मंदिर में जाकर मोरपंख को राधा कृष्ण के मुकुट में लगाएं और 40 दिन बाद इसे लॉकर या तिजोरी में रख दें।
- बुरी नजर से बच्चों को बचाने के लिए नवजात बालक को मोरपंख चांदी के ताबीज में पहनाएं।
- घर के मुख्य द्वार पर 3 मोरपंख लगाकर ऊँ द्वारपालाय नमः जाग्रय स्थापयै स्वाहा मंत्र लिखें और नीचे गणेश जी की मूर्ति लगाएं।
- आग्नेय कोण में मोरपंख लगाने से घर के वास्तु दोष को ठीक किया जा सकता है। इसके अलावा ईशान कोण में कृष्ण भगवान की फोटो के साथ मोरपंख लगाएं।
- बौद्ध धर्म के अनुसार मोर अपनी अपने सारे पंखों को खोल देता है, इसलिए उसके पंख विचारों और मान्यताओं में खुलेपन का ही प्रतीक माने जाते हैं।
- ईसाई धर्म में मोर के पंख, अमरता, पुनर्जीवन और अध्यात्मिक शिक्षा से संबंध रखते हैं।
- इस्लाम धर्म में मोर के खूबसूरत पंख जन्नत के दरवाजे के बाहर अद्भुत शाही बगीचे का प्रतीक माने जाते हैं।
- यह भी विशेष गौर करने लायक तथ्य है कि घरों में मोरपंख रखने से कीड़े-मकोड़े घर में दाखिल नहीं होते।

सुंदर कांड देता है मन को शांति, बढ़ाता है शुभ ऊर्जा

महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण पर आधारित महाकाव्य श्रीरामचरितमानस का पंचम सोपान है सुंदर कांड। इसमें रामदूत, पवनपुत्र हनुमान का यशोगान किया गया है, इसलिए सुंदर कांड के नायक श्री हनुमान को माना जाता हैं।

सुंदर कांड का पाठ मन को शांति देने तथा शुभ ऊर्जा बढ़ाने का काम करता है। सुंदर कांड का नाम सुंदर कांड क्यों रखा गया...

दरअसल, जब हनुमान जी, सीता जी की खोज में लंका गए थे और लंका त्रिकुटांचल पर्वत पर बसी हुई थी। त्रिकुटांचल पर्वत यानी यहां 3 पर्वत थे। पहला सुबैल पर्वत, जहां के मैदान में युद्ध हुआ था। दूसरा नील पर्वत, जहां राक्षसों के महल बसे हुए थे। तीसरे पर्वत का नाम है सुंदर पर्वत, जहां अशोक वाटिका निर्मित थी। इसी वाटिका में हनुमान जी और सीता जी की भेंट हुई थी। सुंदर पर्वत पर ही सबसे प्रमुख घटना घटित होने के कारण इसका नाम सुंदर कांड रखा गया। सुंदर पर्वत पर ही अशोक वाटिका थी और इसी अशोक वाटिका में ही हनुमान और सीता जी का मिलन हुआ था इसीलिए इस कांड का नाम सुंदर कांड रखा गया। कहा जाता हैं कि यहां की घटनाओं में हनुमान जी ने एक विशेष शैली अपनाई थी।

वास्तव में श्रीरामचरितमानस के सुंदर कांड की कथा सबसे अलग है। संपूर्ण श्रीरामचरितमानस भगवान श्रीराम के गुणों और उनके पुरुषार्थ को दर्शाती है। सुंदर कांड एकमात्र ऐसा अध्याय है, जो श्रीराम के भक्त हनुमान की विजय का कांड है। धार्मिक शास्त्रों के अनुसार सुंदर कांड का पाठ हम सभी को सुनना और पढ़ना चाहिए क्योंकि यह पाठ सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला तथा किसी भी प्रकार की परेशानी या संकट से आप घिरे हुए हो तो सुंदर कांड पाठ पढ़ने या सुनने से यह संकट तुरंत दूर हो जाता है। इतना ही नहीं यह प्रभु श्रीराम के परमभक्त श्री बजरंग बली की विजय का कांड होने से हम पर प्रभु श्रीराम, माता सीता तथा हनुमान जी की अनन्य कृपा प्राप्त होती है तथा हमारे मन को शांति मिलती है।

हनुमान जी जल्द ही प्रसन्न होने वाले देवता माने जाते हैं, अतः प्रतिदिन सुंदर कांड का पाठ करने वाले मनुष्य के जीवन से नकारात्मक शक्तियां भाग जाती है तथा यह पाठ बल, बुद्धि, एकाग्रता, आत्मविश्वास बढ़ता है तथा जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलते हैं और हमारे अंदर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है इसके अलावा भी सुंदर कांड पाठ पढ़ने के बहुत सारे लाभ हैं। विद्यार्थियों को यह पाठ अवश्य करना चाहिए, क्योंकि इसका विशेष लाभ मिलता है। यह आत्मविश्वास बढ़ाकर एक्जाम में अच्छे अंक दिलाने में मददगार है। यह मानसिक परेशानियां, व्याधियां, गृह क्लेश, ऋण/ कर्ज मुक्ति आदि कई समस्या में भी लाभदायी है।

श्री कोत्तानकुलांगरा देवी मंदिर जहां पुरुषों को करना पड़ता है महिलाओं की तरह सोलह श्रृंगार

धर्म को लेकर हमारे देश में जहां तरह-तरह के प्रतबिंध लगाए गए हैं। देश में बहुत से मंदिर ऐसे हैं जिनमें महिलाओं का प्रवेश करने पर रोक होती है। ये मंदिर देश भर में इस तरह के लिए जाना जाता है कि यहां प्रवेश करने और पूजा करने के इच्छुक पुरुषों को बकायदा महिलाओं की ड्रेस में आना पड़ता है। इस मंदिर में उन्हें पूजा करने के लिए महिलाओं, किन्नरों पर कोई रोक नहीं है, लेकिन पुरुष अगर इस मंदिर में पूजा अर्चना करना चाहता है तो उसे महिलाओं की तरह पूरा सोलह श्रृंगार करना पड़ता है। यह खास मंदिर केरल के कोल्लम जिले में हैं जहां पर श्री कोत्तानकुलांगरा देवी मंदिर में हर साल चाम्याविलक्कू त्यौहार मनाया जाता है। इस त्योहार में हर साल हजारों की संख्या में पुरुष श्रद्धालु आते हैं। उनके तैयार होने के लिए मंदिर में अलग से मेकअप रूम बनाया जाता है। पुरुष महिलाओं की तरह न केवल साड़ी पहनते है, बल्कि जूलरी, मेकअप और बालों में गजरा भी लगाते है। इस उत्सव में शामिल होने के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं है। यही नहीं ट्रांसजेंडर भी इस मंदिर में पूजा अर्चना करने के लिए आते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर में देवी की मूर्ति स्वयं प्रकट हुई थी। अपनी खास परंपरा के लिए दुनियाभर में मशहूर इस मंदिर के ऊपर कोई छत नहीं हैं। इस राज्य का यह ऐसा एकमात्र मंदिर है जिसके गर्भगृह के ऊपर छत या कलश नहीं हैं। ऐसी मान्यता है कि कुछ चरवाहों ने महिलाओं के कपड़े पहनकर पत्थर पर फूल चढ़ाए थे, जिसके बाद उस पत्थर से दिव्य शक्ति निकलने लगी। इसके बाद इसे मंदिर का रूप दिया गया। एक मान्यता यह भी है कि कुछ लोग पत्थर पर नारियल फोड़ रहे थे और इसी दौरान पत्थर से खून निकलने लग गया जिसके बाद से यहां देवी की पूजा होने लगी।

इन 6 जगहों पर भूलकर भी न पहनकर जाएं रुद्राक्ष

रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के अश्रुओं से हुई है। उन्होंने कठोर तप के बाद जब आंखें खोली तो उनके आंखों से जो आंसू भूमि पर गिरे उसे से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई। रुद्राक्ष को पहने के नियम भी है।

रुद्राक्ष का अर्थ है रुद्र का अक्ष। यानी भगवान रुद्र की आंखें। माना जाता है कि रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के अश्रुओं से हुई है। उन्होंने कठोर तप के बाद जब आंखें खोली तो उनके आंखों से जो आंसू भूमि पर गिरे उसे से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई। रुद्राक्ष को पहने के नियम भी है। कहते हैं कि 6 जगहों पर रुद्राक्ष पहकर गए तो शिवजी नाराज हो जाएंगे।

- **श्मशान** - रुद्राक्ष की माला या रुद्राक्ष को किसी भी रूप में धारण करके शमशान नहीं जाना चाहिए। जो शमशान के संत होते हैं वे रुद्राक्ष के नियमों का पालन करते हैं।
- **मृत्यु वाले घर** - जहां पर किसी की मृत्यु हो गई हो वहां पर भी रुद्राक्ष पननकर न जाएं। यदि आपके घर में किसी परिजन की मृत्यु हो गई है तो रुद्राक्ष को उतारकर किसी उचित स्थान पर रख दें।
- **शौचालय या स्नानघर** - टॉयलेट या बाथरूम में रुद्राक्ष पहनकर नहीं जाते हैं। ऐसा करने से घोर पाप लगता है। यह शिवजी का अपमान माना जाएगा।
- **मांस मदिरा सेवन के समय** - रुद्राक्ष पहकर कर मांस भक्षण करना या शराब पीना वर्जित है। इसी के साथ ही बूचड़खाने में जाना या किसी शराब की दुकान पर जाना भी वर्जित है। जहां पर मुर्गा, बकरा आदि कटना या बनता है उस स्थान से भी दूर रहें।
- **बालक के जन्म पर** - जहां पर किसी बच्चे का जन्म हुआ हो और प्रसूता रहती हो वहां पर रुद्राक्ष पहनकर जाना वर्जित है। एक माह तक नियम का पानल करना चाहिए। ऐसी जगह पहनकर जाने से रुद्राक्ष निस्तेज हो जाता है।
- **शयन कक्ष** - सोने से पहले रुद्राक्ष को उतारकर उचित स्थान पर रख देना चाहिए। सोने के दौरान जहां रुद्राक्ष के टूटने का अंदेशा रहता है वहीं इससे रुद्राक्ष अशुद्ध और निस्तेज हो जाता है।

चन्द्र घात के समय नहीं करना चाहिए कोई महत्वपूर्ण कार्य

चंद्र घात विचार वैसे तो बहुत विस्तृत विषय है परंतु यहां पर आप संक्षिप्त में जान लें। पहले के समय में जन्म पत्रिका या कुंडली बनाते समय में घात चक्र का विवरण या सारणी भी दी जाती थी, परंतु आजकल नहीं दी जाती है। हालांकि इसको अब कोई महत्व भी नहीं देता है।

- किस राशि के लिए कौन नक्षत्र, मास, तिथि, वार, प्रहर चन्द्र आपके लिए शुभ है या अशुभ है यह जानना ही चंद्र घात के अंतर्गत आता है।
- किसी राशि विशेष के लिए एक ही दिन तीन से ज्यादा घात मिले तो उस दिन सावधानी बरतनी चाहिए।
- इन सब प्राचीन घात सूत्रों को ध्यान में रखने से घटना को कुछ हद तक टाला जा सकता है या उस घटना की भयावता को कम किया जा सकता है।
- सिंह राशि के लिए तृतीया तिथि एवं उस दिन शनिवार विशेष घातक माना गया है।
- जीवन में जन्म से तृतीय, पंचम, सप्तम दशाएं कष्टकारक होती है। उसे ध्यान में रखकर ही कोई कार्य करें।
- मेष की पहली, वृष की पांचवीं, मिथुन की नौवीं, कर्क की दूसरी, सिंह की छठी, कन्या की दसवीं, तुला की तीसरी, वृश्चिक की सातवीं, धनु की चौथी, मकर की आठवीं, कुम्भ की ग्यारहवीं, मीन की बारहवीं घड़ी घात चन्द्र मानी जाती है।
- कहते हैं कि चंद्र घात में यात्रा करने पर, युद्ध में जाने पर, कोर्ट कचहरी में जाने पर, खेती कार्य आरंभ करने पर, व्यापार शुरू करने पर, घर की नींव लगाने पर घात चन्द्र वर्जित मानी गई है।
- घात चन्द्र में रोग होने पर मौत, कोर्ट में केस दायर करने पर हार और यात्रा करने पर सजा या झूठा आरोप और विवाह करने पर वैधव्य होने की शंका व्यक्त की जाती है।
- मेषादि द्वादश राशियों के लिए क्रमशः 1, 5, 9, 2, 6, 10, 3, 7, 4, 8, 11, 12 घात चन्द्र दोष होता है। जैसे मेष राशि वालों के लिए मेष का, वृषभ राशि वालों के लिए वृषभ से पंचम कन्या का शेष इसी प्रकार घात चन्द्रमा होता है।
- मेषादि राशियों के लिए क्रमशः कृत्तिका, चित्रा, शतभीषा, मघा, धनिष्ठा, आर्दा, मूल, रोहिणी, पूर्वाभाद्रपदा, मघा, मूल और पूर्वाभाद्रपदा नक्षत्रों के क्रमशः 1-2-3-3-1-3-2-4-3-4-4 और 4 चरण नक्षत्र घात चरण होते हैं। राज सेवा, युद्ध और विवाद में घात चन्द्रमा वर्जित है।

हरसिंगार का घर के आसपास होने बहुत ही शुभ माना गया है

हरसिंगार के फूल बहुत ही सुंदर और सुगंधित होते हैं। यह घर आंगन की सुंदरता में चार चांद लगा देता है। इसका घर के आसपास होने बहुत ही शुभ माना गया है। बहुत ही आसानी से आप इसे किसी भी नर्सरी से खरीदकर अपने घर आंगन में लगाएं और जीवन में सुख, शांति और समृद्धि को निमंत्रण दें। आओ जानते हैं कि इसे घर आंगन में लगाने से क्या होगा।

- हरसिंगार का वृक्ष जिसके भी घर के आसपास होता है उसके घर के सभी तरह के वास्तुदोष दूर हो जाते हैं।
- हरसिंगार के फूलों को खासतौर पर लक्ष्मी पूजन के लिए इस्तेमाल किया जाता है लेकिन केवल उन्हीं फूलों को इस्तेमाल किया जाता है, जो अपने आप पेड़ से टूटकर नीचे गिर जाते हैं। जहां यह वृक्ष होता है वहां पर साक्षात लक्ष्मी का वास होता है।
- हरसिंगार के फूलों की सुगंध आपके जीवन से तनाव हटाकर खुशियां ही खुशियां भर सकने की ताकत रखते हैं। इसकी सुगंध आपके मस्तिष्क को शांत कर देती है। घर परिवार में खुशी का माहौल बना रहता है और व्यक्ति लंबी आयु प्राप्त करता है।
- हरसिंगार के ये अद्भुत फूल सिर्फ रात में ही खिलते हैं और सुबह होते-होते वे सब मुरझा जाते हैं। यह फूल जिसके भी घर-आंगन में खिलते हैं, वहां हमेशा शांति और समृद्धि का निवास होता है।
- हृदय रोगों के लिए हरसिंगार का प्रयोग बेहद लाभकारी है। इस के 15 से 20 फूलों या इसके रस का सेवन करना हृदय रोग से बचाने का असरकारक उपाय है, लेकिन यह उपाय किसी आयुर्वेदिक डॉक्टर की सलाह पर ही किया जा सकता है। इसके फूल, पत्ते और छाल का उपयोग औषधि के रूप में किया जाता है।
- हरसिंगार के फूल जिसके भी घर-आंगन में खिलते हैं, वहां हमेशा शांति और समृद्धि का निवास होता है। इसके फूल तनाव हटाकर खुशियां ही खुशियां भरने की क्षमता रखते हैं।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने शुरू की तुम्बाड 2 की शूटिंग

सोशल मीडिया पर नवाजुद्दीन सिद्दीकी, निर्माता और अभिनेता सोहम शाह को मुंबई की एक खास जगह पर साथ देखा गया। दोनों अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग के लिए साथ आए है। यह एक हॉरर फिल्म है, जिसे लेकर नवाजुद्दीन सिद्दीकी के फैंस काफी एक्साइटेड हैं। जानिए, फिल्म में नवाजुद्दीन किस तरह का किरदार करेंगे और कहां पर इसकी शूटिंग हो रही है।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी, निर्माता और अभिनेता सोहम शाह को मुंबई के मड आइलैंड में देखा गया। इस दौरान अपने फिल्म क्रू के साथ दिखाई दिए। सोहम शाह, नवाजुद्दीन सिद्दीकी से बातचीत करते थे। यह दोनों फिल्म 'तुम्बाड 2' की शूटिंग शुरू कर चुके हैं। बता दें कि 2018 में रिलीज हुई हॉरर, थ्रिलर फिल्म 'तुम्बाड़' का यह सीक्वल है। 'तुम्बाड 2' का दर्शक काफी वक्त से इंतजार कर रहे हैं। अब इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। नवाजुद्दीन के किरदार की जहां तक बात है तो उनके किरदार का नाम पांडुरंग होगा। फिल्म भी इमोशनल और साइकोलॉजिकल है। इसमें नवाज के किरदार में कई परतें होंगी। कहानी को लेकर भी मेकर्स का कहना है कि यह पिछली फिल्म से ज्यादा डरावनी होगी। 'तुम्बाड' की बात करें तो साल 2018 में रिलीज हुई इस डार्क फैंटेसी-हॉरर फिल्म में लालच के दुष्परिणामों को दिखाया गया था। फिल्म की कहानी 20वीं सदी की शुरुआत के एक छोटे से गांव तुम्बाड में सेट है। इसमें मुख्य भूमिका में विनायक राव और 'हस्तर' नाम का एक श्रापित देवता है। फिल्म काफी डरावनी थी और दर्शकों को काफी पसंद आई थी।

'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल में हुई कमल हासन की एंट्री

'कल्कि 2' की शूटिंग को लेकर लगातार सोशल मीडिया पर जानकारी आ रही है। हाल ही में अमिताभ बच्चन ने 'कल्कि 2' की शूटिंग पूरी की है। 'कल्कि 2' में एक और अभिनेता की एंट्री होने की जानकारी सामने आई है, जो साउथ से हैं।

हाल ही में अमिताभ बच्चन ने 'कल्कि 2' के सेट से कुछ तस्वीरें शेयर की थीं। इनमें वह अपने किरदार अश्वत्थामा के लुक में नजर आ रहे हैं और कमल हासन के साथ गले लगते हुए भी दिख रहे हैं। दोनों ने आखिरी बार 1985 में फिल्म 'गिरफ्तार' में साथ काम किया था। बिग बी ने 40 साल बाद फिर से कमल के साथ काम करने की उन्होंने खुशी जताई।

साउथ अभिनेता की हुई एंट्री

123 तेलुगु की खबर के अनुसार, दुलकर सलमान और जेडी चक्रवर्ती भी 'कल्कि 2' में नजर आएंगे। यह दोनों इन दिनों हैदराबाद में 'कल्कि 2' की शूटिंग कर रहे हैं। प्रभास बाद में इस शूटिंग में जुड़ेंगे। निर्माता जल्द ही 'कल्कि 2' को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा कर सकते हैं।

'कल्कि 2' के बारे में

'कल्कि 2' का निर्देशन नाग अश्विन कर रहे हैं। यह फिल्म हिंदू धर्मग्रंथों से प्रेरित पौराणिक साइंस फिक्शन पर आधारित है। पहले भाग में प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन, कमल हासन और दिशा पाटनी ने काम किया था। यह 'कल्कि' सिनेमाई ब्रह्मांड की शुरुआत थी, जो 2898 ईस्वी में काशी शहर की कहानी बताती है।

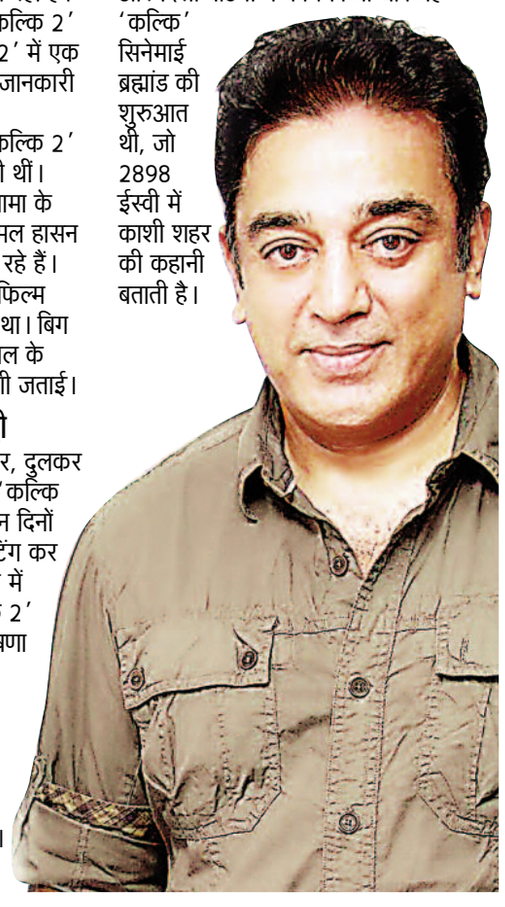

अलाया एफ ने होंठ और नाक की सर्जरी की अफवाहों पर दी प्रतिक्रिया

अलाया एफ सोशल मीडिया पर बहुत एक्टिव रहती हैं और अपनी फिटनेस व ब्यूटी टिप्स अक्सर शेयर करती रहती हैं। अलाया ने हाल ही में मुंबई के एक फैशन शो में रैंप वॉक किया था। इस शो के दौरान उनके लुक्स को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की अफवाहें आईं। जिस पर अब आलिया ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

लुक्स को लेकर ट्रोल हुई अलाया

हाल ही में मुंबई के एक फैशन वीक में रैंप वॉक करने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने कहा कि अलाया ने अपनी नाक और होंठ की सर्जरी करवा ली है। इस पर अलाया ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर वीडियो पोस्ट करके जवाब दिया। वीडियो में अलाया ने अपने चेहरे को जूम करके कहा, 'दोस्तों, कमेंट्स में बहुत लोग कह रहे हैं कि मैंने नाक और होंठ की सर्जरी करवाई है। मैं वादा करती हूं, मैंने कुछ भी नहीं करवाया है।'

मालिश का है कमाल

अलाया ने आगे कहा, 'अगर मैंने सर्जरी करवाई होती तो मैं खुशी-खुशी आपको बता देती। मैं ऐसी नहीं हूं जो बात छुपाऊं या झूठ बोलूं। देखो, नाक वही है, होंठ भी वही हैं। बस रोशनी का फर्क है। अच्छी आदतें, ज्यादा पानी पीना और चेहरे की मालिश से चेहरा अच्छा लग रहा होगा। लेकिन सर्जरी बिल्कुल नहीं हुई है।'

अलाया एफ का करियर

अलाया ने फिल्म 'जवानी जानमन' से डेब्यू किया था। उसके बाद उन्होंने 'फ्रेडी', 'ऑलवेज प्यार विद डीजे मोहब्बत' और 'यू-टर्न' जैसी फिल्मों में काम किया। इसके अलावा वह फिल्म 'श्रीकांत' और 'बड़े मियां छोटे मियां' में भी नजर आई थीं। वह पूजा बेदी और फरहान फर्नीचरवाला की बेटी हैं।

करण जौहर के शो का हिस्सा नहीं हैं नेहा धूपिया

करण जौहर द्वारा होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन की घोषणा हो चुकी है। इसके बाद से ही लगातार दूसरे सीजन के कंटेस्टेंट को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं चल रही हैं। इसमें कई सेलेब्स के नाम सामने आ रहे हैं। अभिनेत्री नेहा धूपिया के भी 'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन में कंटेस्टेंट के तौर पर नजर आने की चर्चाएं थीं। अब अभिनेत्री ने खुद इन चर्चाओं पर प्रतिक्रिया दी है और सच्चाई बताई है। 'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन में बतौर कंटेस्टेंट अपने नाम को लेकर चल रही अफवाहों पर नेहा धूपिया ने विराम लगा दिया है। नेहा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करके इस मामले को स्पष्ट किया। उन्होंने लिखा, 'न तो मैं 'ट्रेटर' हूं और न ही 'इन्नोसेंट'। मैं बस डबल डेट पर जाने में व्यस्त हूं। जल्द आ रहा है।' अपनी पोस्ट के जरिए नेहा ने न सिर्फ करण जौहर के शो का हिस्सा होने से इनकार किया, बल्कि एक आगामी प्रोजेक्ट की ओर भी इशारा किया। हालांकि, उन्होंने इसके बारे में और कोई जानकारी नहीं दी। लेकिन उनकी पोस्ट ने प्रशंसकों के बीच उत्सुकता जगा दी है।

रणबीर के साथ काम करना चाहते हैं मोहित सूरी

पिछले काफी दिनों से ऐसी खबरें चल रही हैं कि रणबीर कपूर 'सैयारा' फेम निर्देशक मोहित सूरी की अगली फिल्म में नजर आएंगे। अब खुद मोहित सूरी ने इन खबरों पर प्रतिक्रिया दी है। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि रणबीर उनकी अगली फिल्म का हिस्सा होंगे या नहीं।

बातचीत के दौरान मोहित सूरी ने रणबीर कपूर की तारीफ करते हुए उन्हें एक महान स्टार बताया। इसी दौरान मोहित ने ये भी स्पष्ट किया रणबीर कपूर उनकी अगली फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने कहा कि रणबीर कपूर मेरी अगली फिल्म में नहीं हैं मैं सचमुच उनके साथ काम करना चाहता हूं और मुझे उम्मीद है कि वह भी मेरे बारे में ऐसा ही सोचते हैं। मैं उनसे मिलने गया था और साथ में काम करने का इरादा रखता हूं। इस बीच खबरें आ रही हैं कि हम पहले से ही एक फिल्म साथ में कर रहे हैं। रणबीर और मैं एक दूसरे को जानते हैं क्योंकि वह मेरे करियर की शुरुआत से ही मुझे फॉलो कर रहे हैं।

काश मेरी फिल्म के हीरो होते रणबीर

निर्देशक ने आगे रणबीर की तारीफ करते हुए कहा कि वह उन गिने-चुने अभिनेताओं में से एक हैं और इतने बड़े स्टार हैं, जो 'आवारापन' जैसी फिल्म की सराहना करते हैं। भले ही वह रिलीज के समय फ्लॉप हो गई थी। वह मुझे अक्सर कहते

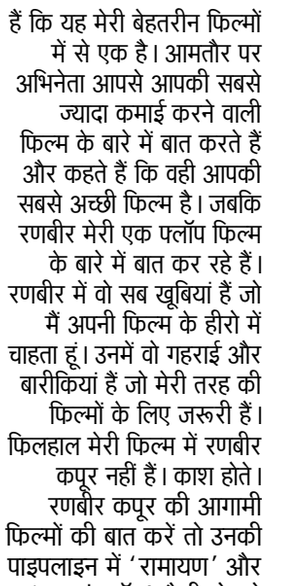

हैं कि यह मेरी बेहतरीन फिल्मों में से एक है। आमतौर पर अभिनेता आपसे आपकी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म के बारे में बात करते हैं और कहते हैं कि वही आपकी सबसे अच्छी फिल्म है। जबकि रणबीर मेरी एक फ्लॉप फिल्म के बारे में बात कर रहे हैं। रणबीर में वो सब खूबियां हैं जो मैं अपनी फिल्म के हीरो में चाहता हूं। उनमें वो गहराई और बारीकियां हैं जो मेरी तरह की फिल्मों के लिए जरूरी हैं। फिलहाल मेरी फिल्म में रणबीर कपूर नहीं हैं। काश होते। रणबीर कपूर की आगामी फिल्मों की बात करें तो उनकी पाइपलाइन में 'रामायण' और 'लव एंड वॉर' जैसी दो बड़े बजट की फिल्में हैं। नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित 'रामायण' इस साल दिवाली के मौके पर रिलीज होगी। इस फिल्म में रणबीर भगवान राम के किरदार में नजर आएंगे। जबकि साई पल्लवी सीता, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में दिखाई देंगे।

मेरे और श्रुति के बीच कोई खटास नहीं

अदिवी शेष की फिल्म 'डकैत' इन दिनों चर्चा में है। हालांकि, फिल्म जितनी अपनी कहानी को लेकर सुर्खियों में है, उससे ज्यादा इसकी कास्टिंग में आए बदलाव को लेकर भी चर्चा बनी हुई है। शुरुआत में इस फिल्म का हिस्सा रहीं श्रुति हासन बीच में ही बाहर हो गईं, जिसके बाद मृणाल ठाकुर की एंट्री हुई। अब इस पूरे मामले पर अदिवी शेष ने खुलकर बात की है।

श्रुति हासन के फिल्म छोड़ने पर अदिवी शेष कहते हैं, 'सच कहूं तो यह काम करने के तरीके का फर्क था। हर एक्टर का अपना वर्किंग स्टाइल होता है और कभी कभी वह आपस में मैच नहीं करता। अगर क्लैश हो जाए तो काम करने में मजा नहीं आता और उसका असर फिल्म के फाइनल आउटपुट पर भी दिख सकता है।'

श्रुति के पास तब कई बड़ी फिल्में थीं

वह आगे बताते हैं, 'मेरा शूटिंग स्टाइल थोड़ा स्लो है। मैं जल्दी जल्दी शूट नहीं करता, बल्कि समय लेकर काम करना पसंद करता हूं। वहीं श्रुति के पास उस वक्त बड़ी फिल्मों की डेट्स थीं, जिनमें रजनीकांत सर की फिल्म भी शामिल थी। ऐसे में उनके लिए हमारी फिल्म को उतना समय देना मुश्किल हो रहा था। मुझे लगा कि मैं उन्हें ज्यादा परेशानी में डाल रहा हूं और अगर मैं अपने वर्किंग पैटर्न में बदलाव करता तो फिल्म पर असर पड़ता। इसलिए हमने आपसी समझ से अलग होने का फैसला लिया। सब कुछ अच्छे नोट पर हुआ, कोई विवाद नहीं था। मैं उन्हें हमेशा बेस्ट विश करता हूं।'

एक्ट्रेस के जाने से डर नहीं लगता, काम पर भरोसा है

एक्ट्रेस के अचानक बाहर होने पर अदिवी शेष कहते हैं, 'मैं इस मामले में ज्यादा घबराता नहीं हूं। मेरे लिए फिल्म से ज्यादा अहम वह कला है जिसके पीछे हम काम कर रहे हैं। अगर हम ईमानदारी से मेहनत करें और अपने काम के साथ न्याय करें, तो बाकी चीजें अपने आप संभल जाती हैं।'

मृणाल ठाकुर की एंट्री पर अदिवी शेष बताते हैं, 'श्रुति के जाने के बाद हमने मृणाल को फिल्म सुनाई। सुबह 10 बजे हमने उन्हें पिच किया और दोपहर 1 बजे तक उन्होंने हाँ कह दी। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। आमतौर पर जवाब आने में हफ्ते या महीने लग जाते हैं, लेकिन उन्होंने तुरंत दिल से कहा कि उन्हें फिल्म बहुत पसंद आई।' वह कहते हैं, 'मृणाल बहुत खूबसूरत, टैलेंटेड और बेहद डाउन टू अर्थ हैं। उनसे बात करना बहुत आसान है, वो बहुत स्वीट हैं। मैं कहूंगा कि फिल्म में वो इसकी सोल हैं, जबकि मैं गुस्सा और फ्यूरी वाला हिस्सा हूं।'

अनुराग कश्यप के साथ बेहतरीन रहा अनुभव

अनुराग कश्यप के साथ काम करने के अनुभव पर अदिवी शेष कहते हैं, 'हमें एक बहुत अच्छा एक्टर और शानदार क्राफ्ट्समैन मिला। साथ ही ऐसा लगा जैसे इंडिया के बेस्ट डायलॉग राइटर हमें बोनस में मिल गए। उनकी हिंदी बहुत अच्छी है और उन्होंने जिस सादगी के साथ काम किया, वो कमाल का था। जब हम स्क्रीन पर उन्हें देखते हैं तो वो काफी सख्त और रिबेल लगते हैं, लेकिन असल जिंदगी में वो बहुत ही सिंपल इंसान हैं। जब मैं पहली बार उनके घर गया और कहानी डिस्कस की, तो मैं सरप्राइज हो गया।'

संक्षिप्त समाचार

न्यूयॉर्क में हमले की साजिश नाकाम

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में एक बड़ी साजिश को समय रहते नाकाम कर दिया गया। पुलिस और एफबीआई ने मिलकर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जो एक फिलिस्तीनी कार्यकर्ता के घर पर पेट्रोल बम से हमला करने की योजना बना रहा था। आरोपी कई हफ्तों से इस हमले की तैयारी कर रहा था और उसने बम बनाने का सामान भी इकट्ठा कर लिया था। गुप्त ऑपरेशन के जरिए पुलिस को इसकी जानकारी मिली और उसे पकड़ लिया गया। जिस महिला को निशाना बनाया गया था, उन्होंने कहा कि यह घटना डराने वाली है, लेकिन उन्हें राहत है कि समय रहते कार्रवाई हो गई।

अमेरिका में स्कूल बस हादसा, 2 छात्रों की मौत

टेनेसी, एजेंसी। अमेरिका के टेनेसी राज्य में शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें स्कूल बस की टक्कर में दो छात्रों की मौत हो गई और कम से कम सात लोग घायल हो गए। यह हादसा हाईवे 70 पर हुआ, जहां एक डंप ट्रक, एक कार और स्कूल बस आपस में टकरा गए। बस में कुल 25 छात्र और 5 वयस्क मौजूद थे, जो केनवुड मिडिल स्कूल से एक शैक्षणिक यात्रा पर जा रहे थे। हादसे के बाद कई घायलों को हेलीकॉप्टर से अस्पताल पहुंचाया गया। चार बच्चों का इलाज नैशविले के एक अस्पताल में चल रहा है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

मिसिसिपी में रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन और वैन की टक्कर, 5 की मौत

मिसिसिपी, एजेंसी। अमेरिका के मिसिसिपी राज्य के एक ग्रामीण इलाके में रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन और वैन की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। स्टोन काउंटी के कोरोनर वेन फ्लरी के अनुसार, हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोग वैन में सवार थे। वैन में मौजूद एकमात्र जीवित बची 23 वर्षीय महिला को एयरलिफ्ट कर अस्पताल पहुंचाया गया है। ट्रेन में सवार किसी भी व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है। रेलवे कंपनी के बयान के मुताबिक, यह दुर्घटना उस समय हुई जब कैनेडियन पैसिफिक कंसास सिटी की एक मालगाड़ी रेलवे क्रॉसिंग पर एक वाहन से टकरा गई। हादसा उत्तर-पश्चिम में स्थित विगिंस शहर के पास हुआ। मृतकों में वैन चालक 26 वर्षीय रयान सी. पीटरसन और आगे की सीट पर बैठीं 45 वर्षीय क्रिस्टिना कार्वर शामिल हैं। कार्वर की दो बेटियों (22 वर्षीय एमली चैंबली और 20 वर्षीय सारा बेथ चैंबली) की भी इस हादसे में मौत हो गई। इसके अलावा 23 वर्षीय डेमार्कस पर्किन्स की भी जान गई।

जिल बाइडन के सीक्रेट सर्विस एजेंट से गलती से गोली चली

फिलाडेल्फिया , एजेंसी। अमेरिका में फिलाडेल्फिया एयरपोर्ट पर एक सीक्रेट सर्विस एजेंट से गलती से गोली चल गई, जिससे वह खुद घायल हो गया। यह एजेंट पूर्व फर्स्ट लेडी जिल बाइडेन की सुरक्षा में तैनात था। घटना उस समय हुई जब वह अपनी कार में था और अचानक उसकी बंदूक चल गई। गोली उसके पैर में लगी और उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों के अनुसार उसकी हालत स्थिर है। इस घटना से एयरपोर्ट के कामकाज पर कोई असर नहीं पड़ा।

चिली के स्कूल में चाकूबाजी, एक की मौत

कालामा, एजेंसी। चिली के एक स्कूल में शुक्रवार को चाकूबाजी की घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए। यह हमला उत्तरी शहर कालामा के एक स्कूल में हुआ। पुलिस के मुताबिक एक छात्र ने तीन छात्रों और दो स्टाफ पर हमला किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया। इस हमले में एक 59 साल के स्कूल कर्मचारी की मौत हो गई। घटना के बाद स्कूल खाली करा लिया गया और कक्षाएं रद्द कर दी गईं। अधिकारी इसे गंभीर घटना मान रहे हैं और जांच कर रहे हैं कि यह हमला पहले से योजना बनाकर किया गया था या नहीं।

बेलारूस के राष्ट्रपति ने किम जोंग को तोहफे में दी राइफल

मिन्स्क, एजेंसी। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने प्योंगयांग में उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन के साथ मैत्री संधि पर ही दस्तखत नहीं किए, बल्कि उन्हें एक राइफल भी तोहफे में दी। बेलारूसी सरकारी समाचार बेलटा के मुताबिक, यूक्रेन के खिलाफ रूसी जंग की वकालत करने वाले दोनों नेता संधि के तहत पश्चिमी दबाव का विरोध करने और अधिक निकटता से सहयोग करने पर रजामंद हुए हैं। लुकाशेंको ने इस मैत्री संधि को बेहद अहम बताया, जबकि किम ने इसे द्विपक्षीय संबंधों के स्थिर विकास की और अधिक गारंटी देने वाली करार दिया।

स्पेन में पिता से कानूनी लड़ाई के बाद इच्छामृत्यु मिली

रेप के बाद आत्महत्या की कोशिश की थी, तीन साल से व्हीलचेयर पर थी

बार्सिलोना, एजेंसी। स्पेन में 25 साल की नोएलिया कास्तिलो ने लंबी कानूनी लड़ाई के बाद इच्छामृत्यु के जरिए गुरुवार को अपना जीवन खत्म कर लिया। नोएलिया को इच्छामृत्यु के लिए अपने पिता से भी कानूनी लड़ाई लड़ना पड़ी क्योंकि वे इसके विरोध में थे। बार्सिलोना की रहने वाली नोएलिया का 2022 में एक फैसिलिटी सेंटर में 3 युवकों ने रेप किया था। इसके बाद नोएलिया ने आत्महत्या की कोशिश की और पांचवीं मंजिल से छलांग लगा दी। हालांकि वह इस घटना में बच गई, लेकिन उन्हें रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट लगी, जिसके कारण वह कमर के नीचे से लकवाग्रस्त हो गईं। इसके बाद से वह लगातार शारीरिक दर्द और मानसिक तनाव से जूझ रही थीं। नोएलिया ने 2024 में इच्छामृत्यु के लिए आवेदन किया था, जिसे कैटेलोनिया सरकार ने मंजूरी भी दे दी थी। लेकिन आखिरी समय में उसके पिता ने अदालत में आपत्ति दर्ज कराई और प्रक्रिया रुकवा दी थी।

फोस्टर होम में कई बार यौन शोषण हुआ : नोएलिया बचपन में अपने माता-पिता के साथ ठीक से नहीं रह पा रही थीं। उसे मानसिक दिक्कतें थी और उनके माता-पिता का तलाक भी हो गया था। परिवार में समस्याएं होने की वजह से सरकार ने उन्हें 13 साल की उम्र में एक देखभाल केंद्र (फोस्टर होम) में रख दिया, ताकि उनकी देखभाल हो सके। इसके बाद वह उसी देखभाल केंद्र में रहने लगीं, जहां उन्होंने कई बार दुर्व्यवहार होने का आरोप लगाया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वहां उनके साथ कई बार यौन शोषण हुआ और आखिरी बार 2022 में तीन लड़कों ने उनके साथ गैंगरेप किया।

इच्छामृत्यु की इजाजत मिली, पिता ने विरोध किया : रेप की घटना के बाद नोएलिया की मानसिक हालत और बिगड़ गई। इससे परेशान होकर उसने पांचवीं मंजिल से छलांग लगा दी, लेकिन वह बच गईं। इस कोशिश के बाद वह हमेशा दर्द में रहने लगीं और व्हीलचेयर पर आ गईं। करीब 18 महीने बाद उन्होंने 2021 में लागू हुए स्पेन के इच्छामृत्यु कानून के तहत अपनी जिंदगी खत्म करने की अनुमति हासिल की। लेकिन इच्छामृत्यु पाने की उनकी कोशिश का उनके पिता और एक अल्ट्रा कंसरवेटिव ग्रुप 'क्रिश्चियन लॉयर्स' ने विरोध किया। उनका कहना था कि नोएलिया की मानसिक हालत ऐसी नहीं है कि वह अपनी जिंदगी खत्म करने का सही फैसला ले सकें।

डेढ़ साल तक अदालत में चलता रहा केस : नोएलिया की इच्छामृत्यु का मामला कोर्ट में चला गया और कानूनी लड़ाई शुरू हो गई। करीब डेढ़ साल तक यह केस अलग-अलग अदालतों में चलता रहा। इस दौरान डॉक्टरों और मेडिकल विशेषज्ञों ने भी अपनी राय दी। उन्होंने बताया कि नोएलिया की हालत बेहद गंभीर है, उन्हें लगातार तेज दर्द रहता है और उनके ठीक होने की संभावना बहुत कम है। सरकार से जुड़ी एजेंसी ने भी उनकी मांग को सही माना और इच्छामृत्यु की अनुमति दे दी। इसके बावजूद उनके पिता ने फैसले को चुनौती दी, जिससे मामला आगे बढ़ता गया। आखिरकार यह मामला यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय तक पहुंचा। वहां यह देखा गया कि क्या नोएलिया मानसिक रूप से अपने फैसले लेने में सक्षम हैं, क्या उन पर किसी तरह का दबाव है और क्या उनकी मांग कानून के तहत सही है। अदालत ने सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद यह माना कि नोएलिया को अपने जीवन के बारे में फैसला लेने का अधिकार है। इस फैसले के बाद उनकी इच्छामृत्यु का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया और तय प्रक्रिया के तहत इसे अंजाम दिया गया।

पिता का तर्क- बेटी मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं : नोएलिया की इच्छानुसार उन्हें 'असिस्टेड डेथ' दी गई। इच्छामृत्यु की प्रक्रिया में तीन इंजेक्शन दिए गए। पहले दो से गहरी बेहोशी लाई गई और तीसरे इंजेक्शन से दिल की धड़कन रुक गई। नोएलिया ने कहा था कि वह अपनी मौत के समय अकेली रहना चाहती हैं और नहीं चाहती थीं कि कोई उन्हें अंतिम समय में देखे।

3 साल में 1,123 लोगों को इच्छामृत्यु : स्पेन के स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, जून 2021 (जब यह कानून लागू हुआ) से लेकर 2024 के अंत तक 1,123 लोगों ने असिस्टेड डेथ ली है। नोएलिया का मामला इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि पहली बार किसी व्यक्ति के इच्छामृत्यु के अधिकार को लेकर इतनी लंबी और बड़ी कानूनी लड़ाई देखने को मिली। मौत से कुछ दिन पहले रिकॉर्ड किए गए एक टीवी इंटरव्यू में नोएलिया ने अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा कि यह उसका अपना फैसला है। स्पेन में इच्छामृत्यु का अधिकार केवल उन वयस्क लोगों को दिया जाता है, जो 'गंभीर और लाइलाज बीमारी' या 'गंभीर, पुरानी और अक्षम करने वाली स्थिति' से जूझ रहे हों। इसके साथ यह भी जरूरी है।

ईरान के चक्रव्यूह में घिरा इस्राइलः हिजबुल्ला और हमास के बाद अब यमन से भी हुए मिसाइल हमले

तेलअवीव, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध अब नए और खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। इस्राइल अब सिर्फ ईरान, हिजबुल्ला और हमास से ही नहीं, बल्कि यमन से भी हमलों का सामना कर रहा है। यमन से पहली बार मिसाइल दागे जाने के बाद हालात और गंभीर हो गए हैं। इससे साफ संकेत मिल रहा है कि इस्राइल अब चारों तरफ से घिरता जा रहा है और प्रधानमंत्री नेतन्याहू के सामने बड़ा संकट खड़ा हो गया है। इस्राइली सेना के मुताबिक, शनिवार सुबह यमन की ओर से एक मिसाइल दागी गई। इसके बाद बीयर शेबा और परमाणु रिसर्च सेंटर के आसपास सायरन बजने लगे। इससे पहले भी ईरान और हिजबुल्ला लगातार हमले कर रहे थे। यमन के हूती विद्रोही, जो तेहरान समर्थित माने जाते हैं। वो अब इस युद्ध में खुलकर उतरते दिख रहे हैं, हालांकि उन्होंने इस हमले की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

क्या यमन के हूती अब युद्ध में उतर आए हैं : हूती विद्रोही लंबे समय से यमन की राजधानी सना पर कब्जा किए हुए हैं। अब उनके प्रवक्ता ने साफ संकेत दिया है कि अगर ईरान पर हमले जारी रहे तो वे सीधे सैन्य कार्रवाई कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी उंगलियां ट्रिगर पर हैं। इससे यह साफ हो गया है कि युद्ध का दायरा और बढ़ सकता है।

कैसे चारो तरफ से घिरा

इस्राइल : इस्राइल पर एक साथ कई दिशाओं से दबाव बढ़ रहा है। ईरान लगातार मिसाइल हमले कर रहा है। हिजबुल्ला लेबनान से हमला कर रहा है। गाजा से हमास सक्रिय है और अब यमन से भी खतरा बढ़ गया है। इससे इस्राइल की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा दबाव बन गया है।

क्या ईरान ने भी जवाबी हमला तेज कर दिया है : इस्राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया, जिसके बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की। सऊदी अरब के एक सैन्य बेस पर ईरानी हमले में अमेरिकी सैनिक घायल हुए और कई विमान क्षतिग्रस्त हुए। इससे यह संघर्ष अब और ज्यादा अंतरराष्ट्रीय रूप लेता दिख रहा है। लाल सागर और होर्मुज जलडमरूमध्य पर खतरा बढ़ने से वैश्विक व्यापार पर असर पड़ रहा है। पहले ही हूती विद्रोहियों ने कई जहाजों को निशाना बनाया है। होर्मुज से दुनिया का बड़ा हिस्सा तेल और गैस सप्लाई होता है। ऐसे में इस क्षेत्र में तनाव बढ़ने से वैश्विक बाजार भी प्रभावित हो रहे हैं।

वॉशिंगटन में उड़ानों पर लगा ब्रेक, एयर ट्रैफिक सेंटर में रसायनिक दुर्गंध से ठप हुआ आसमान

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन और आसपास के इलाकों में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एयर ट्रैफिक कंट्रोल सेंटर में तेज केमिकल जैसी गंध आने के कारण कई बड़े एयरपोर्ट्स पर उड़ानों को रोकना पड़ा। अचानक लिए गए इस फैसले से यात्रियों को भारी परेशानी हुई और पूरे इलाके में हवाई सेवाएं कुछ समय के लिए ठप हो गईं। यह घटना सुरक्षा को लेकर बड़े सवाल भी खड़े कर रही है। जानकारी के मुताबिक, संघीय अधिकारियों ने बताया कि पोटोमैक ट्रैकन सेंटर में तेज रसायनिक दुर्गंध महसूस की गई, जिसके बाद तुरंत कार्रवाई करते हुए कई एयरपोर्ट्स पर फ्लाइट ऑपरेशन रोक दिए गए। जिन एयरपोर्ट्स पर असर पड़ा, उनमें रोनाल्ड रीगन वॉशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट, वॉशिंगटन डलेस इंटरनेशनल एयरपोर्ट, बाल्टीमोर-वॉशिंगटन इंटरनेशनल एयरपोर्ट, शार्लोट्सविल-अलबेमार्ले एयरपोर्ट और रिचमंड इंटरनेशनल एयरपोर्ट शामिल हैं। यह सेंटर इन सभी क्षेत्रों की हवाई यातायात व्यवस्था संभालता है। क्यों यहां से कंट्रोल होता है ट्रैफिक? पोटोमैक ट्रैकन एक टर्मिनल रडार अप्रोच कंट्रोल सुविधा है, जो वॉशिंगटन और आसपास के कई बड़े एयरपोर्ट्स की उड़ानों को कंट्रोल करती है। यहां से तय होता है कि कौन सी फ्लाइट कब लैंड करेगी और कब उड़ान भरेगी। ऐसे में यहां किसी भी तरह की तकनीकी या सुरक्षा समस्या का सीधा असर पूरे क्षेत्र की हवाई सेवाओं पर पड़ता है। रसायनिक गंध की वजह क्या थी? फिलहाल इस गंध के पीछे की सटीक वजह साफ नहीं हो पाई है। हालांकि, अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर तुरंत उड़ानों को रोक दिया। बाद में जांच और सुरक्षा जांच के बाद हालात सामान्य होने लगे। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन की प्रवक्ता क्रिस्टन एल्सोप ने बताया कि कंट्रोलर धीरे-धीरे काम पर लौट रहे हैं और उड़ानें जल्द सामान्य हो जाएंगी। क्या पहले भी हो चुकी है ऐसी घटना? यह इस महीने दूसरी बार है जब इसी तरह की रसायनिक दुर्गंध के कारण उड़ानों को रोकना पड़ा है। इससे पहले भी करीब एक घंटे के लिए उड़ानें बंद करनी पड़ी थीं। उस समय जांच में पता चला था।

वेलफेयर फ्रॉड को रोकने के लिए अमेरिकी सरकार ने बनाया टास्क फोर्स

वॉशिंगटन , एजेंसी। ट्रंप सरकार ने वेलफेयर प्रोग्राम में फ्रॉड पर रोक लगाने के लिए एक फेडरल टास्क फोर्स शुरू की है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने चेतावनी दी है कि यह समस्या बहुत बड़ी परेशानी बन गई है जिससे टैक्सपेयर का पैसा खत्म हो रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों की एक मीटिंग में उपराष्ट्रपति वेंस ने कहा कि सरकार एंटी-फ्रॉड सेफगार्ड्स को फिर से लागू करेगा और फेडरल बेनिफिट प्रोग्राम्स में गलत इस्तेमाल का पता लगाने के लिए क्रॉस-डिपार्टमेंटल कोऑर्डिनेशन लागू करेगा। उन्होंने कहा, 'हमें फ्रॉड के मुद्दे को गंभीरता से लेना होगा। सालों से मौजूद प्रोटेक्शन बंद कर दिए गए थे और उन्हें फिर से लागू करने की जरूरत थी। हम उन एंटी-फ्रॉड प्रोटेक्शन को फिर से चालू करने जा रहे हैं।'

उन्होंने कहा कि इस कोशिश में पूरी सरकार का नजरिया शामिल होगा, जिसमें स्वास्थ्य, हाउसिंग, कृषि और वित्त के कामों को संभालने वाली एजेंसियों को एक

साथ लाया जाएगा ताकि गड़बड़ियों की पहचान की जा सके और इंटेलिजेंस शेयर की जा सके। वेंस ने कहा, 'यह सिर्फ अमेरिकी लोगों के पैसे की चोरी नहीं है, यह उन जरूरी सेवाओं की भी चोरी है जिन पर अमेरिकी लोग भरोसा करते हैं।'

उन्होंने मिनेसोटा में मेडिकेड से जुड़ी सेवाओं का उदाहरण देते हुए आरोप लगाया कि धोखाधड़ी की गतिविधियों के कारण ऑटिज्म से प्रभावित बच्चों और उनके परिवारों के लिए निर्धारित लाखों-करोड़ों डॉलर का फंड दूसरी जगह भेज दिया गया। बता दें, ऑटिज्म एक एक न्यूरो-डेवलपमेंटल स्थिति है, जिसमें व्यक्ति को सामाजिक बातचीत, सामान्य बातचीत और व्यवहार में चुनौतियां आती है। उन्होंने कहा, 'ऐसे परिवार हैं जिन्हें इन सेवाओं की जरूरत है, जो इन्हें नहीं ले पा रहे हैं क्योंकि लोग फ्रॉड स्कीम से अमीर हो रहे हैं।' टास्क फोर्स को लीड कर रहे एक अधिकारी ने कहा कि फ्रॉड ने सरकारी प्रोग्राम्स पर लोगों का भरोसा खत्म कर दिया है और अगर इसे रोका नहीं गया तो इसके बड़े नतीजे होंगे। अधिकारी ने कहा, 'स्कैम उस सामाजिक भरोसे को खत्म कर देता है जिस पर ये प्रोग्राम और हमारा पूरा देश निर्भर करता है।' उन्होंने इस संकट को अस्तित्व का खतरा बताया और इससे निपटने के लिए एक राष्ट्रीय रणनीति बनाने का वादा किया। अधिकारी ने आगे कहा कि टास्क फोर्स अपराधियों पर मुकदमा चलाने और फेडरल बेनिफिट सिस्टम में जवाबदेही सुनिश्चित करने में न्यायिक विभाग की मदद करेगी। व्हाइट हाउस के सीनियर सलाहकार स्टीफन मिलर ने कहा कि कई वेलफेयर प्रोग्राम लिमिटेड वेरिफिकेशन के साथ चलते हैं, जिससे गलत इस्तेमाल बढ़ता है। उन्होंने कहा, 'हमारी सभी प्रणालियां एक उच्च-विश्वास वाली समाज के लिए बनाई गई थीं। कुछ मामलों में तो लोगों के नामांकन से पहले किसी तरह का सत्यापन भी नहीं किया जाता।' उन्होंने आरोप लगाया कि लोग बिना चेक के बेनिफिट पाने के लिए व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी को गलत तरीके से बता सकते हैं। अमेरिकी अधिकारी ने इसे अमेरिकी टैक्सपेयर के डॉलर की बड़ी चोरी बताया। मिलर ने पॉलिटिकल विरोधियों पर एनफोर्समेंट मैकेनिज्म को कमजोर करने और ओवरसाइट की कोशिशों का विरोध करने का भी आरोप लगाया और कहा कि प्रोग्राम डेटा की जांच करने की कोशिशों को रोक दिया गया था। वेंस ने कहा कि टास्क फोर्स को कैबिनेट में सभी का समर्थन है और वह जस्टिस विभाग में नए नेतृत्व के साथ मिलकर एंटी-फ्रॉड एनफोर्समेंट को तेज करने के लिए काम करेगी।

ट्रंप ने नाटो को 'कागजी शेर' कहा, सहयोगियों पर सवाल उठाए

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो की कड़ी आलोचना करते हुए उसे 'कागजी शेर' बताया और सवाल उठाया कि क्या वाशिंगटन को उन सहयोगियों का बचाव जारी रखना चाहिए, जो उनके अनुसार जरूरत के समय अमेरिका का समर्थन करने में विफल रहे। मियामी में फ्यूचर इन्वेस्टमेंट इनिशिएटिव प्रायोरिटी समिट में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि जब अमेरिका को सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब गठबंधन ने उसका साथ नहीं दिया। ट्रंप ने गठबंधन के प्रति अमेरिकी प्रतिबद्धताओं पर पुनर्विचार का सुझाव दिया। उन्होंने कहा, 'अगर वे हमारे लिए मौजूद नहीं हैं, तो हम उनके लिए क्यों मौजूद रहेंगे?' उन्होंने नाटो की प्रतिक्रिया को 'एक बहुत बड़ी गलती' बताया। ट्रंप ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों समेत प्रमुख यूरोपीय नेताओं के साथ हुई बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि समर्थन की पेशकश सैन्य कार्रवाई समाप्त होने के बाद ही आई। उन्होंने मैक्रों के हवाले से कहा, 'युद्ध खत्म होते ही हम जहाज भेजेंगे।' ट्रंप ने आगे कहा, 'मुझे युद्ध खत्म होने के बाद उनकी जरूरत नहीं है।' ट्रंप ने ब्रिटेन की प्रतिक्रिया की भी आलोचना करते हुए कहा कि विमानवाहक पोत कई हफ्तों बाद ही उपलब्ध कराए जाएंगे। ट्रंप ने देरी से मिल रहे समर्थन का मजाक उड़ाते हुए कहा, 'जब युद्ध खत्म हो जाएगा, तब हम वहां मौजूद होंगे।' राष्ट्रपति ने जर्मनी की आलोचना करते हुए उनके नेतृत्व के इस बयान का जिक्र किया कि यह संघर्ष उनकी चिंता का विषय नहीं है। उन्होंने कहा, 'यह हमारा युद्ध नहीं है, हमें इससे कोई लेना-देना नहीं है,' इस टिप्पणी का क्रेडिट जर्मनी के चांसलर को दिया। ट्रंप ने कहा कि समर्थन की कमी ने नाटो के बारे में उनके पुराने विचार को और मजबूत किया है। उन्होंने कहा, 'मैंने हमेशा कहा है कि नाटो एक कागज़ी शेर है, हम नाटो की मदद करते हैं, लेकिन वे हमारी कभी मदद नहीं करेंगे।' ट्रंप ने कहा, 'इससे अमेरिका को बहुत पैसा मिलेगा, क्योंकि हम नाटो पर हर साल सैकड़ों अरब डॉलर खर्च करते हैं।' यह संकेत देते हुए कि भविष्य में अमेरिका की प्रतिबद्धताओं पर पुनर्विचार किया जा सकता है। हालांकि, ट्रंप ने कई मध्य पूर्वी देशों के समर्थन की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे नाटो सदस्यों की तुलना में अमेरिका के साथ अधिक मजबूती से खड़े रहे। उन्होंने कहा, 'वे नाटो से भी अधिक मजबूती से खड़े रहे,' और यह भी जोड़ा कि वाशिंगटन को 'उन देशों से जबरदस्त समर्थन मिला जो नाटो क्षेत्र में नहीं थे।

श्रीलंका के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री पर 7.5 करोड़ रुपये का जुर्माना

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पूर्व स्वास्थ्य मंत्री केहेलिया रामबुकवेला पर 7.5 करोड़ श्रीलंकाई रुपये का भारी जुर्माना लगाया। उन पर 2022 में भारतीय क्रेडिट लाइन के तहत एक गैर-पंजीकृत कंपनी से घटिया दवाएं आयात कर मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने का दोष सिद्ध हुआ है। अदालत ने अन्य वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों पर भी पांच-पांच करोड़ का जुर्माना लगाया। यह मामला श्रीलंका के सबसे बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य घोटाले के रूप में देखा जा रहा है।

इंडोनेशिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लागू, माता-पिता ने सराहा

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया ने शनिवार से 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लागू करना शुरू कर दिया। नए सरकारी नियम के तहत अब बच्चे यूट्यूब, टिकटॉक, फेसबुक, इंस्टाग्राम, थ्रेड्स, एक्स, बिगो लाइव और रोबॉक्स पर अकाउंट नहीं बना पाएंगे। सरकार का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य बच्चों को अश्लील फिल्में, साइबर बुलिंग, ऑनलाइन घोटाले और डिजिटल लत जैसी खतरनाक चीजों से सुरक्षित रखना है। इस निर्णय के साथ इंडोनेशिया दक्षिण-पूर्व एशिया का पहला देश बन गया है, जिसने बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर सख्त रोक लगाई।

लगभग 70 मिलियन बच्चों पर होगा लागू : इंडोनेशिया के संचार और डिजिटल मामलों की मंत्री मेटुया हफिद ने मार्च में इस नियम की घोषणा करते हुए बताया कि यह लगभग 70 मिलियन बच्चों पर लागू होगा। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि नियम का पालन कराना आसान नहीं होगा, क्योंकि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को नियमों के अनुरूप बनाना और 16 साल से कम उम्र के खातों को रिपोर्ट कराना चुनौतीपूर्ण है। मंत्री हफिद ने कहा यह निश्चित रूप से कठिन कार्य है, लेकिन हमें अपने बच्चों को बचाने के लिए कदम उठाने होंगे। इसे लागू करना आसान नहीं, लेकिन हमें इसे पूरा करना ही होगा।

माता-पिता ने सराहा : 13 वर्षीय मौरा मुन्थे, जो रोजाना लगभग चार घंटे सोशल मीडिया

और ऑनलाइन गेम्स पर बिताती हैं, ने नए नियम के बारे में कहा कि उनकी राय '50-50' है, लेकिन वे ज्यादातर इस निर्णय के पक्ष में हैं। उनकी मां लेनी सिनुराया ने कहा कि सोशल मीडिया के चलते माता-पिता ने अपने बच्चों पर नियंत्रण खो दिया है और यह कदम बच्चों की सुरक्षा के लिए सही है। सिनुराया ने बताया, 'आजकल जब हम बच्चों को किसी रेस्तरां में देखते हैं, उनके हाथ में हमेशा फोन होता है। वे तब तक नहीं खाते जब तक उन्हें फोन नहीं दिया जाता, और अगर नहीं दिया तो वे हंगामा करते हैं। मील टाइम का मतलब है परिवार और दोस्तों के साथ बातचीत करना, लेकिन अब फोन सब कुछ नियंत्रित कर रहा है।' सरकार ने कहा कि यह प्रतिबंध धीरे-धीरे लागू किया जाएगा, ताकि सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म्स नियमों के अनुरूप आएं और बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने की मांगें दुनिया भर में तेजी से बढ़ रही हैं। इसका उदाहरण ऑस्ट्रेलिया का ऐतिहासिक कानून है, जो पिछले साल लागू हुआ। हाल ही में इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भारत से भी बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने पर विचार करने का आग्रह किया।

नेपाल में बड़ा राजनीतिक उलटफेर : पूर्व प्रधानमंत्री केपी ओली गिरफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की राजनीति में आज उस समय हड़कंप मच गया जब पुलिस ने पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई नए प्रधानमंत्री बालेन शाह के शपथ ग्रहण के ठीक अगले दिन की गई है, जिससे देश में सत्ता परिवर्तन के साथ ही जवाबदेही का नया दौर शुरू होता दिख रहा है। भक्तपुर स्थित आवास से हुई गिरफ्तारी शनिवार सुबह तड़के नेपाल पुलिस की एक विशेष टीम ने भक्तपुर के गुंडु स्थित केपी ओली के घर पर छापेमारी की और उन्हें हिरासत में ले लिया। इसी कड़ी में पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक को भी सुबह करीब 5 बजे सूर्यविनायक इलाके से गिरफ्तार किया गया है।

जेन-जेड प्रोटेस्ट और 77 मौतों का मामला : यह पूरी कार्रवाई पिछले साल हुए जेन-जेड' (युवा पीढ़ी) के हिंसक प्रदर्शनों की जांच के आधार पर की गई है। गंभीर लापरवाहीः पूर्व जज गौरी बहादुर कार्की की अध्यक्षता वाले जांच आयोग ने अपनी रिपोर्ट में ओली सरकार पर 'गंभीर लापरवाही' बरतने का आरोप लगाया है। जान-माल का नुकसानः इन प्रदर्शनों के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़पों में 77 लोगों की जान चली गई थी और देश की अरबों रुपये की संपत्ति खाक हो गई थी। इंटेलिजेंस की अनदेखीः रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों को संभावित हिंसा की चेतावनी पहले ही मिल चुकी थी।

प्रधानमंत्री बालेन शाह का बड़ा एक्शन : प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेने के तुरंत बाद बालेन शाह ने एक कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में जांच आयोग की रिपोर्ट को तत्काल प्रभाव से लागू करने का फैसला लिया गया।

आरोपः केपी ओली पर आरोप है कि जब देश जल रहा था, तब वे जिम्मेदारी निभाने के बजाय काठमांडू छोड़कर भाग गए थे। अब उन पर केस चलाया जाएगा, जिसमें 10 साल तक की जेल की सजा हो सकती है।

देशभर में हाई अलर्ट : ओली की गिरफ्तारी के बाद काठमांडू घाटी समेत पूरे नेपाल में सुरक्षा व्यवस्था बेहद सख्त कर दी गई है। काठमांडू की सड़कों पर भारी पुलिस बल तैनात है ताकि किसी भी तरह के विरोध प्रदर्शन या हिंसा को रोका जा सके। गृह मंत्रालय ने संकेत दिए हैं कि इस मामले में कई अन्य बड़े अधिकारियों और नेताओं की भी गिरफ्तारी हो सकती है।

ओली को मेडिकल जांच के बाद बटालियन में शिफ्ट किया जाएगा : ओली और रमेश लेखक को पुलिस जल्द ही आर्म्ड पुलिस फोर्स की महाराजगंज स्थित बटालियन नंबर-2 में शिफ्ट करेगी। दोनों नेताओं को गिरफ्तारी के बाद मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मेडिकल जांच पूरी होते ही दोनों को बटालियन में रखने की व्यवस्था कर ली गई है। यह कदम जारी कस्टडी प्रक्रिया के तहत उठाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि महाराजगंज स्थित बटालियन नंबर-2 में दोनों नेताओं को रखने की पूरी तैयारी कर ली गई है।

गिरफ्तारी से पहले बालेन की अध्यक्षता में बैठक हुई : इस मामले की जांच एक आयोग ने की थी, जिसकी अगुआई पूर्व जज गौरी बहादुर कार्की ने की। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि प्रदर्शन के दौरान हालात को संभालने में गंभीर लापरवाही हुई। रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने पहले से मिली चेतावनी (इंटेलिजेंस) के बावजूद सही कदम नहीं उठाए, जिससे हालात बिगड़ गए और कई लोगों की जान चली गई। गिरफ्तारी से पहले प्रधानमंत्री बालेन शाह की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में इस रिपोर्ट को लागू करने का फैसला लिया गया था।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)